हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

28 मार्च, 1977

खण्ड 1, अंक 7

अधिकृत विवरण

विशय सूची

सोमवार 28 मार्च, 1977

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(7)1
अतारांकित प्र न एवं उत्तर	(7)10
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा	(7)22

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 28 मार्च, 1977

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा, विधान भवन, सैक्टर–1, चंडीगढ़ मे 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (चौधरी सरूप सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

Sterilization cases

***1952 Chauhri Ram Lal Wadhwa:** Will the Minister for Industries be please to state the district wise total number of persons who have been sterilized under the Family Planning Programme in the State during the calendar year 1975 and 1976, separately?

Industries Minister (Shri Harpal Singh):-

Number of persons sterilized district wise during the calendar years 1975 and 1976 in the State of Haryana is as follows:-

Sr. No.	District	1975	1976
1	Ambala	6655	27700

2	Bhiwani	3298	12004
3	Gurgaon	7324	49895
4	Hissar	6848	29582
5	Jind	4670	19733
6	Karnal	4290	19894
7	Kurukshetra	3399	17264
8	Mohindergarh	4508	20665
9	Rohtak	4831	14735
10	Sirsa	4155	10090
11	Sonepat	3971	10798
	Total	53949	232360

चौधरी राम लाल वधवाः क्या मंखी महोदय बताने की करेंगे कि 1976 का जो कोटा फिक्स हुआ था उससे ज्यादा केसिज स्टरलाइज हुए या कम हुए है?

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, 52 हजार का कोटा फिक्स हुआ था उससे काफी ज्यादा हुए है।

चौधरी ि ाव राम वर्माः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि किस किस महकमें ने कितने केसिज स्टरलाइज कराए है ? क्या वे ब्रेक अप बताने की कृपा करेंगे ?

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, इसमे तो सारी स्टेट की फिगर दिखाई है अलग अलग महकमे की बात नही है।

चौधरी राम लाल वधवाः क्या मंत्री साहब बताने की कृपा करेंगे कि क्या उनके नोटिस मे ऐसी कोई ि ाकायत आई है जहां पर जबरदस्ती की गई हो ?

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री महोदय ने फैमिली प्लानिंग पर आन दी फ्लोर आफ दी हाउस एक स्टेटमैंट दी थी और मैं समझता हूं कि उसके बाद उस पर ज्यादा डिस्क ान की जरूरत नही है।

चौधरी ि ाव राम वर्माः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि पुलिस के महकमे ने कितने नसबंदी कराई है, उनक खते पर कितनी फिगर लिखी हुई है ?

Mr. Speaker: Order please. The rely has already come कि अलग से किसी डिपार्टमैंट की फिगर नही है।

चौधरी ि ाव राम वर्माः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या उने पास अलग अलग डिपार्टमैंट का अलग अलग खाता नही है?

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, कोई खाता अलग नही है।

चौधरी राम लाल वधवाः क्या मंत्री साहब बताने की कृपा करेंगे कि अगले साल का कोटा कितना फिक्स किया हुआ है ?

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, अगला साल भाुरू होगा तो बात करेंगे।

चौधरी पीर चंदः क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि जो फिगर स्टरलाइजे ान की उन्होंने बताई है उनमे औरते कितनी है और आदमी कितने है।

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, अगर अलग से नोटिस दे तो बता देंगे।

चौधरी राम लाल वधवाः क्या मंत्री साहब बताने की कृपा करेंगे कि अगर जोर जबरदस्ती के केस उनके नोटिस मे लाएं तो क्या सरकार इंक्वायरी करवाएगी ?

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री महोदया ने पहले जैसे बताया है कि अगर उनके नोटिस मे ज्यादती के केस जाएंगे तो इंक्वायरी करायी जायेगी।

चौधरी ि ाव राम वर्माः क्या मंत्री महोदय अपने रिकार्ड मे देखकर सारे सदन को यह बताने की कृपा करेंगे कि पुलिस डिपार्टमैंट के खाते मे कितने केस लिखे हुए है ?

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, किसी डिपार्टमैंट का सैपरेट खाता नही लिखा हुआ है।

चौधरी पीर चंदः क्या मंत्री साहब बताने की कृपा करेंगे कि जिन लोगों के एक भी बच्चा नही था उनका भी जबरदस्ती आप्रे ान कर दिया गया, क्या उसको ठीक करवाया जाएगा ?

श्री हरपाल सिंहः हमारे नोटिस मे तो कोई ऐसा केस है नही। अगर कोई नोटिस मे इस तरह का केस लाया जाएगा तो उसको ठीक करवा देंगे।

श्री हरस्वरूप बूराः क्या मंत्री साहब बताने की कृपा करेंगे कि क्या उनके नोटिस मे कोई ऐसे केसिज है जिनमे आप्रे ान न करवाने के सिलसिले मे लोगों की तनखाह रोकी गई ? क्या यह जबरदस्ती नही है ?

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, किसी की तनखाह नही रोकी गई, सबको तनखाह मिली है।

चौधरी ि ाव राम वर्माः क्या मंत्री साहब बताने की कृपा करेंगे कि नसबंदी का कोटा पूरा हो गया है या कुद बाकी रहता है ?

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब अब ये ऊपर से भ्ारू करेंगे तब फिर वैसे ही काम चलेगा।

चौधरी राम लाल वधवाः क्या मंत्री साहब बताने की कृपा करेंगे कि जो टोटल बताया गया था उनमे हरिजन कितने है ?

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, कम्युनिटी वाइज फिगर्ज इसमे नही है।

श्री जगजीत सिंह टिक्काः क्या मंत्री साहब बताने की कृपा करेंगे कि क्या ऐसे केसिज भी नोटिस मे है जो इलिजिवल नही है लेकिन पैसे लेने के लिए आप्रे ान करवा लिया है ?

श्री हरपाल सिंहः ऐसे केसिज नोटिस मे नही है।

चौधरी ि ाव राम वर्माः क्या मंत्री साहब बताने की कृपा करेंगे कि लगभग सभी महकमों मे सर्विस रूल्ज मे तबदीली करके कर्मचारियों को नसबंदी करवाने के लिए बाध्य किया गया है क्या इसको जबरदस्ती मानते है या रजामंदी गिनते ?

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, अब तो इस बारे मे स्टेटमैंट दे दी गई है कि कोई जबरदस्ती नही होगी, परसूए ान से ही कोई बात होगी और किसी को डिसइंसेन्टिव नही होगा।

चौधरी राम लाल वधवाः क्या मंत्री साहब बताने की कृपा करेंगे कि क्या सरकारी मुलाजिमों पर कोई ऐसी पाबंदी नही लगाई गई थी कि जब तक आप्रे ान नही करवाएंगे उनको तनखाह नही मिलेगी ?

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, ऐसी कोई पाबंदी नही लगाई गई थी।

चौधरी देवी लालः आन ए प्वायंट आफ आर्डर। क्या मंत्री साहब बताने की कृपा करेंगे कि क्या उनके नोटिस मे यह चीज है कि महेन्द्रगढ़ जेल के तमाम बारडर्न की तनखाह बंद की गई और रणजीत सिंह बारडर को यह कहा गया कि जब तक आप्रे ान हनी कराओंगे तनखाह नही मिलेगी ? क्या हाउस मे * * * बोलने की भी इजाजत है ?

Mr. Speaker: Order please. In Question Hour there can be no point of order. Only supplementary questions can be asked.

मुख्य मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्ता): स्पीकर साहब, मेरी एक गुजारि ा है कि * * भाब्द अनपार्लियामेटरी हे इसको एकसपंज किया जाये और दूसरी बात यह है कि चौधरी देवी लाल बहुत पुराने पार्लियामैंटरीयन है वह अपनी सीट से सप्लीमेंटरी क्वै ान कर सकते है किसी दूसरी सीट से प्र न नही पूछ सकते।

Mr. Speaker: This is correct. अगर किसी मिनिस्टर को यह आनरेबल मैंबर को यह कहा जाये कि झूठ बोल रहा है यह अनपार्लियामैंटरी है। It should not be said.

चौधरी ि िव राम वर्माः क्या मंत्री साहब बताने की कृपा करेंगे कि क्या इस बात की जांच की जाएगी कि कई महकमों मे

सरकारी मुलाजिमों की कइ कई माह तक तनखाह रोकी गई और उनसे कहा गया कि या तो नसबंदी कराओ वरना नौकरी से हटा दिए जाओगे ?

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, अगर कोई स्पेसिफिक इंस्टांस नोटिस मे लाएंगे तो इंक्वायरी करा लेंगे।

चौधरी पीर चंदः स्पीकर साहब, अभी फरमाया गया है कि इस प्रोग्राम को आगे भाुरू करेंगे। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि यह टारगेट इन्होंने फिक्स किया था कि अपनी मर्जी से आप्रे ान करते रहे है ?

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, सैंट्रल गवर्नमैंट ने टारगेट फिक्स किया था ।

चौधरी राम लाल वधवाः क्या मंत्री साहब बताने की कृपा करेंगे कि नये माल यानी 1977 मे भी ये इस प्रोग्राम को भाुरू करेंगे ?

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, नया साल 31 मार्च के बाद भाुरू होता है।

Procurement of Food Grains

***1764. Chaudhri Rizaq Ram:** Will the Minister for Excise & Taxation be pleased to state—

(a) The quantity of wheat, paddy/rice and other food grains procured in the State though different agencies during the year 1976-77 (to-date) separately; and

(b) The price at which the different food grains were procured during the period as referred to in part (a) above?

Excise & Taxation Minister (Shri Shyam Chand):

(a) & (b) The information is laid on the table of the House.

Statement

(a) (i) Wheat 9.07 lac tonnes upto 28-2-1977.

(ii) Rice 5.14 lac tonnes upto 1-3-1977.

(iii) Paddy is not procured by State procuring agencies. It is purchased by Rice Millers who sell rice to State Government under levy scheme. However, Food Corporation of India enters marked to procure paddy if rtes fall below the procurement price. Food Corporation for India have procured 0.69 lac tonnes of paddy this year and the rice Millers have purchased -.14 lac tonnes

(b) The procurement was made at the following procurement/support prices fixed by the Government of India:-

Wheat	
Grade-I	Rs. 105.00 per quintal
Grade-II	Rs. 104.00 per quintal
Grade-III	Rs. 103.00 per quintal
Grade-IV	Rs. 102.00 per quintal
Rice	
China, Taichung (Raw)	Rs. 126.00 per quintal
Begmi/IR8	Rs. 129.00 per quintal
Parmal/Hansraj/Mushkin/Ramjawain, Chohora (Raw) Ratna and RP-5-3 (Sona Raw)	Rs. 139.00 per quintal
Basmati Ordinary(Raw)	Rs. 150.00 per quintal
Superior Basmati (Grade-II) (Raw)	Rs. 172.00 per quintal
Superior Basmati (Grade-I) (Raw)	Rs. 175.00 per quintal

Note:-

Premium of five rupees per quintal is payable for parboiled rice over procurement price of raw price.

Paddy	
China/Taichung	Rs. 74.00 per quintal

IR8/Begmi	Rs. 76.00 per quintal
Parmal	Rs. 80.00 per quintal
Basmati	Rs. 85.00 per quintal
Maize	Rs. 74.00 per quintal
Barley	Rs. 65.00 per quintal

Surplus Agricultural Land

***1753. Ch. Ram Lal Wadhwa**: Will the Minister for Revenue be pleased to state-

(a) the district-wise total acreage of Surplus Agricultural Land in possession of the Government in the State of Haryana as on 1-7-1975 and 31-12-1976, separately;

(b) the district-wise total acreage of Surplus Agricultural Land declared by the land owners after the enforcement of Land Ceiling Act during the years 1975-76 and 1976-77 to date, separately; and

(c) the district-wise total acreage of Surplus Agricultural Land distributed to the landless tenants, Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Backward Classes during the years 1975-76 to date, separately?

Revenue Minister (Sh. Maru Singh Malik):

(a), (b) & (c) : The requisite information in the enclosed statement.

STATEMENT

Sr	Name of District	Total Acreage of surplus land in possession of Govt. (in ord. acres)		Land declared surplus after the enforcement of Land Ceiling Act		Acres of Surplus Land (in ord. acres) distributed							
						Landless	tenants	Scheduled Castes		Schedules Tribes		Backward Classes	
		as on 1-7-75	as on 31-12-76	during the year 1975-76	during the year 1976-77(up to 15-1-77)	1975-76	1976-77 up to 15-1-77)	1975-76	1976-77 up to 15-1-77)	1975-76	1976-77 up to 15-1-77)	1975-76	1976-77 up to 15-1-77)
			(a)		(b)				(c)				
1	Sirsa				1179		689		889				229
2	Hissar						601		1643				422

3	Kurukshetra						322		1100				191
4	Ambala						220		420				152
5	Sonepat						845		1339				745
6	Jind	21					760		2124				430
7	Karnal						6008		1487				783
8	Rohtak						864		692				172
9	Gurgaon						3902		787				83
10	Narnaul	50					14		36				

11	Bhiwani	877					409		1023				98
	Total	948			1179		14714s		1150				3305

Note:- An Area 31833 acres of surplus land vested in the State under the New Ceiling Act, out of which an area of 29559 acres was distributed up to 15-1-1977 to various categories of eligible persons-----leaving a balance of 2274 acres for allotment.

Distribution of Food grains

***1765. Ch. Rizaq Ram**: Will the Minister for Excise & Taxation be pleased to state-

(a) the quantity of different Food grains and 'atta' distributed through the depots in the State during the year 1976-77 (to-date) separately; and

(b) the price at which the same was sold at the depots?

Excise & Taxation Minister: (Sh. Shyam Chand):

(a)

(i) Wheat (1-4-76 to 28-2-77) 14151 tonnes

(ii) Rice Do 5856 tonnes

(iii) Atta Do Nil

(b) Information laid on the Table of the House.

STATEMENT

Wheat	1.4-76 to date	Rs. 132.00
Rice Begmi	1.4-76 to 22.8-76 23.8-76 to date	Rs. 174.00 Rs. 169.00
Rice Basmati Ordinary	1.4-76 to 22.8-76	Rs.210.00

	23.8-76 to date	Rs. 205.00
Rice superior Basmati	1.4-.76 to date	Rs. 257.00

चौधरी ि शव राम वर्मा: अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय यह बताएंगे कि यह जो उन्होंने आटे की बात बताई है, यह कहां पर बिकता है, इसका स्टाक कहां पर है इस बात की पूरी जानकारी हाऊस को बताने की कृपा करेंगे ?

Shri Shyam Chand: There is free sale of atta now. There is no control.

Mr. Speaker: Question Hour is over.

अतारांकित प्र न एवं उतर

Roads damaged due to floods in the State

588. Ch. Ram Lal Wadhwa: Will the minister for Revenue be pleased to state-

(a) the number of roads damaged in each district of the state due to floods and heavy rains during the period from 1-7-76 to date; and

(b) the steps taken to repair the Roads as referred to in pat (a) above to make them it for traffic and the amount spent in each case, separately?

Revenue minister (Sh. Maru SinghMalik):

(a) Statements showing the number and names of roads damaged in each district are placed on the table of the House.

(b) Necessary repairs are being carried out. The amount spent in each case up to 31-12-76 is also given in the statement

STATEMENTS

Sr.	Name of Road	Amount spent on restoration of damages up to 31-12-76
1	Jhajjar Subana Road	
2	Jhajjar Jhazgarh Chhuchakwas Dadri Boundry road	
3	Rohtak Jhajjar Road (Sec. Rohtak Jhajjar road Km. 29 to 34)	
4	Rohtak Jhajjar Road (Sec. Rohtak Rewari road Km. 33.70 to 59.11)	
5	Jhajjar Farukhnagar Road	
6	Jhajjar Dhaur Road	
7	Jhajjar Badli road	
8	Jhajar talos road	

9	D.B.C road	
10	Chhuchwas Matenhail Jhorli Bahu Karoli road	
11	Matenhail Sahlawas Kasli road	
12	Dighal Kultana road	
13	Jhajjar Chhara road	
14	Chhara Dujana beri Kalanaur road	
15	Samaspur Majra Road	
16	Surathi approach road	
17	Dhakia approach road	
18	Jhajjar Chhuchakwas road	
19	Beri Dubaldhan road	
20	Metan Garhi road	
21	Rohad Badli road	
22	N/bye pass	
23	sampla Kultana road	
24	Nahra Bahadurgarh road	
25	Bahadurgarh Badlu road	
26	Bahadurgarh Jhajjar road	

27	Chhara Bahadurgarh road	
28	Rohtak Bhiwani road	
29	Rohtak Gohana panipat road	
30	Sonepat Kharkhoda Sampla Chhuchakwas Loharu Jhajjar road (Sec. Kharkhoda to Sampla)	
31	Sonepat Kharkhoda Sampla Chhuchakwas Loharu Jhajjar road (Sec. Sampla Chhara road)	
32	Rohtak Jind Road	
33	Gohana Lekan Majra Meham road	
34	Rohtak Kharkhoda Delhi Border road	
35	Beri Meham road	
36	Dobri to Ballab road	
37	Kahnaur to Chimni road	
38	Rohtak Sunari Kalan to Ritoli	
39	Madina to Gurawar road	
40	Madina to Ajiab road	
41	Madina to Bharan road	
42	Rohtak Jind road to Chirivia	

	Garauthi road	
43	Providing permanent remedial measures on D.H.S. road K.M. 93.5000 to 96.250 TA No. 96 H.R. 10	
44	Delhi Hissar Sulemanki road in K.M. 84, 85,96.400 to 97.400 T.A. 28 H.R. 10s	214200
45	Providing remedial measures on Delhi Hissar Sulemanki road in K.M. 88,8.650,85.000 to 87, 010, 620 to 21.700 T.A. 97 H.R. 10	152246
	Total	3093088

List of roads subjected to heavy damages due to floods of 1967 in Mohindergarh District

Sr.	Name of Road	Amount spent on restoration of damages up to 31-12-76
1	Rewari Jhajjar Rohtak road	20000
2	Rewari Pataudi road	20000
3	Rohtak Jhajjar road to Roharai Jatusana road (near Vill. Jatusana)	30000

4	Rohtak Jhajjar road to Village Khanaura Khanauri	35000
5	Rohtak Jhajjar road to Chandawas Ashiaka Ghorawas	14000
6	Delhi Jaipur road to Alimgirpur to village Khatawali	11000
7	Narnaul Madhana road	13000
8	Delhi Jaipur road to Khaliawas	2000
	Total	145000

List of roads subjected to heavy damages due to floods of 1967 in Jind District

Sr.	Name of Road	Amount spent on restoration of damages up to 31-12-76
1	2	3
1	Narwana Kaithal road	367971
2	Narwana Bhupinder Sagar road	14125
3	Kalyat Baloo road	
4	Kalyat Datta Singh wala road	

5	Kurar Haripur	
6	Narwana Kaithal road to Kapil Muni Temple	
7	Jind Rohtak road	34248
8	Jind Gohana road	44405
9	Jind Safidon road	169279
10	Jind Asandh road	34452
11	Deoban Naguran road	37681
12	Tiloda Assan road Kalwa Morkhi road	2050
13	Kalwa Morkhi road	
14	Bhambawa Morkhi road	
15	Jind Safidon to village Khokheri	1803
16	Nidana Dhigana road	
17	Dhirtana Bharum Khera road	6392
18	Hatt Sarfabad road	
19	Assandh Rajond road	
	Total	713006

List of roads subjected to heavy damages due to floods of 1967 in Sonepat District

Sr.	Name of Road	Amount spent on restoration of damages up to 31-12-76
1	2	3
1	Gohana Safidon road	15453
2	Gohana Meham to Katura	
3	Gohana Jind road	5408
4	Gohana Sisana road	
5	Sonepat Kharkhoda road	
6	Gohana to Lakhan Majra road	1950
7	Links and approach road to Sonepat Kharkhoda road	
8	Chidana Samari road	
9	Chidana Jawra road	
10	R.G.P. road to Gillour Khurd road	
11	Kathura Kahlpa Chappra road	1000
	Total	23811

List of roads subjected to heavy damages due to floods of 1967 in Karnal District

Sr.	Name of Road	Amount spent on restoration of damages up to 31-12-76
1	2	3
1	Panipat Lohari Road	3768
2	Karnal Assandh road	
3	Assandh Bye-pass	
4	Providing additional waterways in Kms. 7 of Nilokheri Karsa Dhand road	
5	Links and approach Panipat Sanoli road providing additional waterways on Nanehra approach and Dadhola aproach road	
	Total	3768

List of roads subjected to heavy damages due to floods of 1967 in Kurukshetra District

Sr.	Name of Road	Amount spent on restoration of damages up to 31-

		12-76
1	2	3
1	Pundri Rajond road	50009
2	Karnal Kaithal road	5376
3	Kalsana Tagore to Mugal Majra Katwa road	798
4	Shahabad Ladwa road to Merchori	5342
5	Gumti approach road	1526
6	G.T. road to vill. Maobbrauli	380
7	By-pass road at Pehowa	10246
8	Kaithal Rajnod road	15600
9	Kaithal Patiala road	1406
10	Kaithal Khanauri road	
11	Guhla Bhatiana road	
12	Khanpur to Kheri Gulamali road	
13	Deodkheri approach road	
14	Jakhauli Balu road	
15	Partap gate approach road Kaithal	99
16	Dogra gate approach road at Kaithal	

17	Kaithal Bye-pas at Kaithal	
18	Kaithal Dhand road	7850
19	Guhla Kharak road	
	Total	98632

List of roads subjected to heavy damages due to floods of 1967 in Hissar District

Sr.	Name of Road	Amount spent on restoration of damages up to 31-12-76
1	2	3
1	Hansi Barwala road	31000
2	Hansi Sisai road	15000
3	Hansi Jind road	16201
4	Moth Lohari Ragho road	17214
5	Providing additional span of 150' on Ghaggar in Km. No. 20 Ratia Budhlada road	
6	Hissar Barwala Tohana road	
7	Tohana Bhuna road (sec. Tohana to	1892

	Chander)	
	Total	81307

List of roads subjected to heavy damages due to floods of 1967 in Sirsa District

Sr.	Name of Road	Amount spent on restoration of damages up to 31-12-76
1	2	3
Nil.		

List of roads subjected to heavy damages due to floods of 1967 in Bhiwani District

Sr.	Name of Road	Amount spent on restoration of damages up to 31-12-76
1	2	3
1	Dadri Chhuchakwas road	78722
2	Dadri Mohindergarh road	12382
3	Dadri Bond road	86408

4	Shamaspur Kaliawas to Sarupgarh road	
5	Loharwala to Jhinjjar road	
6	Dhani approach road	
7	Jaishri approach road	
8	Sajarwas Ranila road	9038
9	Achina approach road	34412
10	Bhiwani Chang road	1115
	Total	222027

List of roads subjected to heavy damages due to floods of 1967 in Ambala District

Sr.	Name of Road	Amount spent on restoration of damages up to 31-12-76
1	2	3
1	Jagadhri Ambala road	
2	Mustafabad Rly. Station to Chhapar	
3	Yamunanagar Jagadhri Chhachhrauli road	23932

4	Sadhaura Bilas pur road	19246
5	Jagadhri Ambala road	4580
6	Sadhaura Barara kaliamb road	99893
7	Harnaul Kheri Lakha Singh road	
8	Chachhraulli Kot road	
9	Jagadhri Bilaspur to Ramkheri	
10	Link road to Sabelpur Jattan	
11	Jagadhri Bari Pabni road	
12	Remodeling existing 2 span culvert in K.M. 6 to 5 span 10' each bridge on Jagadhri Ambala road	
13	Remodeling existing 2 metres span culvert to span 10 each in K.M. 7 of Jagadhri Ambala road	
14	Bilaspur Dhanaura road	
15	Harnaul jagoori road to Ismailpur	
16	Munda Majra to Gadhauali	14046
17	Akbarpur to Modli road	
18	New Haryana State Highway (Ambala Jagadhri road to G.T. road)	166000
19	Ambala Hissar road to Kalran	

	Barauli	
20	Ambala Baraula road	
21	Ambala Hissar road to Segta	4000
22	7 nos. links of State Highway Subga-pusiala/Harra Harri	
23	Shahbad Barara Kala Amb road to vill. Holi	
24	Shahabad Barara Amb road to vill. Budian	
25	Shahbad Barara Kala Amb road to Semla	
26	Durala samlkha road	
27	Ambala Jagadhri road to spara Shahpur	
28	Shahbad Barara Kala Amb road to village Sahila	
29	Ambala-A road to Kambas	
30	Jagadhri Ambala road	
31	Bassi Barwala Raipur Rani road to Nariangarh	
32	Link road to village Ganauli	

33	Ambala Kala Amb road to Ramgarh	
34	Bassi Barwal Raipur Rani road to Vill. Hangoli	
	Total	331697

List of roads subjected to heavy damages due to floods of 1967 in Gurgaon District

Sr.	Name of Road	Amount spent on restoration of damages up to 31-12-76
1	2	3
1	Rewari Pataudi road	
2	Delhi Mathura road to village Phulwari	
3	Delhi Mathura road to village Manpur via Seoli	
4	Badshahpur to vill. Dalelpur	
5	Ballabgarh to Vill. Fatehpur Biloch	
6	Gurgaon Alwar road	
7	Hodel Kot Nuh road	

8	Nuh Palwal road	
9	Pinhana Kot road	
10	Palwal Sohana Rewari road	
11	odel Puhana Nagina road	
12	Palwal Gohana Rewari Road	
13	Palwal Hathin Uttawar raod	
14	Bamnikhera Hassanpur road	
15	Sondh to Lohina road	
16	Palwal Ghori road	
17	Faridabad to Mangrola	
18	Badkhal pali road	
19	Ballabgarh Pali Dhauj Sohana road	
20	Ballabgarh Chhiansa Mohana road	
21	Chhiansa to Garaura road	
22	Fatehpur Biloch road to vill. Aterna	
23	Balabgarh to Fatehpur Biloch	
24	Palla to Basantpur road	
25	Rewari Pataudi road to Vill. rorai	
26	Lokhra to Mumtajpur road	

27	Pataudi Mumtajpur road	
28	Dhuneja Berka road	
29	Delhi Alwar road to Vill. Doha	
30	Punhana Dundal road	8000
31	Delhi Alwar road to Vill. Kherli Khurd	
32	Karhera to Vill. Shahdipur	
33	Mandikhera to Vill. Nangal Mubrakpur	
34	Sohalpur to Kogaon to Badopur	
35	Delhi Alwar road to Vill. Shkarpuri	
36	Herwari to Bamantheri	
37	Alipur road to vill. Habitka	
38	Allipur Habitka road to Padlashaspur road	
39	Sohalpur Kolgaon road	
40	Delhi Alwar Road to Vill. Punhana	
41	Ferozepur Jhirka Road	
	Total	8000

Construction of Roads in Karnal District

572. Ch. ram Lal Wadhwa: Will the minister for Revenue be pleased to state-

(a) the number and names of roads constructed in Karnal District out of those 132 incomplete roads as were stated in reply to Starred Question No. 1405 dated 15-1-76, during the period from 1st January, 1976 to 31st December, 1976 separately; and

(b) if the reply to part (a) above be in the negative the reasons thereof?

Revenue Minister (Sh. Maru SinghMalik): (a) A statements showing the number and names of roads constructed is laid on the table of the House.

(b) Does not arise.

STATEMENT

1	Umri Indri road to Bir majra
2	Thanesar Kirmach road
3	Kurukshetra Dhand road to Village Barwa.
4	Karnal Katchwa sambli road to Vill. Jalala jagir
5	Mahra road to Koer.
6	panipat Sanauli to Sanauli Kalan

7	Jamba approach road
8	Nimbri approach road
9	Puther approach road
10	Panipat Gohana road to Barhaman Majra road
11	Kakoda approach road.
12	Assandh Bye-pass.
13	Ahar to Kuran road
14	Bandh approach road
15	Risalwa approach road
16	Bhandari to Alupur road
17	Kheri Nangal approach road
18	Sewah approach road
19	G.T. road to vill. Kachrauli
20	G.T. road to Nizampur road
21	Bhuslana to Salwan road
22	Diwana to Phaladpur Khalial road
23	Rear Kalan approach road
24	Kawi to Bhuslana road
25	Saunkhra to ramana Ramani

26	Alipur Viran to Badhanpur
27	Raipur Ladwa to Barsaulu with link to Lathron.
28	Ladwa Raipur to rampur
29	Umri Indri to Munak Majra
30	Raipur Ladwa to Machuri.
31	Approach road to samispur.
32	Ranwar to pipliwali.
33	Babail road to Vill. Mohali
34	Bhapoli to Goela Khurd.
35	Mormajra to vill. Geeli.
36	Mormajra road to Baljattan
37	Arianpur to Jamalpur
38	Gohana road to Vill. Chamrara

Sarpanches Removed from their Posts

573. Ch. Ram Lal Wadhwa: Will the Minister for Agriculture be pleased to state the number of Sarpanches removed their office in the State by the Government during the years 1975-76 and 1976-77 to date on the charges of misconduct, corruption and mis-appropriations of funds?

Agriculture Minister (Col. Maha singh):-

(a) 1975-76	12	1. Sh. Tara Singh 2. Sh. Lakhi Singh 3. Sh. Maha Singh 4. Sh. Mahabir Singh 5. Sh. Shiv Ram 6. Sh. Risal Singh 7. Sh. sarup Singh 8. Sh. Ragubhir Singh 9. Sh. Sohan Lal 10. Sh. Suraj Bhan 11. Sh. Har Narian 12. Sh. Annant Ram
(b) 1976-77 to date	9	1. Sh. Sudhan Singh 2. Sh. Dharampal Singh 3. Sh. Jagvijay Singh 4. Sh. Almu Urf Ganu 5. Sh. Richhpal Singh 6. Sh. Kanshi ranm

		7. Sh. Safed Khan 8. Sh. Budh Ram 9. Sh. Kishore Singh

Trips allowed in Mutual Agreement to Haryana Roadways

***574. Ch. Ram Lal Wadhwa**: Will the Minister for Transport be pleased to state the number of trips with mileages allowed in mutual agreement to the Haryana Roadways by Jammu & Kashmir, Rajasthan, Punjab and Uttar Pradesh States and Union Territory of Delhi for plying Bus Services in their areas during the years 1975 and 1976, separately together with the dates of such agreements.

Transport Minister (Sh. K.L. Poswal): Statement is laid on the Table of the House.

Statement

Sr	Name of reciprocating States	date of agreement	Return trips operated in reciprocating States by Haryana	Daily operation in reciprocating States by Haryana	Remarks
1	Haryana Rajastha	11-11-	10	2170 in	Besides, 2714 KM operation in

	n	75		Rajasthan	Haryana territory was curtailed by Rajasthan to reduce the imbalance.
2	Haryana Uttar Pradesh	23-24/9/75	12	In Uttar Pradesh 2372	Agreement has not been ratified by U.P. Government so far.
3	Haryana-Delhi	24-10-75		In J & K 480	The sharing of traffic between Haryana & Delhi in the ration of 1:1.3 was agreed for the time being. The ration will however, be increased to 1:1.5 when 100% nationalization is achieved by Delhi on all joint routes between Haryana and Delhi.
4	Haryana Jammu & Kashmir	1-6-76	2	In Punjab 20000	Services stand suspended.
5	Haryana	7-9-76	264		It was agreed that bus services on

	Punjab				inter-state routes may be resumed by the two States immediately on the basis of operation of 20000 vehicles K.Ms. by each State in the territory of each other.

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा

Shri Gulab Singh Jain (Hissar): Sir , I beg to move—

That an Address be presented to the Governor in the following terms:-

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha Assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 23rd March, 1977."

स्पीकर साहब, डेमोक्रेटिक सिस्टम मे गवर्नर महोदय अपनी गवर्नमैंट की जो उस वक्त तक कार्यवाही हुई,, पर अपने एड्रैस मे रो ानी डालते है और उनकी गवर्नमैंअ के जो आगे प्रोग्राम है उसके बारे मे हवाला देते है। हरियाणा स्टेट के बारे मे मुझे इतना ही कहना कि पिछले सालों मे जो तरक्की इस हरियाणा ने की है उसकी सराहना चारो तरफ है। हरियाणा स्टेट जिसको

हमारे सदन के सभी सदस्य जानते है एक एग्रीकलचरल स्टेट है जहां रूरल पापुले ान है और लोगो का जिन्दगी का जरिया केवल एग्रीकलचर ही है। स्पीकर साहब, आप फिफथ फाइव ईयर प्लान को उठाकर देख ले या एनुएल बजट को उठा कर देख लें आपको पता लग जायेगा कि गवर्नमैंअ ने सदा ही यह कोि ा ा की है कि हम किस तरीके के लिये दो तीन चीजों की बड़ी आव यकता होती है। पहली यह कि जमीदार को पर्याप्त मात्रा मे पानी मिले, उनकी जमीने जो खराब है, उनको ठीक किया जाये, उनको बीज अच्छा मिले, उनको बढ़िया खाद मिले और उनको खेती के टैकनीक से वाकिफ करवाया जाये, यह सारी चीजे जमींदार के लिये बहुत जरूरी है। गवर्नर साहब ने अपने एड्रैस मे चारों बातों की तरफ खास ध्यान दिया है और इससे पहले भी सरकार इन बातो की तरफ खास ध्यान देती आई है । और आगे के लिये भी इन बातों की ओर ध्यान रखने का पूरा पूरा प्रबंध किया गया है जिससे गरीब किसानो को किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो। स्पीकर साहब, इससे आगे एक और चीज की आव यकता है जोकि हमारी स्टेट की जान है, वह है बिजली । पहली बात तो यह है कि हमारी स्टेट के अंन्दर कोई दरिया नही है। यमुना के पानी का बंटवारा हुआ और सरकार ने अपनी स्टेट के लिये पानी हासिल करने के लिये अपने हक मे फैसला करवाया जोकि एक बड़ा सराहनीय कार्य है, इसके लिये मैं अपनी सरकार और खासतौर पर अपने मुख्यमंत्री महोदय को धन्यवाद देता हूं। इसके इलावा स्पीकर साहब, पानी को प्राप्त करने के लिये जो कदम

उठाये जा सकते थे वह इस सरकार ने उठाये और इसके साथ साथ बिजली की कमी को पूरा करने के लिये भी हरियाणा सरकार ने जो कदम उठाये वे बहुत ही सराहनीय है इससे पैदावार मे बहुत बढ़ौतरी हुई है लेकिन जहां जमीन के नीचे पानी था उसको टयूबवैज्ल के जरिये किसानो को मुहैया किया गया। पानी मुहैया करने के लिये बिजली की पैदावार बड़ी जरूरी थी।

इसके इलावा स्पीकर साहब, अन एम्पलायमैंअ को खत्म करने के लिये भी इस सरकार ने काफी ठोस कदम उठाये है। इसके साथ इंडस्ट्रीज के लिये पावर सबसे ज्यादा आव यक है और जो पावर होती है वह है बिजली की वह भी बड़ी चीप रेट पर महैया की गई। इसके लिये सरकार ने जो कदम उठाये वे बड़े ही सराहनीय है। नाप्था झाकड़ी परियोजना से पैदा की जाने वाली बिजली के 80 परसैंट भाग पर हरियाणा सरकार का अधिकार होगा। जो बिजली हिमाचल प्रदे ा के हिस्से मे आयेगी और उस राज्य की आकांक्षाओं को पूरा करने के बाद फालतू रहेगी, उसे पारस्पारिक सहमती से निर्धारित मूल्य पर खरीदने का अधिकार पहले हरियाणा राज्य को होगा। इस परियोजना के अनुसार हरियाणा स्टेट के अंदर बिजली की कमी पूरी हो जाएगी और फिर हरियाणा स्टेट से बाहर जो हरियाणा के इंडस्ट्रीयलिस्ट्स है, उनको हरियाणा स्टेट के अंदर इंडस्ट्रीज लगाने के लिये प्राोत्साहन मिलेगा।

इसके बाद स्पीकर साहब, मैं यह कहना चाहता हूं कि ला एण्ड आर्डर की हमारी स्टेट मे बड़ी जरूरत है आपको यह मानना पड़गा कि हरियाणा के अंदर ला एण्ड आर्डर की पोजी ान काफी अच्छी रही है। इंडस्ट्रीयल पीस भी बहुत ज्यादा रहा है और यहां पर इंडस्ट्रीज लगाने के बहुत चांसिज है। पिछले आंगड़े उठा कर अगर देखें तो पता चलेगा कि पिछले सालों मे बिजली की कमी होते हुये भी हमारी स्टेट कके अंदर इंडस्ट्रीज को बढ़ावा मिला है। यह सब चीजे साबित करती है कि हमारी हरियाणा स्टेट के अंदर कैसा पीसफुल वातावरण रहा है और ोडयूल्ड ट्राइवज और बैकवर्ड क्लासिज के लोगों को भी काफी ऊपर उठाया गया है और उनकी हर लिहाज से मदद की गयी है और आगे के लिये सरकार इस तरफ और ज्यादा ध्यान दे रही है।

स्पीकर साहब, इसके साथ साथ मैं आपकी मारफत मुख्यमंत्री महोदय के नोटिस मे यह चीज लाना चाहता हूं कि जैसे कांस्टीट्यू ान मे पिछड़ी जातियों के लिये 50 परसैंट रिजर्वे ान है वैसे ही और बहुत छोटी छोटी जातियां है, उनकी तरफ भी सरकार को ध्यान देना चाहिये क्योंकि कई ऐसे तबके है जो बैकवर्ड है उनकी तरफ भी सरकार का ध्यान कम गया है, ऐसी मेरे ख्याल मे 30—35 जमाते है, सरकार उनकी बेहतरी के लिये भी खास ध्यान दे और इसके साथ साथ वह प्रोवीजन होनी चाहये कि उनको सर्विसिज मे भी हिस्सा मिलना चाहये। इसके साथ साथ जो बड़े बड़े डिवेल्पमैंअ के काम है उनकी तरफ भी और छोटे छोटे

जो प्रोजेक्ट है उनकी तरफ भी सरकार को ध्यान देना चाहिए और जो प्रोजेक्ट जल्दी व कम खर्च से हो सकते हों उनकी जरफ खास ध्यान देना चाहिये। बस स्पीकर साहब, मै इन भाब्दों के साथर गवर्नर एड्रैस जोकि राज्यपाल महोदय ने प्रस्तुत किया, को कुमैंड करता हूं और यह प्रार्थना करता हू कि मो ान आफ थैंक्स पास करके उनको भेज दिया जाए।

चौधरी फूल चंद (मुलाना, अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, श्री गुलाब सिंह जैन जी ने इस सदन के सामने जो प्रस्ताव रखा है:

''कि इस सत्र मे इकट्ठे हुये हरियाणा विधान सभा के सदस्य उस अभिभाशण के लिये राज्यपाल महोदय ने अत्यन्त कृतज्ञ है जो उन्होंने 23 मार्च, 1977 को सदन मे देने की कृपा की है।''

का समर्थन करने के लिए मैं खड़ा हुआ हूं। जब जब भी विधान सभा का बजट सै ान होता है तो सब से पहले राज्य के राज्यपाल महोदय इस सदन मे अपना अभिभाशण पढ़ते है और उसमे राज्य सरकार द्वारा किये गये कार्यो और किये जा रहे कार्यो की चर्चा भी होती है। 23 मार्च, 1977 को राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाशण दिया उस मे भी इस सरकार द्वारा की गई प्रगति की चर्चा की है और जो सरकार आगे के लिये करने जा रही है, उसकी चर्चा भी उन्होंने अपने अभिभाशण मे की है। स्पीकर साहब, राज्यपाल महोदय ने अपने इस राज्य की जनता के हित मे बहुत

से कार्य किये है। अपने अभिभाशण मे हमारे राज्यपाल महोदय ने बड़े दुख के साथ हमारे स्वर्गीय राश्ट्रपति महोदय के निधन पर बहुत दुख प्रकट किया। हम भी सदन मे एकत्रित हुए सभी लोग यह समझते है कि वे इस वक्त हमारे बीच मे नही रहे जोकि हर वक्त दे ा के हित की बात करते थे और दे ा की धार्मिक एकता की बात करते थे। राज्यपाल महोदय ने ठीक समय पर अपने अभिभाशण मे यह चर्चा की है। आगे राज्यपाल महोदय ने पिछले साल मे हुए बीस सूत्री आर्थिक कार्यक्रम के तहत हरियाणा के उस वर्ग की भलाई की जोकि सदियों से दबा हुआ था जिक्र करते हुए तफसील मे बताया है। इसके तहत सरकार ने वीकर सैक ान के लिये, गरीब लोगों के लिये जिनके पास अपने रिहाय ी मकान नही थे या गांवों के अंदर जिनके पास मकान नही थे या गांवों के अन्दर जिनके पास मकान बनाने के लिये प्लाट नही थे लाखो की ताद मे लोगो को प्लाट्स दिये गये। इसके अलावा हमारी सरकार ने मकान बनाने के लिये भी प्रबंध करवा रही है। सरकार उन लोगों को जिनके पास देहात के अन्दर एक सूई भर भी जगह नही होती थी जिसके ऊपर कि वे अपना मकान बना सकें उनको प्लाट देकर बैंकों के जरियें पैसे दिलवा कद इस काबिल कर दिया है कि वे अपने रिहाय ा के लिये प्रबंध कर सके। राज्यपाल महोदय ने यह भी चर्चा की कि हरियाणा प्रांत मे भूमि सुधार अच्छे ढंग से किया जाए। इस सुधार के तहत कई कानून भी बनाये गये जिनके अनुसार जो फालतु जमीन निकलेगी उसे गरीब हरिजनो को बांट दिया जायेगा और दूसरे प्रकट के तहत जो रकबा फालतू निकला

था वह डिजर्विग कैटेगरी के लोगों मे बांट दिया गया है। बीस सूत्री आर्थिक कार्यक्रम के तहत जो सबसे बड़ी उपलब्धि हमें प्रापत हुई है वह है दे ा के अन्दर और प्रांत के अंदर बढ़ती हुई कीमतों को रोकना। हमारे जो भाहरों मे और देहातों मे रहने वाले भाई है उनको पहले यह पता नही होता ाि कि आज अगर कोई चीज की कीमत दो रूपये है कल को वह पांच रूपये की हो जाएगी या ज्यादा की। लेकिन इस थोड़े से अर्से मे हमारी सरकार ने कीमतों का उस स्तर पर ला दिया कि वे एक जगह टिकी रहे। खास तौर पर जो आम आदमी के रोज के काम मे आने वाली चीजे थी उनके भावों को बढ़ाने से रोका गयां इसके बाद स्पीकर साहब, रूरल आर्टिजंज के बारे मे मैं चर्चा करना जरूरी समझा हूं। राज्यपाल महोदय ने अपने ऐड्रैस मे लिखा कि हमारा हरियाणा प्रान्त देहातों का प्रांत है। देहातों के अंदर भी सभी लोग जमींदार नही है। कुछ खेती करते हे और कुछ खेती पर निर्भर करते है। कुछ लोग खेती निर्भर रह कर अपना छोटा मोटा खंधा करते है जैसे रूरल आर्टिजंज है। कोई हथकरघे का काम करता है, कोढ लोहार का काम करता है और बढ़ई का काम करता है। इन सबको माल की सप्लाई देने के लिये और फिर इनके तैयार भाुदा माल को बेचने मे सहायता करने के लिये कइ प्रकार के प्रबंध इस बीस सूत्री कार्यक्रम मे रखे गये । देहात के अंदर जो रूरल आर्टिजंज है वे सबसे ज्यादा जुलाहे का काम करते है उनके लिये हैंड लूम एंड हैंडी क्राफ्ट कार्पोरे ान का आयोजन किया। यह कार्पो ान जुलाहों को सूत और देसरे साधन उपलब्ध कराने तथा

उनके तैयार भुदा माल को बेचने मे सहायता करती हैं इसी तरह से जूता बनाने वाले के पास पहले चमड़ा खरीदने के लिये पैसे नही होते थे उनको भी इसी तरह सहायता दी जा रही है। इसके आगे राज्यपाल महोदय ने खेतीबाड़ी का जिक्र करते हुए कहा है कि पहले जहां हरियाणा अनाज के मामले मे एक घाटे का प्रदे ा था अब वही हरियाणा अन्न बाहर भी भेजता है। पिछले वर्श फलड्ज काफी आए और उनको रोकने की हर संभव कोि ा ा की गई फिर भी उनके बावजूद भी आज खेती की द ाा ऐसी है कि हमारे लिये अनाज काफी होगा। पैदावार को बढ़ाने के लिये आज हमारी सरकार हर संभत कोि ा ा कर रही हैं खेती के जिये बिजली और पानी की जरूरत होती है और इसके लिये हम भारत सरकार के आभारी है कि उसने राबी ब्यास के पानी का फैसला करके उसमे से हमे 3.5 मिलियन एकड़ फीट पानी देने का फैसला कियां लेकिन वह पानी असल प्रयोग मे तब आ सकेगा जब हम वह नहर बना पाएंगे जिसके जरिये वह पानी आयेगा। उस पानी के आने से हमारे यहां नहरी पानी की कमी भी दूर होगी और साथ साथ बिजली की कमी भी दूर होगी। बिजली से हमारे किसान की मुि कल भी हल होगी और दूसरी तरफ कारखानेदारों की मुि कल भी हल होगी। इसके बाद कई इलाके ऐसे है जहां नहरी पानी बिल्कुल नही लगता जैसे हमारा मुलाना का इलाका है। इसके लिये एम.आई.टी.सी. के टयूबवैल्ज लगाए गये है। गरीब किसान जो लाखो रूपये टयूबवैल्ज को लगाने के लिये खर्च नही कर सकते थे उनकी सहायता हमारी इस टयूबवैल कार्पोरे ान ने

की है। मैं सरकार का आभारी हूं कि हमारे अम्बाला जिला के इलाके को खासतौर से इन टयूबवैल्ज से फायदा हुआ है। लेकिन मैं सरकार से एक निवेदन जरूर करूंगा कि जितने टयूबवैलज लग चुके है उनके वाटर कोर्सिज पक्के कर दिये जाये क्योंकि वाटर कोर्सिस पक्के न होने की वजह से जिस किसान के खेत मे टयूबवैल लग जाता है वह तो उसका पूरा प्रयोग करता है और जो दूसरी जमीन वाले लोग है उनको पानी पूरा नही मिल पाता। दूसरी बात यह है कि इतने ही टयूबवैज्ल काफी नही है और टयूबवैल लगाने का भी सरकार प्रबंध कर दे। खासतौर से मेरे हल्के के अंदर जहां पानी का और कोई साधान नही हैं इसके बाद स्पीकर सहाब, मै आपके द्वारा मंत्री महोदय से यह निवेदन करूंगा कि बिजली के जो कनैक ान टयूबवैल्ज को दने के लिये पैंडिंग पड़े है उनको जल्दी कनैक ान दिये जाए। इसके बाद राज्यपाल महोदय ने हरिजनो की भलाई के बारे मे जिक्र किया। मैं हरिजन कल्याण निगम की चर्चा करते हुए यह कहूंगा कि बहुत से हरिजन जिनके पास पूंजी नही होती थी उनको अपना काम चलाने के लिये इस निगम ने बहुत सहायता दी है। उन्होंने इस निगम के जरिए पैसा लिया और अपने साधन उपलब्ध कियये है और अपना कारोबार कर रहे है लेकिन निगम अपने तौर पर एक कारखाना खोल दे, इससे हरिजन भाईयों को ज्यादा फायदा नही होता। अगर कारखाना खोलना ही है तो उस के लिये हमारे पास इंडस्ट्रीज डिपार्टमैंट है। इस डिपार्टमैंट के जरिए खोला जाना चाहिये। मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि अगर सरकार ने

हरिजनो की हालत सही मायनों मे सुधारनी है तो बेहतर यही होगा कि हरिजन लोग आपस मे मिल कर कोई कारखाना खोले। अगर इकट्ठा नही मिलना है तो सीधा कर्जा लेकर, जिस प्रकार भी वह व्यक्ति काम करना चाहे करे, तभी इन गरीबों का कुछ न कुछ भला हो सकता है। अंत मे मैं यही कहूंगा कि सरकार की जो उपलब्धियां है उनमे संदेह की बात नही है। हरियाणा ने सारे हिन्दुस्तान के दूसरे प्रांतों के मुकाबले मे बढ़ चढ़ कर तरक्की की है और सारे दे ा मे हरियाणा प्रांत का मान है। गवर्नर महोदय ने अपने अभिभाशण मे जो चर्चा किया है और जो प्रस्ताव श्री गुलाब सिंह जैन ने हाउस मे पे ा किया है, मैं उसका समर्थन करता हूं।

Mr. Speaker: Motion moved—

That an address be presented to tbe Governor in the following terms—

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply greatful to the Governor for the Address which he has been pelased to deliver to the Hosue on the 23r March, 1977."

चौधरी रिजक राम (राई): स्पीकर साहब, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण के संबंध मे श्री बुलाब सिंह जैन ने जो प्रस्ताव सदन के सामने रखा है, उस पर यह चर्चा हो रहा है। मैंने राज्यपाल महोदय के अभिभाशण को बड़े गौर से पढ़ा है। उन्होंने सरकार की उपलब्धियों की काफी चर्चा की है मगर मैं ऐसा महसूस करता हूं कि इस अभिभाशण मे बहुत से ऐसे प्र न है

जिन के बारे मे कोई चर्चा नही किया गया। हम सभी जानते है कि हमारी संसद का यह इजलास लोग सभा के चुनाव के बाद हुआ। यह आव यक था कि राज्यपाल महोदय उस के बारे मे कुछ चर्चा करते। जो परिणाम लोकसभा के चुनाव के हमारे सामने आये है, उससे हरियाणा की जनता और सरकार अलग थलग नही रह सकते, इसका प्रथाव जनता पर आना लाजमी है ाऔर सरकार पर भी आना लाजमी है। इसलिये मैं महसूस करता हूं कि इस अभिभाशण मे राज्यपाल महोदय ने यह जिक्र न करके एक बड़ी कमी छोड़ी है। इसलिये मैं थोड़ा सा जिक्र करना मुनासिब समझता हूं कि जहां तक इस चुनाव का संबंध है, इसमे सरकार कर्मचारियो ने बिल्कुल निश्पक्षता से काम किया है, हालाकि कुछ अर्सा पहले सरकार की तरफ से सैंट्रल गवर्नमैंट की तरफ से और राज्य सरकार की तरफ से इस बात की मांग थी, बल्कि यह दबाव था कि जो सर्विसिज स्टेटस मे है यह सैंटर मे है, वे कमिटिड होनी चाहियें कमिटिड भी विधान के लिए नही और न ही दे ा के लिए, बल्कि जो पार्टी सत्ता मे है, इसके लिए वह वफादार है। इस चीज को हासिल करने के लिये हरियाणा सरकार ने जो प्रोफै ानल टैक्स खत्म किया, इलैक ान के दौरान डीयरनैस अलाउंस की दो किस्ते मंजूर की गई, लेकिन मैं बड़े खुले भाब्दो मे यह बात कहूंगा कि इन सारी उपलब्धियों के बावजूद, कई प्रकार के दबावों के बावजूद, सरकारी कर्मचारी, सत्तारूढत्र पार्टी के वफादार ही नही रहे बल्कि सरकार कर्मचारियों ने चुनाव के दौरान निश्पक्षता से काम लिया और प्रजातंत्र की जो सही रवायात है, उनको मजबूत

करने मे सरकारी कर्मचारियो का पूरा हाथ है, इसके लिये मैं उन्हें बधाई देता हूं। एक और बात इस सिलसिले मे कहना मैं मुनासिब समझता हूं और वह यह है कि मैं राज्य सरकार को भी चुनाव के संबंध मे बधाइ देना चाहता हूं और ऐसा महसूस करता हूं कि राज्य सरकार हिक्मत अमली से काम न लेती तो भाायद चुनाव न होते। सभी सदस्यों को मालूम है, इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले के बाद दे ा मे यह आवाज थी कि प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी अस्तीफा दे। अस्तीफा दे या न दे, यह अलग सवाल है। इसी सिलसिले मे दिल्ली मे एक बड़ी भारी रेली हुई। आप जानते है, हरियाणा प्रदे ा दिल्ली के साथ लगता है। दिल्ली के रामलीला ग्राउंड मे जलसा हुआ, और स्पीकर साहब, हरियाणा की सारी बसे, सारी रोडवेजस, ट्रक्स, दिल्ली की डी.टी.यू. की बसे सब इस काम के लिये लगा ली कि लोंगो को दिल्ली भेजा जाए रैली अटैंड करने के लिये। उस दिन, जितने कारखाने हरियाणा मे थे, पानीपत मे क्या, दूर दूर जगहों पर क्या, दूर दूर तक के कारखानों की बिजली के कुनैक ान बंद कर दिये और कारखानेदारों को मजबूर किया कि वे मजदूरों को दिल्ली भेजे। किस बात के लिये ? इस बात के लिये कि इंदिरा गांधी यह देखे कि दे ा की जनता यह नही चाहती कि इंदिरा गांधी अस्तीफा दे, यह नही चाहती कि हाई कोर्ट के फैसले को मान्यता दे और अपने पद को खाली करे। जिस प्रकार से उन पर पर्दा डालने के लिये जो ढोंग रचने मे सरकार ने काम किया वह पहली बिना थी जिस के ऊपर यह इलैक ान हुआ और जो परिणाम दे ा के सामने

आया, वह इसका नतीज है। प्रधान मंत्री को झूठा वि वास अगर लोगों की तरफ से न दिया जाता तो मै समझता हूं कि वह हाई कोर्ट के फैसले के बाद त्याग पत्र दे देती और भाायद यह द ाा पैदा न होती। यही नही, उसके बाद चाहे रक्षा मंत्री का जलसा हो, चाहे मुख्य मंत्री का जलसा हो और चाहे संजय गांधी त ारीफ लाएं, सारे ट्रक जो हरियाणा प्रदे ा मे थे या जो बसें मिल सकती थी। उनको लगाकर लोगो को इन जलसों मे ढो ढो के इकट्ठा कर लिया और लोगों की जो असली भावना भी उस पर पर्दा डालते हुये किसी को यह जानने नही दिया कि सरकार और लोगो मे कितना फासला बन चुका है। वे सरकार से कितनी दूर जा चुके है। सरकार के प्रति लोगों लोगो के दिल मे कितना प्यार है, लोगो का क्या प्रभाव है, इस पर पर्दा रखने के लिए सरकार ने डिप्टी कमी नर को, एम.पी. को हिदायते दी कि सारे ट्रक इस काम के लिये इस्तेमाल किये जाये। सारे ट्रक रिक्विजिट किये गये। स्पीकर साहब, आपने भी देखा होगा, उज्चैनी मे, चुनाव का एलान होने से थोड़ा अर्सा पहले श्री संजय गांधी त रीफ लाये करनाल जिले के जितने गांव और भाहर है वहां लोगो के घरो पर रंग करवा दिया गया, हर एक मकार को सजा दिया गया और तीन चार हतार ट्रक लगाकर 8–10 लाख आदमियों को इकट्ठा कर दिया गया ओर ऐसा दिखा दिया गया कि सारी जनता उनको मान्यता देती है, कबूल करती है और उनके आने की खु ाी मे सारे लोगों ने अपने अपने घरों पर रंग कर दिया है और घर सजा दिये गये है। यह जो फर्जी कारवाई हुई, फर्जी नुमाय ा की गई

है यह दिखाने के लिये कि लोगों के दिल सरकार के साथ है उनके नतीजे के तौर पर सरकार ने चुनाव करने का फैसला किया । वरना अगर असल हालात सामने होते तो स्पीकर साहब आप खुद ही अंजादा लागाए कि थोड़े दिन पहले जब लोक सभा की टर्म एक साल और बढ़ाई गई थी तो क्या वजह थी कि पंद्रह महीने पहले चुनाव का एलान कर दिया गया। इसका कारण यही था कि प्रधान मंत्री को, केंद्रीय सरकार को इन लोंगो ने इतने धोखे मे रखा कि उनको पता ही नही लगा कि लोगों के जजबात क्या है। उनकी भावनाओं का पता तो इस चुनाव मे लगा जब चुनाव के परिणाम निकले और प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी तथा रक्षा मंत्री चौधरी बंसी लाल, जिनके बारे मे यह सरकार कहती है और राज्यपाल महोदय ने भी अपने ऐड्रैस मे बार बार कहा कि उन्होंने हरियाणा के बनाने मे बड़ा भारी काम किया है, हार गए और हरियाणा के तीन चार कांग्रेसी उम्मीदवारों की जमानते जब्त हुई। लोगों से सम्पर्क सरकार ने रखा नही बल्कि अफसरान की मारफात सारी कार्यवाही की और उनका नतीजा यह निकला कि इनको यह मालूम नही हुआ कि लोग कहां है और सरकार कहां खड़ी है। तो स्पीकर साहब, इस बात के लिये कि दे ा मे जो चुनाव हुए, चुनाव के परिणामस्वरूप जो सरकार केन्द्र मे कांग्रेस की थी वह खत्म हुई और दूसरी सरकार आई और चुनाव जो हुए उनमे हरियाणा सरकार ने जो काम किया, जो कार्यवाही की, यह सरकार धन्यवाद की पात्र है। अगर ये ऐसा न करते, इस तरह नुमाइ ा न करते इस तरह का ढोंग न करते, लोगो को ढो ढो कर इकट्ठे ने

करते, ये देखते कि लोगो के असली जजबात क्या है, उनकी भावना कया है। जो भाायद परिणाम इस प्रकार का न होता। इन्होंने यह जो कार्य किया इसके लिए आज हरियाणा की जनता इनकी भाुक्रगुजार है। अभी कितना जिक्र किया गया परिवार नियोजन कां मैं ज्यादा उस पर चच्र हो चुकी है मगर मैं एक बात जरूर कहना चाहता हूं। बार बार मंत्री महोदय भी और मुख्य मंत्री जी भी इस बात पर बल देते है कि कोई केस उनके नोटिस मे आ जाये कि ज्यादती हुई है तो वे कार्यवाही करेंगे। अगर इनको आज तक यह मालूम नही है कि हरियाणा मे परिवार नियोजन के कार्यक्रम मे ज्यादती हुई है तो इससे ज्यादा अंधी सरकार कोई हो नही सकती। क्या इनको आज तक मालूम नही कि सरकारी अफसरान ने उनके हुक्म की ताबेदारी मे क्या क्या ज्यादती की है ? पुलिस ने जाकर लोगों के घर घेरे है, बस के अड्डो पर पुलिस तैनात रही, स्टे ानों पर पुलिस तैनात नही, गांव गांव मे जाकर पुलिस ने घेरे दिए है और कचहरियों से लोगों को निकाल कर ले जाया गया है । जो गरीब पर आए हुए थे गवाह या मुकदमे वाले उनको पुलिस पकड़ पकड़ कर ले गई है। आज मुख्य मंत्री जी हड़ताल कर सकते है, हैल्थ मिनिस्टर साहब हड़ताल कर सकते है कि मिसलों पर क्या लिखा हुआ है। वहां लिखा है कि सायल गैरहाजिर है क्योंकि उसे पुलिस अपरे ान के लिये ले गई है। फिर भी सरकार अगर कहती है कि केस नोटिस मे आ जाये तो तहकीकात करेंगे तो यह अंधी नही है तो और क्या है ? कया इतनी ज्यादती जो सारे हरियाणा मे हुई, अफसरान और पुलिस ने

मिलकर लोगो पर तजरूबे किये, सरकारी कर्मचारियों को थाने मे ले जाया गया और जो इंकार करते थे कि आपरे ा नही कराना है उनको पुलिस ने लम्बा डालकर पीटा, ये सारी बाते आपके नोटिस मे नही है ? तो स्पीकर साहब, मैं चाहता हूं कि यह सरकार जरा आंखें खोल कर देखे, खुद अंदाजा लगाए और जो बात असल हुई है उसको माने। इलैक ान के दौरान तो मुख्य मंत्री जी भी और दूसरे मंत्रीगण भी कहते है कि ज्यादती हुई है और हम आगे ऐसा नही करेंगे लेकिन आज सदन कहते है कि अगर कोई ज्यादती हुई है और हम आगे ऐसा नही करेंगे। फिर स्पीकर साहब, मैं यह कहूंगा कि इसमे अगर किसी का दोश है तो वह सरकार का है। केन्द्रीय सरकार ने हिदायत दी कि आप परिवार नियोजन का प्रोग्राम बनाएं। सरकार ने लक्ष्य मुकर्रर किया। हरेक जिले के लिये टारगैट मुकर्रर किया गया । इन्होंने और सैक्रेटेरियएट के बड़े बड़े अफसरान ने सैक्रेटेरिएट मे बैठ कर बार बार डिप्टी कमी ानर्ज की मीटिंग्ज की और उन पर दबाव दिया कि आप यह लक्ष्य पूर करने के लिये ज्यादती की। असल मे दोशी कौन है ? असल मे दोशी वे है जिन्होंने बजाये इस बात के कि लोगो को समझाये कि इसका फायदा क्या है, नसबंदी क्यों दे ा के लिये जरूरी है, बढ़ती हुई आबादी को राकने के लिय क्या कदम उठाने चाहिये, डंडे के जोर से परिवार नियोजन करना चाहा। इनके पास पब्लिक रिले ांज डिपार्टमैंट है, इतने अफसरान है। क्या इन्होंने पिछले 9–10 साल मे इस तरह का प्रोग्राम बनाया है, जिसके द्वारा लोगों को यह बताया गया हो कि परिवार नियोजन का काम हो है वह दे ा की

भलाई के लिये लाजमी है ? इन्होंने तो सिर्फ संजय गांधी को खु ा करना था। लेकिन इसमे भी मुझे दूसरे मंत्रीगण कदमबोस किया करते थे, उनका जाकर स्वागत करते थे। इस सरकारी ऐड्रैस मे न तो उनका और न ही उनके पांच नुकाती प्रोग्राम का जिक्र है। बीस सूत्री प्रोग्राम का तो जिक्र है। सारी ऐमरजैंसी के दौरान पांच सूत्री प्रोग्राम का सबसे ज्यादा भाोर था। कहते है कि यह दे ा को ऊंचा उठायेगा, इससे सारे दे ा का कल्याण होगा। लेकिन अब उसका जिक्र तक नही किया। सिर्फ बीस नुकाती प्रोग्राम पर ही संतोश कर लिया। क्या इतने जल्दी ना ाुक्रे हो गये ? (विघ्न) तो मैं यह अर्ज करना चाहता हूं। कि अगर सरकार सही मायनों मे यह यकीन करती थी की संजय गांधी ने जो प्रोग्राम दे ा के सामने रखा वह सही था तो राज्यपाल के ऐड्रैस मे उसका जिक्र आना लाजमी था। इन्हे इसमे लिखना चाहिए था कि दे ा के सामने उन्होंने यह प्रोग्राम रखा और उससे यह तरक्की हुई। खैर, मैं इस तरफ न जाते हुये यह कहूंगा कि यह कहते है कि लागों ने अपनी मर्जी से आपरे ान करवाया। नसबंदी के प्रोग्राम के बारे मे हरेक माननीय सदस्य जो यहां मौजूद है जानता है और सरकार इसके लिये जिम्मेदार है लेकिन किसी ने नही माना कि हम ज्यादती कर रहे है। यही नहीं बल्कि प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी को भी गुमराह किया गया। बार बार यह ब्याना दिया गया, जो टेलिविजन पर आया, सारी अखबारों मे आया कि लोगों ने इस प्रोग्राम को विलिंगली अपनाया है, स्पौनटेनियस रिसपौंस है लेकिन इस प्रोग्राम की नेचर क्या है उसका पता लगा

चुनाव मे जब ये मंत्रीगण लोगों के पास गये। जिस भी आदमी के पपास ये गये उसने कहा कि पांच केस दे दो और राय ले लो। इन्होंने हद ही कर रखी थी । अगर कोई रिवोलवर का लाईसैंस लेने गया, कोई रजिस्ट्री कराने गया, कोई जरूरी से जरूरी काम कराने गया तो पहले नसबंदी का केस मांगते थे बाद मे काम होता था। खैर, मैं एक बार फिर यह अर्ज करना चाहता हूं कि अगर यह सरकार केंद्रीय सरकार को और प्रधान मंत्री को गुमराह न करती तो यह चुनाव न होते। इसके लिये हम इसके आभारी है ओर जितनी भी बधाई इसको दे वह कम है क्योंकि वैसे वह ताना ाही सरकार खत्म न होने मे न आती।

स्पीकर साहब, इस बारे मे ज्यादा चच्र न करते हुए इस चुनाव के संबधं मे एक बात कहना चाहता हूं । आज सन् 1967 के चुनाव के प चात यह पहला मौका आया है जबकि केंद्र मे जनता पार्टी की सरकार आयी है और दूसरे सूबों मे और इस सूबे मे कांग्रेस पाट्री की सरकार है यानी केंद्र मे और कांग्रेस की सरकार थी और कुछ सूबों मे दूसरी पार्टियों की सरकारें थी। यहां पर एस.वी.डी. की सरकार थी जिसमे दौलता साहब भी मिनिस्टर होते थे और दूसरे हमारे साथी भी मिनिस्टर थे लेकिन वह सरकार या तो खुद के अपने नुकायस की वजह से या दूसरे कारणों से यहां चल सकी लेकिन उस हरियाणा सरकार के बारे मे आप लोगों को अच्छी तरह से पता है कि वह सरकार सैंट्रल गवर्नमैंट ने तोड़ी थी।

मुख्य मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्त): यह तो चौधरी देवी लाल ने तोड़ी थी। (हंसी)

चौधरी देवी लालः वह तो बंसी लाल ने तोड़ी थी। मैं तो तुम्हारी भी तोडूंगा । (हंसी)

चौधरी रिजक रामः देवी लाल जी ने जब तोड़ी थी वह तो पुरानी बात हो ली। अब तो ताजा ही प्रोग्राम इनका है। अब तो निगाह इनकी इस सरकार पर है लेनिक मेरा कहने का मतलब यह है कि केन्द्र मे जो सरकार बनी है वह बहुत भारी बहुमत के साथ जनता पार्टी की बनी है। दूसरी सभी पार्टियां कांग्रेस हारी है। तीन चार हलकों मे तो कांग्रेस पार्टी के नुमाइन्दे की जमानत ही जब्त हुई। कांग्रेस पार्टी को हरियाणा से केवल 17 परसैंट वोट मिले है। यह हालत आज कांग्रेस पार्टी की है। अब प्र न यह है कि वोटर के इस फैसले पर इस सरकार को क्या करना चाहिये ? श्री वी.वी. गिरी जो पहले हमारे राश्ट्रपति थे उनका ब्यान अखबारों मे आया है कि ये सभी सरकारें जो प्रान्तों मे है तोड़ देनी चाहिये। जहां तक सरकार को तोड़ने का सवाल है इसमे दो राय हो सकती है क्योंकि जनता पार्टी की सरकार जो केन्द्र मे है उसके लिये तोड़नी वाजिब है या नही ? अगर इस सरकार को गवर्नर साहब की रिपोर्ट ले कर तोड़े तो वही रास्ता होगा, वही तरीका होगा जो पहले कांग्रेस पार्टी ने अपनाया हुआ था। अगर यहां के मुख्य मंत्री जी खुद ही लिख दे कि यह गवर्नमैंट तौड़ दे तो इसके टूटने मे देर नही लगेगी। (हंसी) वैसे भोख अब्दुल्ला जी

ने तो लिख दिया तो अब ये भी खिल दे, दो मिनट लगेंगे, यर सरकार टूट जायेगी। दूसरा यह तरीका है कि आया इस सरकार को डिजोल्व किया जाये या न किया जायें इस प्र न के बारे मे मैं सरकार से अर्ज करना चाहता हूं। अगर केन्द्रीय सरकार गवर्नर साहब से रिपोर्ट हासिल करके तोड़े जिका यहां बहुमत है तो भी दूसरी बात है लेकिन आज जो जनता का वर्डिक्ट है, फैसला है उसको मान्यता देते हुए इस सरकार के लिये मुनासिब यही है कि यह सरकार खुद ही कुर्सी खाली कर दे। इलैक ान के मौके पर जनता ने यह दिखा दिया कि उनका जो भी कार्यक्रम, जो भी प्रोग्राम उन्होंने गवर्नर साहब को 20–25 सफे का बना कर दिया है, उसको उसने पढ़वाया है, इससे कोई तसल्ली नही, उसमे उनका वि वास नही है। तो मैं इस सरकार के लिये यही उचित समझता हूं कि ये जनता के फैसले का सम्मान करेंगे और जल्दी कल के सै ान से पहले ही अस्तीफा दे देंगे तो अच्छा ही होगा।

मुख्य मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्त): आप यह फैसला भी तो कर ले कि आप मे से चीफ मिनिस्टर कौन होगा ?

चौधरी रिजक राम: चीफ मिनिस्टर की इतनी फिक्र नही है कि कौन होगा ? फिक्र तो इस बात का है कि आप कब जाये ? खैर इन बातों पर मैं ज्यादा नही बोलना चाहता लेकिन कुछ और बातें भी है, कुछ और पहलू भी है जिनके बारे मे मैं चर्चा करना चाहता हूं।

25–26 जून, 1975 की रात को एमरजेन्सी लागू हुई, आपातकालीन स्थिति की घोशणा की गई लेकिन मैं ऐसा महसूस करता हूं कि हरियाणा मे तो बहुत पहले से हो आपात स्थिति लागू थी। यहां पर तो प्रजातंत्री का नाम एक भी नही था, यहां तो नाम मात्र को ही प्रजातंत्री कह सकते थे वरना यहां था नही । यह तो महत भाासन के लिए कहते थे। अगर स्पीकर साहब हालात पर गौर फरमायें तो हरियाणा सरकार ने जो नीति अपनायी, उसमे प्रजातंत्र की जो बुनियाद थी वह सारी खत्म कर दी थी। हमारे संविधान मे पंचायती, राज का जिक्र हैं संविधान मे बल दिया है कि ग्रास रूट्स डैमोकक्रेसी होनी चाहिए। डेमोक्रेसी के अंदर राज का काम ठीक तरह से चलना चाहिए लेकिन हमने देखा कि हरियाणा मे बजाए ग्रास रूटस डेमोक्रेसी लागू करने के यहां तो सदन मे जो डेमोक्रेसी थी वह भी बिल्कुन खत्म हो गई थी।

स्पीकर साहब, हरियाणा मे नौ म्यूनिस्पिल कमेटियां ए क्लास है, 19 कमेटियां क्लास टू है और 44 नोटिफाइड ऐरिया कमेटियां है। क्या मैं मुख्य मंत्री जी से पूछ सकता हूं कि कितने दिनों से ये कमेटियां सुपरडीड की हुई है, कितने दिनो से म्युनिसिपल कमेटियों के चुनाव नही हुए और वहां पर एडिमिनिस्ट्रेटर लगाये हुए है ? क्या यही आपका प्रजातंत्र है? ग्रास रूट्स डेमोक्रेसी तो पंचायतों से, म्युनिसिपल कमेटियों से और दूसरे अदारों से चलती है जिनके बारे मे संविधान मे बड़ा जोर दिया है। सभी भाहरों के अंदर या तो म्युनिसिपल कमेटी को खत्म

कर दिया है या मौत्तिल करके वहां पर एडिमिनिस्ट्रेटर लगा रखे है जहां पर वे अफसरान मनमानी कर रहे है। ववहां से पब्लिक के नुमाइन्दों को खत्म कर दिया है, वे वहां से हटा दिये है या बरखास्त कर दिये गये है या मौत्तिल कर दिये है। ऐसा किए हुए भी पन्द्रह साल हो गये है लेकिन उनके चुनाव आज तक नही कराये। पंचायत राज के बारे मे हमारे विधान मे दिया हुआ है। आज उन पंचायतों के ऊपर बी.डी.ओ., जी.ए. तथा ए.जी. इंचार्ज बनाये हुए है, जिस पंचायत को चाहे वे सैस्पैंड कर दे। किसी वी. आई.पी. का दौरा हो तो उनसे हजार रूपये चंदा लिया जाता है औरन उनको कह देते है कि मिट्टी डलवाने पर खर्चा किया हुआ लिखा देना। बी.डी.ओज. को तो इतने अख्तियारात दिए हुए हे कि वह सरंपच को किसी भी रिपोर्ट के आधार पर मौत्तिल कर सकता है। आपने बी.डी.ओ. को नीचे के सारे अधिकार दिये हुए है। कहीं पर एडमिनिस्ट्रेटर लगे हुए है, वे पंचायतों की प्रोपर्टी को बिल्कुल मुफ्त की समझ कर म्युनिस्पिल कमेटियों को सौंप देते हैं पंचायतों को किसी प्रकार का कोई मुआवजा नही दिया जाता है। इन बातो की ओर तो मैं ज्यादा नही जाना चाहता लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि पंचायत राज या ग्रास रूटस डैमोक्रेसी जो होनी चाहिए वह आज इस सूबे से बिल्कुल खत्म है।

राज्यपाल महोदय ने सहकारी समितियों का जिक्र किया । उन्होंने इसमे कहा है कि राज्य सरकार ने बड़ा काम किया है। लेकिन मैं पूछना चाहता हूं कि सहकारी समिति है क्या ? इन सब

का सहकारी समिति का एक महकमा भी बन चुका है । यह एक तहरीक आप भाुरू से ही देख लें कैसी थी आप किसी मुल्क का इतिहास उठाकर देख ले। इस चीज के पीछे सिद्धांत रूप मे आज भी यह बात है, जो असूल है उनमे यह दिया गया है कि अगर सहकारी समितियों को चलाना है तो उस पर आफि ायल कंट्राल कम से कम होना चाहिये। स्पीकर साहब यह सिद्धांत सिर्फ हमारे दे ा मे ही नही दुनियां के सारे दूसरे दे ाो मे भी माना गया है। मगर आप यहां पर देखे कि तीनों तरह की फैडरे ान मे, स्टेट कोआप्रेटिव बैंक, मार्किटिंग फैडरे ान और दूसरे कोआप्रटिव के अदारों मे सरकारी तूती बोल रही है। सरकार के अपने नामजद ाुदा प्रधान है, एडमिनिस्ट्रेटर है जोकि इन संस्थाओं का काम चला रहे है। कोई भी प्रधान अपनी मर्जी का आपने वहां जाने नही दिया। बे ाक मुख्य मंत्री जी दूसरे मैंबर्ज के सामने कोई भी बात कहे लेकिन असलियत यह है कि सरकार की तरफ से जो भी डायरैक ान जाता है, जो कोई भी उनका उल्लंघन कर दे तो वह अपने सिर पर बिपता मोल लेता है। आपके यहां जो भी कोआप्रेटिव भाूगर मिल्ज है, उनके चेयरमैन भी डिप्टी कमि ानर्ज है। जिनके भी कोआप्रेटिव भाूगर मिल्ज है, उनके चेयरमैन भी डिप्टी कमि नर्ज है। तो मेरा कहने का मतलब यह है कि इस सिद्धांत के खिलाफ है कि तहरीक देखनी तो दूसरे दे ाो मे जाकर देखे। मैंने कैनेडा मे जो कोआप्रेटिव के बारे मे नीति है, वह पढ़ी है और देखी है। किसी दे ा मे या किसी भी प्रदे ा मे इतना आफि ायल कंट्रोल सहकारी समितियों पर नही है, जितना

चहां पर है। स्पीकर साहब, 1952–53 से पहले एस.डी.ओ. या डिप्टी कमि नर्ज चेयरमैंन होते थे लेकिन उसके बाद कृशि मंत्रालय का यह आदे ा आ जिसमे उन्होंने यह कहा कि जो इलैक्टिड मैंबर्ज है, वह ऐसे कोआप्रेटिव इंस्टच्यू ान्ज के प्रधान बने। उसके बाद इस हिदायत के अनुसार सारे बाई लाज और एक्ट्स मे तरमीम की गई लेकिन यह हमारी ही सरकार है जिसके वह सारी तरमीम रद्द करके दोबारा आफि ियल कंट्रोल करने के लिये आफि ियल चेयरमैन बनाने की इजाजत दी। आज प्रजातंत्र की वह बुनियाद इस सरकार ने खत्म कर दी, इस बात मे कोई दो राय नही हो सकती। स्पीकर साहब, यहीं नहीं हम यह महसूस करते है और बिना किसी संकोच के मैं यह कहना चाहता हूं कि हरियाणा सरकार जिस ढंग से काम कर रही है, उसमे भाक्ति एकमात्र मुख्य मंत्री के अपने हाथ मे है। बाकी चाहे वजीर साहेबान है या दूसरे नीचे के अफसरान है, उनके किसी के पास, डिप्टी कमि नर्ज है उनकी ताकत आज वजीर साहेबान से ज्यादा है। आजकल वजीर साहेबान इस जिक्र मे लगे रहते है कि वे डिप्टी कमि नर्ज से मुलाकात हासिल कर सकें और डिप्टी कमि नर्ज को सरकार की तरफ से यह हिदायत जारी है कि जब वजीर साहेबान जाये तो उन्हें मिले के लिये न जाये जब तक कि खासतौर पर उनको बुलाया न जाये। हमने कभी ऐसा नही देखा था कि वजीर जो अपने आपको सरकार कहते है को मिलने की भी डिप्टी कमि नर परवाह न करें। लेकिन मैं एक बात आज जानता हूं कि अगर वजीर साहब काो, डिप्टी कमि नर परवाह न करे।

लेकिन मैं एक बात आज जानता हूं कि अगर वजीर साहब को, डिप्टी कमि नर का एक चपड़ासी भी अगर उनसे हंस कर बोल ले तो वह फूले नही समाते। ऐसा तो प्रजातंत्री है जो इस प्रदे ा मे चल रहा है। स्पीकर साहब, आप सुनकर हैरान होंगे कि सोनीपत मे कांग्रेस की मीटिंग थी, उसका जलूस निकला, हालांकि एमरजैंसी लग रही थी लेकिन वजीर साहब के खिलाफ डिप्टी कमि नर और पुलिस कप्तान की मौजूदगी मे नारे लगे। वह वजीर ही नही उनके साथ एक और वजीर साहब भी थे। वे भाब्द तो मैं इस्तेमाल नही करना चाहता जो वहां पर बोले गये लेकिन उन्होंने यह कहा कि लुच्चा, गुन्डा और बेईमान है। हैरानी की बात तो यह की बात तो यह है कि उन लोगों के खिलाफ कोई पत्ता तक नही हिला। उस वजीर की बेइज्जती करने के लिये आप देखें इस तरह के नारे लगाये गये। आप खुद ही देख सकते है कि उसकी क्या पोजी ान हो सकती है ? तो आप देखिये ऐसी तो हालत हरियाणा के अंदर प्रजातंत्र की है। सरकार ने प्रजातंत्री का गला घोंटकर उसे समापत कर दिया है। मैं यह चाहता हूं कि जनता ने जो रास्ता दिखाया है उसको देखते हुए मुख्य मंत्री जी इस बात की ओर ध्यान देकर प्रजातंत्र की रवायात के जो सिद्धांत हैख उनको कुछ थोड़ा बहुत यहां पर चलने देंगे।

इसके अलावा स्पीकर साहब, एक बात मैं और अर्ज करना चाहता हूं कि यहां हरियाणा प्रांत मे पक्षपात का राज है। न्यायसंगत राज नही है। कोई भी अदारा सरकार का ऐसा नही है,

जिसमे जनता का वि वास हो। विधान मे पब्लिक सर्विस कमी ान की स्थापना के लिये प्रावधान है। पब्लिक सर्विस कमी ान इसलिए बनाया गया ताकि लोगों का वि वास के लिये प्रावधान है। पब्लिक सर्विस कमी ान इसलिए बनाया गया ताकि लोगो का वि वास रहे कि जो भी मुलाजिम या जो भी कर्मचारी छांटे जाते है वह मैरिट्स के ऊपर आते है और वह सरकार से दब कर काम न करे। वह आजादाना तौर पर काम कर सके। इसलिये पब्लिक सर्विस कमी ान की स्थापना की गयी है। लेकिन हरियाणा का जो पब्लिक सर्विस कमी ान का एक मैंबर तो दो दफा तो पानीपत मे मुख्य मंत्री जी की पोलीटिकल कांफ्रैंस मे भाशण देता रहा। यही नही टोहाने मे भी जब मुख्य मंत्री जी और रक्षा मंत्री जी वहां आये तो वहां पर भी पोलिटिकल कान्फ्रैंस मे वह पब्लिक सर्विस कमी ान का मैंबर ऐसे ही नही भाामिल हुआ बल्कि सरकार की तारीफ भी करता रहा। हमारे पब्लिक सर्विस कमी ान के जो चेयरमैन है, उनको तो प्रोवाइस चांसलर कुरूक्षेत्र युनिवर्सिटी का लगाया गया था लेकिन अब रोहतक यूनिवर्सिटी का वासय चांसलर लगाया गया है। क्या आप सोच सकते है कि जनता का वि वास ऐसे पब्लिक सर्विस कमी ान मे हो सकता है कि जिनके मैंबर पोलिटिकल मीटिंग मे हिस्सा ले कि जिसके चेयरमैन को उसकी सर्विसिज का बदला देने के लिये दो साल की एक्सटैं ान दी जायें आज जनता का कोई वि वास यहां के पब्लिक सर्विस कमी ान ने नही रहा और ऐसा सरकार की अपनी गलत नीति की वजह से है। सरकार ने जो छांटी की, उसकी वजह से जनता का

वि वास इन पर से उठ चुका है। सरकार जिस तरह से पब्लिक सर्विस कमी ान के द्वारा पिछले 2–4 सालों मे जो सिलैक ान हुए है, आप उनकी लिस्ट निकलवा कर देखले तो आपको पता चल जायेगा कि कितनी हैराफेरी हुई है।

स्पीकर साहब, जो सिलेक ान हुए है ये कहीं भी बता दें अगर ठीक हुए हो। एक दो हल्के के ही आदमी या उनके रि तेदार लिए गए है। मेरा कहना यही है कि पब्लिक सर्विस कमी ान ने सिर्फ एक या दो इलाकों के आदमी लिए है और हरियाणा के किसी इलाके के नही लिए है। जो भी इम्तहान लिए जाते है वे बरायेनाम लिए जाते है। पिछले दिनों कंडकटर्ज के इंटरव्यूज और सिलेक ान हुए। उसमे हमारे इलाके के ग्रेजुएटस लड़के जो पास थे उनको नही लिया गया और दूसरे इलाके के मैट्रिक थर्ड डिविजन लड़के ले लिए गए। हरियाणा मे दो सर्विस सिलेक ान बोर्ड है हमने एम.ए. पास लड़कों को रिजैक्ट कर दिया और एक दो हल्को के मैट्रिक थर्ड डिविजन ले लिए। फिर आपकी बिजली बोर्ड की सिलेक ान कमेटी है। पिछले नौ साल से एक आदमी वहां का मुख्तियार बन बैठा है। देवी प्र ान्ना तो बराएनाम है। एक आदमी मैट्रिक पास भी नही लेकिन एस.डी.ओ. की भर्ती वह करता है, इंजीरियर्स की भत्री वह करता है, अगर डिविजन क्लर्क वगैरह सब की भर्ती वह करता है। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या हरियाणा मे यही इंसाफ है। क्या यह सरकार रिक्रूटमेंट मे हरियाणा के लड़कों के साथ ऐसा ही इंसाफ करती है। मेरा कहना

तो यह है कि उन लड़कों को ले जो मैरिट पर हो, सही लड़कों को आप लीजिए। मैं स्पीकर साहब, बिना संकोच के कह सकता हूं कि बिजली बोर्ड मे और एस.एस. बोर्ड मे वह लिस्ट फाईल होती है जो सरकार की तरफ से जाती है। सारे टैस्ट सिर्फ बराये नाम लिये जाते है और लोगो को धोखे मे डाल कर लाखों रूपया दरखास्तों के साथ लेते हे। मेरा कहना यह है कि यह कोई इंसाफ की बात नही है ये पढ़े लिखे नौजवान इस सब अन्याय को कब तक बर्दा त करते रहेंगे। मुख्य मंत्री महोदय स्वयं स्वतंत्रता सेनानी रहे है हम उनसे तवक्कों करते है कि हरियाणा की जनता के साथ इंसाफ करे। डिवेलपमेंट के बारे मे बड़ी चर्चा की जाती है कि हमने बैकवर्ड एरियाज को ऊपर उठाना है, हमने उन पिछड़े हुए इलाकों को दूसरों के बराबर लाना है। स्पीकर साहब, इस बारे मे कोई दो राये नही है। भिवानी का इलाका, महेन्द्रगढ़ का इलाका, मैं यह मानता हूं कि वे इलाके पिछ़डे रहे है और वे लोग अकाल से भी दुखी रहे है। उनके फायदे के लिए उनकी तरक्की के लिये सरकार कोई कदम उठाए, इसमे कोई एतराज की बात नही है। मेरे पास भी इरीगे ान का महकमा कुछ दिन रहा है। तो ाम के इलाके मे एक प्रोजेक्ट लगाया और वहां देखने की कोि ा ा की कि किस ढंग से उन पिछड़े हुए इलाकों को सहूलियत दे सकते है। एक साल के एक करोड़ रूपया वहां पर पानी के लिये दिया और आठ चैनेल्ज की मंजूरी दी थी। उसे बाद जूई कैनाल, इंदिरा गांधी कैनाल, जवाहर लाल नेहरू कैनाल आदि का काम चालू है। इसमे किसी को कोई ऐतराज नही है। अच्छी

बात है उन इलाकों को पानी दिया जाये। मैंने पहले भी कहा था और आज भ कहता हूं कि सरकार जो नीजि अपना रही है वह गल्त है। इस तरह से जो दूसरा इलाका है, भाायद सरकार को मलूम नही है, वह बरबाद होने लग रहा है। यहां एक माननीय सदस्य जो कांग्रेसी है और जो बड़ी साफगोई से बात करते है, हमने उसने कहा कि भिवानी और दूसरे इलाको को आप पानी पहुंचा रहे हो लेकिन दूसरे इलाको को जरूरत के मुताबिक पानी नही मिलता। सरकार को ध्यान रखना चाहिए कि कोई पक्षपात न हो। उन्होंने कहा कि रोहतक, जींद और दूसरे इलाकों को तो हमने अपने हिसाब मे से राइट आफ कर दिया है। यह आपके एक बहुत ही वि वसनीय साथी है। यह उनका विचार है। आज सरकार पक्षपात की नीति अपना रही है। सब जानते है कि हाई इंल्डिंग वैराइटीज के लिये जो खाद गवर्नमैंट दे रही कोई भी स्पे ोलिस्ट इस बात से इंकार नही कर सकता कि गेहूं का जो बीज हम बोते है और फिर यूरिया खाद डालते हे। अगर पांच छह बार फसल को पानी न मिले तो वह पक नही सकती लेकिन आप पड़ताल करके देख लें वैस्टर्न जमुना ट्रेक मे जितनी नहर और जितनी डिस्ट्रीब्यूटरी है उनसे गेहूं बोने के बाद डेढ़ माह तक पानी का एक हस्सा नही दिया और उस पानी को उन नहरों मे डाल रहे है जहां इतना फायदा नही पहुंचता। आपने जुई कैनाल पैरेनियल बना दी। आप यह कहते है कि व्यास का पानी आने के बाद सिवानी तथा दूसरी नहरो को पैरेनियल बना देंगे। आप जरूर इनको पैरेनियल कीजिए लेकिन पहले आप यह अंदाजा लगाएं कि

यह जो व्यास के पानी के लिए लाइनिंग है उस पर कब से बैटरमैंट लैवी ले रहे है। आप यह बैटरमैंट लैवी 1958 से ले रहे है और इसी बात के लिये ले रहे है कि इनको पानी मिलेगा लेकिन जब पानी बढ़ा तो दूसरी तरफ डावर्ट कर रहे है और उस पानी के डाइवर ान से उस इलाके को कोइ फायदा नही है क्योंकि वह रेत के इलाके को एक हफ्ते मे पानी नही दे सकते और दे वरना आप देखेंगे कि वह सारे इलाके जहां पहले से पानी मिलता है वे तबाह हो जाएंगे और दूसरे इलाको को भी फायदा नही होगा।

स्पीकर साहब, राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण मे अगली बात वाटर सप्लाई स्कीम के बारे मे कही और बताया कि 924 गांवों को पानी दे चुके है। स्पीकर साहब, हरियाणा मे 6667 या 6670 गांव है जिनमे साढ़े तीन हजार देहात ऐसे है जिनमे पीने के पानी की सुविधा नही है। पानी खारा है। यह बात मैं सरकारी आंकड़ों के मुताबिक कह रहा हूं। आज यह सरकार दावा करती है कि उसने 924 गांवो को पानी सप्लाई किया है। स्पीकर साहब, इनमे 12 फीसदी गांव जिनको पानी दिया है वह 9 डिस्ट्रिक्टस के है और बाकी गांव भिवानी डिस्ट्रिक्ट के है। इन्होंने और कहीं पैसा खर्च नही किया है। आप इंसाफ करे। जनता इस बात को पसन्द नही करती जो आप कर रहे है। जनता तो चाहती है कि हरियाणा के लोगों को आप यकसां समझे। सबके साथ एक जैसा व्यवहार हो। पर अब जो बेइन्साफी लोगों के साथ की है उसका

बदला आपकों जनता ने दिया है और उन इलाकों मे चुनावों का परिणाम आपने देखा कि जनता ने किस तरह से अपना बदला लिया और उसी इलाके को आप कहते है कि मैं इसको आका ा मे ले जाना चाहता हूं। अगर आप लोगों के साथ यकसां व्यवहार करते, बेइन्साफी न करते तो जो पोजी ान आपकी आज हुई है, वह न होती, तो मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप सभी के साथ यकसां व्यवहार करो।

स्पीकर साहब, एक और बात की तरफ मैं आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं और वह भी इस लिये कि इन माननीय सदस्यों को इस बात का पता लग सके कि सरकार कितने पक्षपात से काम कर रही है। हमारे पास सरकार का दिया हुआ एक उत्तर है जोकि 8 जनवरी सन् 1975 को उसने इस सदन मे दिया, उसके मुताबिक उन्होंने बताया कि सन् 1970–71, 1971–72, 1972–73, 1973–74, 1974–75 मे लगभग 17 ऐसे हस्पताल है जो बनाये जारहे है, यह स्टेटमैंट हमारे सामने है, स्पीकर साहब आप देखें कि इन्होंने कहा है नारायणगढ़ मे 50 बैडज का, फिरोजपुर झिरका मे 25 बैडज का, तोशाम मे 25 बैडज का, सोनीपत मे 50 बैडज का और भिवानी मे 500 बैडज का हस्पताल बनाया जा रहा है। स्पीकर साहब सोनीपत एक इंडस्ट्रीयल ऐरिया है, दिल्ली के नजदीक है, उसकी आबादी लगभग 70/80 हजार के करीब है और वहा पर 80 बैडज का हस्पताल और सारे हरियाणा मे भिवानी के इलाके मे जोकि खु ाक इलाका है, जहां पर बीमारी भी बहुत कम है, वहां

500 बैडज का हस्पताल बनाया गया है, क्या यह सारे हरियाणा से, हिसार से भी जरूरी है लेकिन मैं आपकी मार्फत यह पूछना चाहता हूं कि भिवानी मे ऐसी कौन सी बात है कि वहां पर 500 बैडज का हस्पताल बनाया गया है, क्या यह सारे हरियाणा से, हिसार से भी जरूरी है लेकिन मैं आपकी मार्फत यह पूछना चाहता हूं कि भिवानी मे ऐसी कौन सी बात है कि वहां पर 500 बैडज का हस्पताल बनाया है। फिर कालिज आफ एजुके ान है, अलग लाईब्रेरी है, एसे नाम से यह सारा पैसा खर्च किये जाओ, आपको अख्तियार है मैं रोक नही सकता लेकिन मैं यह अर्ज करना चाहता हूं कि सारी जनता के साथ यकसां व्यवहार न किया तो आप ने अभी देखा जो व्यवहार आपके साथ जनता ने अब किया है वह आगे के लिये कोई भी ज्यादती बर्दा त नही करेगी। स्पीकर साहब, इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया, अपना स्थान लेता हूं।

चौधरी भजन लाल (आदमपुर): अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा हो रही है और इस संबंध मे मैं अपने विचार रखने के लिये खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं राज्यपाल महोदय का बड़ा आदर व सम्मान करता हूं। राज्यपाल महोदय को चाहिये कि यह था कि यह अपना अभिभाशण पढ़ने की बजाये इस सरकार को कहते कि आप को घर जाना चाहिये और इस लिये जाना चाहिये कि इस प्रांत की जनता ने आपके खिलाफ फैसला दिया है। जिस सरकार पर जनता का

वि वास न हो, उसे सरकार चलाने का कोई अधिकार नही है। अध्यक्ष महोदया आपको मालूम है कि हमारे प्रांत मे असैम्बली के कोई लगभग 90 हल्के है, उन मे मु कल से तीन चार हल्के ही ऐसे है जहां पर थोड़े से वोटों से इनकी जीत हुइ हो भोश 86–87 हल्कों मे जनता की तरफ से उनको बुर तरह से हराया गया हो उन्हें सरकार चलाने का कोई अधिकार नही क्योंकि जनता का उन से वि वास उठा चुका है। अध्यक्ष महोदय, गुप्ता साहब ने भाुक्रवार को बोलते हुये यह कहा कि विधान ने हमें इजाजत दी है कि हम 6 साल तक या इससे ज्यादा राज करें लेकिन इस विधान को जनता ने किस तरह से ठुकराया, वह आप सब के सामने है, इस मे कोई छिपी हुई बात नही है। आप किसी आदमी से यह कहकर बोट मांगे कि हमे 5 साल के लिये वोट देकर चुनिये, अगर हमारा इस पांच साल के अर्से मे काम ठीक न हो, हमारे मे कोई छिपी हए बात नही है। आप किसी आदमी से यह कहकर वोट मांगे कि हमें 5 साल के लिये वोअ देकर चुनिये, अगर हमारा इस पांच साल के अर्से मे काम ठीक न हो, हमारे मे कोई कमी आये तो आपको पूरा अधिकार है कि आपा हमें पांच साल के बाद हटा सकते है। जहां लोगों ने आपको 5 साल के लिये भेजा हो, और वह सत्ता मे होने की वजह से 5 साल की बजाये 6 साल कर लें या 10 साल कर ले यह यह कोई लोकतंत्र का तरीका नही है। (हंसी)

मुख्य मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्त): अगर आप छः साल नही मानते तो अस्तीफा दे दे।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय गुप्ता जी ने अभी कहा कि अस्तीफा दे दो। मैं अस्तीफा देता हूं गुप्ता जी भी दे दे।

श्री बनारसी दास गुप्तः मैं क्यों दूं, आप दे दो।

चौधरी भजन लालः हम सारे के सारे इस्तीफा देने के लिये तैयार है, जनता का फैसला है, इसको मानना चाहिये। अध्यक्ष महोदय, प्रजा के फैसले को न मानना प्रजातंत्र का गला घोंटने वाली बात है लेकिन जनता इनको बख्भोगी नही। उन्होंने विधान को जिस तरीके से तोड़ा है कि विधान की धज्जियां उड़ा रख रख दी है (इस समय श्री के.एन.गुलाटी की तरफ से विघ्न).....

लाला रूलिया रामः स्पीकर साहब, मेरी सबमि ान है कि यह (श्री गुलाटी की तरफ इ ाारा करते हुए) कभी किसी के साथ लड़ता है, कभी किसी के साथ लड़ता है इसको यहां से उठाकर इधर बिठा दिया जाये (हंसी)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय यहां पर परिवार नियोजन के बारे मे काफी चर्चा हुई जहां तक परिवार नियोजन का ताल्लुक है, इनको आप अच्छी प्रकार से जानते है कि लोगों के साि कितनी ज्यादतियां की गई है। अभी गुप्ता जी ने कहा कि केसिज हमारे नोटिस मे लाए जहां पर ज्यादतियां हुई है अध्यक्ष महोदय, एक दो ज्यादतियां हुई हो तो हम नोटिस मे लाए पर

जहां पर ज्यादतियां ही ज्यादतियां हुई हो.....जिस तरह से अत्याचार हुये हो.....विघ्न....

श्री बनारसी दास गुप्ताः आपके इस्तीफा देने के बाद कोइ अत्याचार नही हुआ। आपके आगे हुआ।

चौधरी भजन लालः जनता के साथ जो अन्याया हुआ वह कोई छिपा हुआ नही है। एस.डी.ओ., बी.डी.ओ. तहसीलदार पुलिस को साथ लेकर लोगो को पकड़ने जाते और फिर लोग वहां से सारे के सारे बागी हो जाते जैसे उन्होंने काई चोरी की की हुई हो या डकैती की हुई हो । एक नौजवान लड़की अपने बापू से कहती कि तू भाज जा ये काटेंगे इन्होंने इस किस्म से मर्यादा को भंग किया है जिसकी मिसाल कही और नही मिल सकती। सिनेमा से लोग जब बाहर जाते थे तो एक गाड़ी बाहर खड़ी होती थीं सारे के सारे लोगो को गाड़ी मे भर कर ले जाते थे चाहे उनमे कोई बुढ़ा हो और चाहे कोई नौजवान हो। स्पीकर साहब यही नही आप की इंतजार बस मे जा रहे हे तो आप को पकड़ कर ले गए और बेटी बेचारी अपने बाप की इंतजार बस मे कर रही है। भाई और बहन बस मे जा रहे है तो भाई को पकड़ कर नसबंदी के लिये ले गये और बहन बेचारी अकेली भाई का इंतजार बस मे बैठी कर रही है और फिर स्पीकर साहब, आपने रेडियों पर सुना होगा और अखबर भी पढ़े होंगे मैं प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी जी को बहुत इज्जत करता हूं इनसे यह कहलवा दिया जाए कि फैमिली प्लानिंग मे कहीं पर जोर जबरदस्ती नही हुई। तो आप

अंदाजा लगा सकते है कि यह कितना गुमराह करने की बात है और कितना ज्यादती की बात है फिर यह कहते है कि हमारे नोटिस मे कोई ऐसा केस नही है। नोटिस मे तो तब हो अगर एक केस हो। मैं एक केस के बारे मे आपको बताना चाहता हूं कि हिसार मे एक भूतन गांव है जहां चौधरी बंसी लाल जी के ससुराल है। वहां का एक लड़का बलदेव था जोकि कंवारा था उसका आप्रे ान कर दिया गया। चौधरी देवी लाल जी एक जगह मीटिंग हो रही थी उस मीटिंग मे उस लड़के ने यह बात बतलाई। यह लड़का जगात गांव का है, इसके अलावा एक बात मैं और कहना चाहूंग लेकतंत्र के बारे मे, हिसार मे राम जी लाल चेयरमैन है। उसको यह सरकार बदलना चाहती थी। प्रजातंत्र का यह तरीका है कि वोट से सरकार बदली जाती है, वोट से सरपंच बदला जाता है और वोट से ही चेयरमैन को बदला जा सकता है। इन्होंने भी वोट से सरपंच बदला जाता है और वोट से वह बदला नही जा सका तो इन्होंने क्या किया कि एक दिन रात को एक बजे सभी मैंबरो के घर पर पुलिस ने रेड किया। यह गल्त बात नही है। मैं गंगा जल हाथ पर रख कर कह सकता हूं कि यह सच्ची बात है। सब मैंबरो को पुलिस पकड़ कर ले गई और वे सारी रात थाने मे रहें सबको डरा धमका कर एक ही राम मे उस चेयरमैन को हटवाने के भी दस्तखत करवा लिये और नया चेयरमैन बनाने के दस्तखत भी करवा लिये और नोटिस बगैरह सब कुछ एक ही रात मे किया गया यह मामला राज्यपाल महोदय के भी नोटिस मे लाया गया और इसको हम हाई कोर्ट मे भी लेकर

गए। स्पीकर साहब, मैं आपको बताना चाहता हूं कि इन्होंने लोकतंत्र की कि तरह से धज्जियां उड़ाई है। अगर यह बात गल्त हो तो मैं इस्तीफा देने के लिये तैयार हूं। इसके बाद मैं निवेदन करना चाहता हूं कि मुख्य मंत्री जी ने फाजिल्का अबोहर का जिक्र किया और बाद मे यह कहा कि हमे रावी और ब्यास का पानी नही मिलेगा। तो फाजिल्का अबोहर के फैसले को हुए साढ़े आठ साल हो गये और इस अर्से मे चौधरी बंसी लाल जी भी ताकत मे रहे और गुप्ता जी भी ताकत मे रहे इस अरसे मे फाजिल्का और अबोहर दिला नही पाए फिर इतनी देर बाद इनको याद क्यों आया ? दूसरे इन्होंन कहा कि अकाली हमे रावी ब्यास का पानी नही देंगे क्योकि इंहे उन पर वि वास नही रहा। इनको सैंट्रल गवर्नमैंट से वि वास लेना चाहिये। मैं आपकी मार्फत एक बात सदन को बता दूं कि आज सरदाद प्रका ा सिंह बाद सैंटर मे इरीगे ान तथा एग्रीकल्चर मंत्री है। वह पंजाब की अकाली पार्टी के है। वह बहुत ऊंचे इख्लाक के आदमी है। स्पीकर साहब, यदि हम किसी ऐसे आदमी पर ऐसा फैसला छोड़ दे तो वह अपने हक मे कम लेगा और दूसरे को ज्यादा देने की कोि ा ा करेगा। यह फैसला बाबू जगजीवन राम जी की कलम से हुआ है और उनकी पोजी ान पहले से ज्यादा ऊंची है। इन्होंने जलसों मे जाकर कहा कि अगर अकालियों की या जनता की सरकार बन गई तो वह हमे पानी नही देगे (विघ्न)।

मुख्य मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्त): मैंने नही कहा, यह अकालियों ने कहा था आप उनका मैनिफैक्टो देख ले।

चौधरी भजन लाल: हरियाणा के हिस्से का अगर एक बूंद भी पानी काटा गया तो हम इधर के सारे मैंबर इस्तीफा दे देंगे (तालियां) (विघ्न) स्पीकर साहब, इसके अलावा मैं आपके नोटिस मे एक और सीरियस बात लाना चाहता हूं। अभी जब 16.3. 1977 को चुनाव हो रहे थे तो भिवानी पार्लियामेंटरी कांस्टीच्यूएंसी मे एक कोहली गांव है वहां पर फायरिंग हुई, तीन आदमी जख्मी हुए और वे अभी भी हस्पताल मे मरने वाले पड़े है। इसके अलावा एक खालिया गांव मे फायरिंग हुई कोहली गांव मे फाइरिंग मनी राम गोदारा ऐक्स एम.पी. ने की और उसने खुद तीन आदमियों को गोली मार कर जख्मी किया है और उनके साथ चार आदमी और भी थे जिन्होंने लाठियां वगैरह से हमला किया मगर अभी तक कोई गिरफ्तारी नही हुई है।

मुख्य मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्त): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। किसी भी बाहर के व्यक्ति का जिक्र इस सदन मे नही किया जा सकता और न ही उस पर इलजाम लगाया जा सकता है। यह हमारे लोकतंत्र की परम्परा है

चौधरी भजन लाल: यह इल्जाम नही है, यह हकीकत है।

Mr. Speaker: Order please.

ि ाक्षा मंत्री (पंडित चिरंजी लाल भार्मा): स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है, मैं अर्ज करूंगा कि हकीकत क्या है ? Since that is a matter, which is sub-sudice because the case has been registered, I would very humbly request my hon. friend not to talk about the facts or marits and demerits of that matter.

Mr. Speaker: This is correct. मैटर सब जुडिस है तो उसके मैरटिस को आप डिस्कस न करे।।

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, ऐसा है कि केस कोर्ट मे चल रहा हो तब तो उसकी बहस यहां नही हो सकती लेकिन केस अभी पुलिस की तफती ा मे है और पुलिस ने अभी तक कोई गिरफ्तारी नही की है.....भाोर.

Mr. Speaker: Order please.

पंडित चिरंजी लाल भार्मा: स्पीकर साहब, मेरी सबमि ान यह है Once the case is registered with the polce and is unde investigation, that becomes sub-judice.

चौधरी भजन लाल: यह कैसे हो सकता है, यह बिल्कुल नही हो सकता (विघ्न)।

Chaudhri Partap Singh Daulta: Mr. Speaker I want your ruling on this point. Does sub-judice mean that his august House has not authority to refer to the accident itself ? Merit apart, what the hon. Member is referring to is the accident and as not finding fault with one party or the other.

श्री बनारसी दास गुप्तः Accident canbe referred. लेकिन यह नाम नही ले सकते है कि फलां आदमी ने गोली चलाई। इन्होंने खासतौर से कहा है कि फलां आदमी ने गोली चलाई। यह नही कह सकते.....भाोर....

श्री अध्यक्षः Order please. सब–जुडिस मैंटर मे केस को इम्पीकेट करना ठीक नही है। यह एफ.आई.आर. दर्ज हो चुकी है। मैटर अगर सब जडिस है तो कोर्ट फैसला करेगा। उसकी मैरिट्स और डिमैरिट्स मे यहां न जाया जाये तो अच्छा रहेगा.....भाोर.....

चौधरी भजन लालः कोर्ट मे जाने दे तब तो बात है। इधर से मुख्य मंत्री जी का टैलीफोन चला गया और उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नही हो रही है.....भाोर.....

Mr. Speaker: Order please..

श्री बनारसी दास गुप्तः अध्यक्ष महोदय, मैं यह बात भापथ के साथ कहता हूं कि या तो भजन लाल जी इस्तीफा दे दें या मैं इस्तीफा दे दूंगा अगर कोई टैलीफोन मेरी तरफ से पुलिस को गया हो। क्या गल्त बाते हाउस के अंदर बैठ कर कह सकते है ?.....भाोर.....

चौधरी देवी लालः वजह क्या है जब वह हस्पताल के अंदर है। उसके अपने लाइसैंस के रिवालवर से गोली चली है और उसके बावजूद कोइ गिरफ्तारी नही हुई । वह इलैक ान मे

काउंटिंग एजेंट है और अभी तक बाहर फिर रहा है, यह ला एंड आर्डर है.....भाोर.....

Mr. Speaker: Order please. Order please.

चौधरी देवी लालः कल को आपके ऊपर चल जाए तो जान बचानी मु कल हो जायेगी.....भाोर.....

श्री बनारसी दास गुप्तः केस हर एक के खिलाफ दर्ज किया हुआ है.....भाोर.....

चौधरी देवी लालः केस को यह दबा रहे है और चौधरी बंसी लाल दबा रहे है.....भाोर.....

श्री बनारसी दास गुप्तः बिल्कुल गल्त बात है.....भाोर.....

Mr. Speaker: Order please.

श्री बनारसी दास गुप्तः बिल्कुल गल्त बात है.....भाोर.....

Mr. Speaker: Order please.

श्री बनारसी दास गुप्तः क्या ज्यादा जोर से बोलने से बात सच्ची हो जायेगी ? लंबाई आपकी ज्यादा है, आवाज मेरी ऊंची है.....भाोर.....

चौधरी देवी लालः जनता मे आओंगे तो पता लगेगा..... .भाोर.....

Mr. Speaker: Order please.

श्री बनारसी दास गुप्तः इतना जोर से बोल कर डराने की कोि ा ा मत करो.....भाोर.....

Mr. Speaker: Order please. We should be cool. Please take your seat. No interruptions.

चौधरी देवी लालः * * * * भाोर *

श्री बनारसी दास गुप्तः * * * भाोर *

चौधरी देवी लालः * * * * भाोर *

श्री बनारसी दास गुप्तः * * * भाोर *

Mr. Speaker: Order please.

चौधरी देवी लालः * * * * भाोर *

श्री बनारसी दास गुप्तः * * * भाोर *

चौधरी देवी लालः * * * * भाोर *

चौधरी भजन लालः *भाोर * * भाोर *

श्री बनारसी दास गुप्तः * * * भाोर *

Mr. Speaker: Order please. Please take your seats. All these remarks are expunged. When the Hon. Minister has stated that a case has been registered and when the hon. Member while speaking alleges that this is a firing case and that a case has been registered then he should not persist on merits and demerits of the case.

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, उनका नाम तो एफ. आई.आर. मे है, मैं रैफर कर सकता हूं.....(व्यवधान)

Mr. Speaker: Order please. No interruptions please.

(Interruption).

चौधरी भजन लालः ठीक है जी, हम आगे इस प्वायंअ को टच नही करेंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं अर्ज कर रहा था कि जहां इस किस्म के अत्याचार हों और उन अत्याचारों के खिलाफ कोई कार्यवाही न हो, वहां न्याय की बात क्या हो सकती है....(व्यवधान) इसकी इन्क्वायरी थोड़ी होगी, कोर्ट मे तब केस जाएगा जब ये भेजेंगें कोर्ट में। जाने से पहले उसको ह ाअप करना चाहते है।

Mr. Speaker: I have gine a ruling and there should be no further mention of that case.

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इसी तरह पीपली का केस है.....

श्री अध्यक्षः बगैर नाम लिये you can refer to any incident but without naming somebody.

चौधरी भजन लालः नाम के बगैर कैसे पता चलेगा कि किस जगह की बात कह रहा हूं.....(व्यवधान) वहां नौजवान आदमी मरा, औरत मरी, पुलिस ने दिन दिहाड़े गोलियों से भून दिया। जिन लोगों ने प्रोटैक ान मे कुछ किया है उन के खिलाफ केस रजिस्टर हो गया है। जिन लोगों के साथ ज्यादती हुई, जुल्म हुए है, इस डिटेल मे मैं नही जाउंगा, इसके खिलाफ तो जुडि ायल इन्कवायरी बैठाएं और उस इलाके के लोगों के साथ इंसाफ करें ताकि हरियाणा का नाम ऊंचा हो और जनता मे वि वास पैदा हो। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, एच.सी.एस. के ग्रेड बढ़ा दिए है। एक आदमी के लिये जो कुद इन्होंने किया, अब अगर मैं नाम लूंगा तो ये कहेंगे कि नाम क्यों लिया। सब समझते होंगे। वे है * * * * एच.सी.एस. मे है और उसी केडर के जुडि ायल साइड मे और लोग भी है, उन को यह ग्रेड नही मिला। इससे ज्यादा अन्याय की बात और क्या होगी...

श्री बनारसी दास गुप्तः अध्यक्ष महोदय, ये नाम जो इन्होंने बोले है, इनको एकसपंज करने की मैं आपसे प्रार्थना करूंगा। (व्यवधान)

Mr. Speaker: Yes.

चौधरी प्रताप सिंह दौलताः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। जो आदमी हउस का मैंबर नही है, चौधरी बंसी लाल इस हाउस के मैंबर नही है, उनका नाम कैसे रैफर हो जाता है..... (व्यवधान)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, सिलैक ान बोर्ड के बारे मे, जैसा कि चौधरी रिजक राम जी कह कर गये है, लेकिन थोड़ी सी दबी जबान से कहा है.....

श्री अध्यक्षः अगर आनरेबल मैंबर साहब किसी गवर्नमैंट मुलाजम का नाम लेकर कुछ कहेंगे तो ठीक नही है। क्योंकि वे अपने आपको डिफेंड नही कर सकते।

चौधरी भजन लालः आगे नही लूंगा। मैं बता रहा था कि सिलैक ान का तरीका हमारी स्टेट मे क्या है ? एक पब्लिक सर्विस कमी ान है, एक एस.एस.एस. बोर्ड है। तीसरा बिजली बोर्ड है । मैं बिजल बोर्ड के चेयरमैन साहब के बारे मे कुछ नही कहूंगा लेकिन वहां जो सिलैक ान करते है, वे देवी प्रसन्ना है और नौ साल से चले आ रहे है। अध्यक्ष महोदय, आप हैरान हेांगे, किसी भीइलाके का कैंडीडेट चाहे वह मैट्रिक पढ़ा भी हो, आपको बिजली बोर्ड मे नही मिलेगा, बाकी देख ले सर्वे करके भिवानी तहसील के कितने है ? सारी स्टेट से इंफर्मे ान मंगा कर देख लें, भिवानी के ही लड़के मिलेंगे। बिजली बोर्ड अकेला भिवानी तहसील का नही है, हर आदमी का उस पर हक है लेकिन सर्विसिज कनि को मिली है ? अगर मैं साफ साफ कहूंगा तो फिर ये कहंगे कि ऐसी बात नही कहनी चाहिए। इसके बाद एस.एस.एस. बोर्ड है, पब्लिक सर्विस कमी ान है, इन मे मैरिट पर फैसला होना चाहिए। असल बात क्या है ? इन्टरव्यू हो गया, लिस्ट बनाकर दिल्ली से आती है। मुख्य मंत्री जी को भाायद इस बात का पता नही होगा, दिल्ली से

लिस्ट बन कर आती है। तब फाइनल होती है। जो लिस्ट बनाकर भेजते थे, चाहे एच.सी.एस. की हो, चाहे क्लास वन हो, चाहे क्लास टू की हो सारी लिस्टे दिल्ली से बन कर आती थी अगर पब्लिक सर्विस कमी ान की यह हालत हो जाये तो आप अंदाजा लगाएं कि प्रांत का क्या हाल होगा। इसी तरह एस.एस.एस. बोर्ड मे होता है। सारी लिस्ट बनकर जाती है। अगर टोटल जगहें 60 आदमियों की है तो 60 का नाम नही जायेगा, 60 की बजाए 61 का जायेगा, ऐ दो आदमी वेटिंग लिस्ट मे होंगे।

श्री गिरी ा चंद्र जो ीः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य पहले मिनिसटर भी रह चुके है और इन बैंचिज पर मैंबर भी रह चुके है। जो वाक्यात इन्होंने अब बताएं है, क्या उस वक्त इनको बोलने का हक नही था या इन्हें इन वाक्यात का पता नही था ?

चौधरी भजन लालः पिछले 19–20 महीने, एमरजैंसी के दौरान खूब बोला हूं और वह खामियाजा मुझे भुगतना पड़ा है। मेरी बूआ का बेटा, जो सगे भाई से ज्यादा प्यारा है, उसको मीसा के अन्दर दे दिया। अगर वह 20 प्वायंट या 5 प्वायंट प्रोग्राम की तारीफ करता तो बिल्कुल न देतेकृ

श्री बनारसी दास गुप्तः कभी बोला भी ?

चौधरी भजन लालः जहां बोलना चाहिये वहां बोला हूं। 19 महीनों मे सारे दे ा को अमरजैंसी के दौरान जेल की भाक्ल मे बदल कर रख दिया। इस किस्म का अन्याय और जुल्म अंग्रेज

के जमाने मे भी नही होता था। अंग्रेज के जमाने मे बोलने पर पाबंदी नही होती थी। अगर अंग्रेज के जमाने मे ऐसा होता तो दे ा कभी आजाद न होता। जनता तक बात पहुंचाने के दो रास्ते होते है, एक रास्ता है जलसा जलूस करके लोगो तक बात पहुंचाई जाये। दूसरा रास्ता था रेडियों और अखबार । जब इन पर पाबंदी लग जाये, यही नही, जबान पर पाबंदी लग जाये, दो सगे भाई बस मे जाते हुए आपस मे बात नही कर सकते थे पता नही अगर कोई सुन ले तो क्या हाल होगा, जेल मे जायेंगे या और कही। इतना डर लोगो के दिलो दिमाग पर रहता था जिसकी मिसाल नही मिलेगी। इस तरीके का हाल, अगर उस वक्त अंग्रेज कर देता तो दे ा आजाद कभी नही हो पता। स्पीकर साहब, दे ा भक्त फांसी के तख्ते चुमते थे अगर उन की बात अखबारो के जरिये, जलसा जलूस के जरिये जनता तक न पहुंचती तो दे ा का नक ाा आज कुछ और ही होता। दे ा आजाद कैसे होता.....

श्री ओम प्रका ा गर्गः हम तो सारा कुछ भजनलाल के जरिये करवाते थे.....(व्यवधान)

चौधरी भजन लालः मैं ठीक कह रहा हूं । (व्यवधान) चमचागिरी क्यों करता है.....ये नंबर ऐसे नही देते (व्यवधान)

श्री बनारसी दास गुप्तः इसे मालूम है नंबर कैसे दिये जाते है ?

Mr. Speaker: Order please. No interrutions like this. While one hon. Member is speaking you cannot continue like this. You can rize on a point of Order.

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन कर रहा था कि एमरजैंसी के दौरान जितने जूल्म हूए है, इनकी मिसाल इतिहास मे नही मिलती। यह कहना कि पहले क्यों नही बोलते, ठीक नही, मैं बोल सकता था लेकिन जलसा जसूल नही कर सकते थे, रेडियो खबरे नही दे सकता था, अखबार खबरें नही छाप सकती थी। हमने जो कदम उठाया है, वह कुर्सी के लिए नही उठाया, टिकट के लिये नही उठाया, हमने जुल्म के खिलाफ पड़ने के लिए, दे ा की बेहतरी के लिए कदम उठाया। उस वक्त कौन जानता था कि जनता पार्टी की सरकार बनेगी। हमने एक जुर्म के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिये कदम उठायां आज ये बात कहते है कि पता नही किस लिए कदम उठाया है। अध्यक्ष महोदय, आपको याद होगा कि भिवानी मे दो नहरें बनवाई गई थी। एक थी जुई और दूसरी थी लोहारू। जब ये नहरें बनाई गई थी उस समय यह फैसला किया गया था कि उनमे तीन महीन फ्लड का पानी चलेगा। हमने इस बात को माना था क्योंकि फलड का पानी उस इलाके को नुकसान करता था। अगले साल कहने लगे कि ये नहरे बारहमासी होंगी। अध्यक्ष महोदय बारहमासी होने के बाद रिजल्ट क्या हुआ ? दूसरे इलाकों को जो नुकसान हुआ वह आपके सामने है। भाखड़ा का पानी उस इलाके मे ले गये, जमुना का पानी उस इलाके मे ले गये। उस एरिया मे जहां एक एकड़ मे 50 मन गेहूं

होता था वहां 25 मन भी नही हुआ। प्रोडक ान काफी घटी और बड़ा भारी नुक्सान उस इलाके मे हुआ जहां से पानी ले गये। फिर इन्होंने डीप टयूबवैल्ज लगाए। आप करनाल, कुरूक्षेत्र, अम्बाला और जींद मे जाकर देखे। जहां पहले बीस फुट की ऊंचाई पर पानी होता था वहां 100 फुट की गहराई पर पानी चला गया । तो अध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा कुछ न कहते हुए आपका भाुक्रिया अदा करता हूं क्योंकि आपने मुझे बोलने का समय दिया और अपना स्थान लेता हूं।

श्री गौरी भांकर (नरवाना): आदरणीय स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा कुछेक बातें इस सदन मे रखना चाहता हूं। सबसे पहली बात तो मैं पब्लिक सर्विस कमी ान के बारे मे कहता हूं । जो एच.सी.एस. का रिजल्ट डिकलेयर हुआ है वह ठीक नही है। अगर उन्ही लड़के लड़कियां की किसी और बोर्ड के द्वारा सिलैक ान करवाई जाये तो पता लगेगा कि कितने लड़के और लड़कियां सही तरीके से सिलैक्ट हुए है। यहां तो न कोई इंटरव्यू की बात थी और न ही कोई सिलैक ान की बात थी। जो दिल्ली से लिस्ट आती थी वही सिलैक्ट हो जाते थे। यही नही, जो पर्चे थे वे भी पहले आउट करवाए गए।

स्पीकर साहब, हमरो हरियाणा मे बहुत सी कानें है गुड़गांव मे और पंचकुला मे। उनकी अलौटमैंट जिस आदमी को हुई है उसको हमारे इंडस्ट्रीज मिनिस्टर और चीफ मिनिस्टर नही चाहते थे लेकिन इनको मजबूरी से उस आदमी के नाम अलौटमैंट

करनी पड़ी। उस आदमी को एक लाख रूपये डेली फायदा होता था जिसकी वजह से स्टेअ को चार करोड़ रूपये का नुकसान हुआ। इसी तरह से एक वजरपुर की कान है। उससे दस हजार रूपये रोज की आमदनी होती है। यह भी दिल्ली की सरकार के प्रै ार से अलाट की गई। अगर इसकी इंक्वायरी करवाई जाये तो चार करोड़ रूपये साल की बेईमानी निकल सकती है।

स्पीकर साहब, ये कहते है कि भाराब के ठेके बंद कर देंगे। लेकिन मैं इनसे पूछता हूं कि इसके इलावा, स्पीकर साहब एक और बात मैं अर्ज करना चाहता हूं। कोयले के जो रैक हरियाणा के हिस्से मे आते थे उनके बारे मे सारे के सारे डी.एफ. सी. से लिखवा लिया गया कि हमे कोयले की जरूरत नही है और एक आदमी को अलाट करके दे दिये। यह सारा कोयला गुडगांव और दूसरी जगहों पर बेचा गया।

स्पीकर साहब, इसके अलावा एक बात मै और कहना चाहता हूं। आपको पता होगा कि एक स्टैनों होता था। उसकी अगर इंक्वायरी कराई जाये तो उसके पास करोड़ रूपये मिलेंगे और अगर उसके मालिक की इंक्वायरी कराई जाये तो उसके पास 40—50 करोड़ रूपये निकलेंगे । कहते है कि हरियाणा की बड़ी तरक्की की गई है लेकिन मैं कहता हूं कि हरियाणा की नही बल्कि अपनी तरक्की की गई है। जहां एक लाख रूपया खर्च होता था वहां पचास हजार रूपया जेबों मे डाला जाता था। यही नही, पोलो मे 32 रूपये, 40 रूपये फी पोल के हिसाब से लिऐ जाते थे। अगर

इन सब बातो की इंक्वायरी कराई जाये तो पता लगेगा कि हरियाणा मे इतना पैसा खर्च नही हुआ जितना बेईमानी करके जेबों मे चला गया । इन भाब्दों के साथ आपका भाुक्रिया अदा करते हुए आपके द्वारा स्पीकर साहब, मैं कहना चाहता हूं कि इन बातों की अव य इंक्वायरी करवाई जाये।

चौधरी मेहर चंद (बडौपल): स्पीकर साहब, गवर्नर साहब के ऐड्रैस पर चर्चा हो रही है। इसके बारे मे मैं भी कुछ कहूंगा। पहले तो जो दो चार बाते मेरे मोहतरिम दोस्तों ने कही है उनके मुताल्लिक मैं चर्चा करूंगा। एक बात तो चौधरी रिजक राम जी ने फरमाई। उन्होंने बड़ा जोर देकर यह कहा कि सरकार को तोड़ेंगे। इसके मुताल्लिक मैं कुछ नही कहूंगा। इसके बारे मे तो बेहतर यही होगा कि मुख्य मंत्री जी जवाब दे। चौधरी रिजक राम ने दूसरी बात यह कही कि एम.एल.ए. बनने की निस्बत डी.सी. बनना अच्छा है। इस बात की ऐसप र्ान बतौर एम.एल.ए. चूंकि मुझ पर है इसलिये मैं इस बारे मे कुछ अर्ज करूंगा। बजीरों की बाबत जो कहा गया है उसकी वे जाने। (विघ्न) इसका जवाब तो वे देंगे मेहरचंद नही देगा। मैं तो इतना ही कहना चाहूंगा कि इस तरह की जनरल ऐसप र्ान नही होनी चाहिये थी।

चौधरी भजनलाल जी ने भी सरकार को तोड़ने की बात की। इसका जवाब तो जैसा मैंने पहले कहा मुख्य मंत्री जी देंगे लेकिन अगर उनमे दम है तो वे अजमा ले क्योंकि एज एम.एल.ए. यह उनका हक है। यह एक बेसिक बात है। उन्होंने पांच छः साल

की टर्म का भी चर्चा किया है। ठीक है। जो भाई यह महसूस करते है कि एम.एल.एज. की टर्म पांच साल है छ.साल नही है उनको इस्तीफा देने मे पहल करनी चाहिए। (विघ्न) 6 साल से पहले मै। तो इस्तीफा दूंगा नही । (हंसी)

स्पीकर साहब, मिस्टर गौरी भांकर जी ने भी एक बात कह दी जो फेयरनैस पर बेस्ड नही थी। इन्होंने एच.सी.एस. की अप्वायंटमैंट को चैलेंज कर दिया। अगर इस तरह की कोई बात थी तो वे मुख्य मंत्री जी को लिखकर देते क्योंकि अगर सिलैक ान गलत थी तो गवर्नमैंट को पावर है कि यह उनसे डिफर करें और हाउस के सामने रीजन दे कि पब्लिक सर्विस कमी ान की रिकोमैंडे ान को ऐक्सैप्ट क्यों नही किया गया। स्पीकर साहब, मैं तो एक ही बात कहूंगा कि–

जो चाहे कहत रहे कहने वाले

हम नही खिजां से डरने वाले।

यह मैं मानता हूं कि खिजां आई हुई है लेकिन हम डरने वाले नही है। (विघ्न)

गवर्नर साहब के ऐड्रैस से मुझे तो ऐसा मालूम देता है स्पीकर साहब कि उनकी सरकार ने दो एक पक्के इरादे कर रखे है। वे इरादे क्या है ? इस ऐड्रैस से साफ जाहिर है–

वतन मे समाजवाद लाकर ही दम लेंगे,

अमीर गरीब का फर्क मिटा कर ही दम लेंगे।

उनकी सरकार यह महसूस करती है–

वही नब्ज है जिन्दगी का नि ाां

तडपती रहे जो वतन के लिए।

मैं ऐसा महसूस करता हूं कि अगर यह हरियाणा सरकार सन् 1968 मे यह महसूस न करती कि–

न हो जिस चमन मे बहार कभी आयी

है उससे खु ातर किसी सैहरा की तनहाई

अगर हरियाणा सरकार मे यह जजबा नही होता तो हरियाणा मे इतनी तरककी नही हो सकती थी। आप इस तरक्की को क्रिटीसाइज नही कर सकते। आप यह क्रिटिसाईज तो कर सकते है कि वहां से नहर निकालना गल्त था लेकिन इस बात को मानना पड़ेगा कि इस सरकार मे तरक्की जजबा था। जहां तरक्की हुई है उसको मानना चाहिए।

राज्यपाल महोदय के एड्रैस से यह जाहिर है कि अब तक जो विकास के काम हुए है वे काबले तारीफ है। जहां तारीफ के काबिल बाते नही होगी उनके बारे मे भी मै कहूंगा।

एक मैंबरः पहले उनको कह लो जो तारीफ के काबिल नही है।

चौधरी मेहर चंदः पहले तो तारीफ के काबिल बात करनी है बाद मे दूसरी कहूंगा क्योंकि अभी मैं अपोजी ान मे नही हूं।.....विघ्न

Mr. Speaker: No interruptions please.

चौधरी मेहर चंदः स्पीकर साहब, जब मुझे बीच मे टोकते है तो मुझे जवाब तो देना ही पड़ेगा। इस गवर्नर ऐड्रैस मे जो विकास के काम मैन ान किये गये है उनके बारे मे तो तारीफ करनी ही पड़ेगी। एग्रीकल्चर प्रोडक ान हुई है, इसमे दो राये नही हो सकती। मैं तो यह भी कहने के लिए तैयार हूं कि सूखे के अन्दर भी एग्रीकल्चर प्रोडक ान बढ़ी है। वह क्यों बढ़ी ? वह इसलिये बढ़ी कि सरकार ने साधन पैदा किये महज प्रोडक ान बारि ा की वजह से नही बढ़ी, कुछ बारि ा से बढ़ी है, कुदरत ने भी साथ दिया लेकिन इरीगे ान फैसेलिटीज मे जरूर इजाफा हुआ इसमे दो राय नही हो सकती। इन्डस्ट्रीयल ग्रोथ मे इजाफा हुआ है लेकिन मैं एक बात जरूर कहूंगा कि इन्डस्ट्रीयल ग्रोथ देहातो की तरफ कम हुई है। उसकी तरफ सरकार का कोई खास ध्यान नही हुआ। अगर इस बारे मे मैं नही कहता हूं तो यह गल्त बात है। मैं आपके साथ पूर्ण रूप से सहमत हूं कि देहातों के अंदर इंडस्ट्रीयल ग्रोथ नही हुआ।

हरियाणा सरकार ने मैडिकल फैसिलिटीज प्रोवाइड की है। आपने हस्पतालों का जिक्र किया कि वहां तो इतने करोड़ रूपया खर्च कर दिया, वहां पर इतने बैडज का हस्पताल बना दिया

इस बात का जवाब तो महकमे के मिनिस्टर साहब देंगे या चीफ मिनिस्टर साहब देंगे लेकिन मैं यह कहे बगैर नही रह सकता कि सरकार ने मैडिकल फैमिनिटिज प्रोवाइड की है। पहले जहां 1975–76 मे 99 पैसे का कैपिटा एक्सपेंडीचर दवाइयों पर होता था अब 1976–77 मे 148 पैसे कर दिया गया है। देहातों मे जो फैसेलिटिज नही दी गई है उनका मैंने जरूर क्रिटिसिज्म किया लेकिन असम बात यह है और मैं यह महसूस कर रहा हूं.....

म ाीरे तामीर है बहुत कम।

जिसे भी देखो वह नुक्ताचींनी है।।

Mr. Speaker: No. direct talk please. No interruptions.

चौधरी मेहर चंद: यह बात गलत है। उनको नुक्ताचीनी का हक है लेकिन उसमे सुझाव भी दीजिये। स्पीकर साहब सप्लाई आफ ड्रिकिंग वाटर काफी बेहतर है लेकिन एक बात कहे बगैर नही रह सकता कि जितनी प्रोग्रेस होनी चाहिये थी उतनी नही हुई। इस बात मे मैं अपोजी ान वालों के साथ हूं। जितनी यह वाटर सप्लाई की गई है यह बहुत नही है, यह इसलिये भी कम है कि हरियाणा के पास फाइनेन्स की कमी है। अगर पैसे को इधर ही डायवर्ट कर दे तो फिर खेतों की इरीगे ान नही हो सकती। इरीगे ान नही होगी तो लोग भूख से मरेंगे। इस सरकार ने जो आखिरी बात की है–

"A Scheme has also been forwarded to the Central Government for world Bank assistance for water supply schemes in the State. The proposal contemplates the extension of these facilities to 3213 villages at a cost of Rs. 138.16 crores"

जहां जहां खारी पानी है उन गांवों को मीठा पानी देंगे। सभी को तो नही दे सकते लेकिन तीन हजार के करीब गांवो है उनके लिये खास स्कीम बनायी है।

इसके इलावा फर्टेलाइजर की बता है। गवर्नर साहब के एड्रैस मे एक बात आयी है। उन्होंने कहा है:—

"A sizable amount of subsidy continued to be made availabe on the consumption of fertilizers and the expenditure incurred by the state on this subsidy rose from 56.09 lakh in 1975-76 to Rs. 82.69 lakh in the current year."

जो 31 मार्च को खत्म होता है। मैं आपकी मार्फत सरकार से यह निवेदन करूंगा कि यह अमाउंट कम है। इस तरफ ध्यान दे। मैं यह महसूस करता हूं कि सरकार ने किसानों की भलाई के लिये सब सिडी फर्टेलाइजर मे दी है लेकिन यह बहुत कम है नेगलीजिबल है।

इसके अलावा फ्यूचर पालिसी के बारे मे भी गवर्नर साहब के ऐड्रैस मे काफी कुछ दिया हुआ है। मै गवर्नर साहब का भाुक्रिया अदा करता हूं कि उन्होंने फ्यूचर पालिसी और प्रोग्राम का जिक्र किया है। इन दोनों चीजों के बारे मे मैं यह साबित करूंगा

कि किस तरह से संतोशजनक है। उन्होंने अपने एड्रैस मे कहा है कि उत्पादन बिजली का बढ़ाया जायेगा। यह बात साफ है इस बात के लिये सरकार को क्रेडिट देना चाहिये और कंडैम करने वाली बात हो उसको कंडैम करना चाहिये। सरकार ने स्कीम बतायी। इस स्कीम के तहत सरकार हिमाचल प्रदे ा से बिजली ले रही है। 605 मैगावाट बिजली पैदा करने का प्रौजेक्ट लगाया जा रहा है। इस 605 मैगावाट मे से 80 परसैंट बिजली हरियाणा को मिलेगी। क्या यह कम बिजली है, क्या यह आग के लिये बेहतर स्कीम नही है। मैं तो यह कहूंगा कि इससे बेहतर स्कीम और कोई बन नही सकती। मैं सरकार को इस बात के लिये दाद देता हूं कि कम से कम सरकार ने बिजली के साधन और बढ़ाये है। कई बातों के बारे मे रेपिटि ान नही करना चाहता हूं क्योंकि बजट पर बोलते हुए मैंने विस्तार से सारी बाते बतायी है।

इसके अलावा स्पीकर साहब नान पैरीनियल कैनाल्ज को पैरीनियल भी बनाया जायेगा इसमे भी कहीं किसी को आपत्ति की बात है। चौधरी रिजक राम जी और चौधरी भजन लाल जी कहा कि नान पैरीनियल कैनाल्ज को पैरीनियर कैनाल्ज बनाते वक्त दूसरी तरफ जो मौजूदा वाटर सप्लाई है उसकी तरफ भी ध्यान रखा जाये यानी उस एरिया का पानी न लिया जाये जहां पर आलरेडी पैरीनियल कैनाल्ज हो चुकी है।

गवर्नर साहब के के एड्रैस मे एक बात और आयी है जो कि उनके नोटिस मे नही आयी है या तो साथियों ने ऐड्रैस को

पढ़ा नी या वैसे ही कह रहे है। गवर्नर साहब ने फरमाया है कि वाटर अलाउंस बढ़ेगा। अगर नोन पैरीनियल से पैरीनियल कैनाल्ज नही बनेंगी तो मैं इस सरकार को दाद कैसे दूंगा। मैं सरकार से यह निवेदन करूंगा कि जो वाटर अलाउंस मैं ान किया है वह भी बढ़ना चाहिये। The Governor's Address in a way is a commitment of the Haryana Government. मै यह कहने के लिये तैयार हूं कि जो इन्होंने कुमिटमैंट की है, उसमे कोइ भााबासी की बात नही, उसको हमने पहले भी आनर किया है और यह सरकार अब भी आनर करेगी।

इसके अलावा जहां टयूबवैल्ज का संबंध है वह नंबर और भी ज्यादा इंक्रीज होगा और वैसे तो मैं कहूंगा कि जितना टयूबवैल्ज का नंबर हरियाणा मे बढ़ा है इसकी कोई स्वप्न मे भी आ ाा नही कर सकता था। हरियाणा मे दो लाख टयूबवैल्ज लग चुक और भी ज्यादा लगने की आ ाा है।

बिजली बोर्ड मे हजारों नुक्स होंगे। रिक्रूटमैंट मे गड़बड़ होगी। मैं यह मानता हूं कि गड़बड़ होगी लेकिन बिजली बोडै ने जो काम किया है टयूबवैल्ज को अनर्जाइज करने के लिये उसके लिये तो सरकार को तारीफ करनी चाहिये। पहले हरियाणा का चार लाख एकड़ एरिया इरीगेट होता था आज टयूबवैल्ज से 15 लाख एकड़ एरिया इरीगेट होता है। यह बिजली बोर्ड का बड़ा भारी कंट्रीव्यू ान है। किसी इंडीविजुअल मे नुक्स है, किसी ने रिक्रूटमैंट मे गड़बडी की है तो दूसरी बात है लेकिन इस बात को

ईमानदारी से मानना पड़ेगा कि हरियाणा बिजली बोर्ड का हरियाणा के विकास मे बहुत बड़ा कंट्रीव्यू ान है। इसके बाद एग्रीकल्चर प्रोडक ान के बारे मे भी वही लिखा है कि ज्यादा की जायेगी। तो मैं एक ही बात कहूंगा कि भाई क्रिटीसिजम बे ाक कर लो लेकिन जहां कुछ कान्ट्रीब्यू ान हो, लैकूना न हो, वहां उसकी तारीफ भी करे। अगर तो लैकूना है कहीं पर कांट्रीब्यू ान मे तो हमारा फर्ज बनता है कि हम उसे प्वायंट आउट करे। बतौर एम.एल.ए. हमारा यह फर्ज बनता है कि हमें यहां पर एजीटेट करना चाहिये। डर किस बात का है ? हमें जनता ने चुनकर भेजा है। उनके हम रिप्रेजैंटेटिव है। हमें साफ बात कहने मे कोई डर नही होना चाहिये। लेकिन साफ बोलने मे हमें ईमानदार आव य होना चाहिये। जहां गवर्नमैंट की सराहना करनी हो, जहां आफिसर्ज की सराहना करनी हो, वहां हमें वह विदहोल्ड नही करनी चाहिये। लेकिन जहां आफिसर्ज की सराहना करनी हो, वहां हमें वह विदहोल्ड नही करनी चाहिये। लेकिन जहां पर कुछ गड़बड़ की बात हो, वहां हमें ईमानदारी से जरूर कहनी चाहिये । स्पीकर साहब, मैं तो आखिरी लफ्ज थोड़े से और कहना चाहता हूं फिर मैं अपनी जगह ले लूंगा। बाबू जी ने जो मो ान आफ थैंकस मूव किया है, मैं उसका समर्थन करता हूं। एक बात और मैं यहां पर कहना चाहूंगा कि मैं तो यहां पर यह महसूस करता हूं और आपकी फीलिंग भी ऐसी होनी चाहिए कि–

''वतन की बहार तो असली बहार है यारो

मुझे मो इसकी खिजां से भी प्यार है यारो''

अगर यह चीज आपके हरियाणा के अंदर आ जाये तो हरियाण तरक्की करता जायेगा यह मेरी आवाज है। धन्यवाद।

चौधरी प्रताप सिंह दौलता (बेरी): स्पीकर साहब, मैं आपका ज्यादा वक्त न लेते हुए उन प्वायंट्स पर ही बोलूंगा जिन पर मैं नही बोला हूं क्योंकि मैं बजट पर अपने काफी प्वायंटस पर बोल चुका हूं । मैं उनको रिपीट करने के लिये खड़ा नही हुआ हूं। मेरी पहली अर्ज यह है कि यह जो डाकुमैंट हमारे पास यहां पर गवर्नर एड्रैस के नाम से आयी है, यह कोई गवर्नर एड्रैस नही है । आनरेबल गुलाब सिंह जी ने वोट आफ थैंकस मूव करते हुये कहा कि गवर्नर एड्रैस मे दो चीजे होनी चाहिये एक तो जो कार्यवाही पिछले साल वह कर चुके और दूसरे फ्यूचर पालिसी। मैं आनरेबल गुलाब सिंह जी से यह पूछना चाहता हूं कि जो कुछ पीछे हो चुका वह तो ठीक है लेकिनवह मुझे बताये कि इसमे फ्यूचर पालिसी का कौन सा चैप्टर हैं यह किताबचा तो उसी लैवल का एक किताबचा है जिस लैवल का किताबचा पब्लिक रिले ान्ज वाले छापते रहते है जो अंग्रेजी के वक्त मे छापते रहते थें इसमे, पालिसी मैंटर की कौन सी बात हैं इसमे तीन ओमी ांज जो इसमे होनी चाहिये थी, वह इसमे नही है। उन ओमी ान्ज का जिक्र मै इस समय करना चाहता हूं । हमने 5–6 एड्रैस गवर्नमैंट के लिखे हुए यहां पर देखें है हम यह चाहते है कि गवर्नमैंट अपनी पालिसी वाजह करे कि हरियाणा की कैपिटल के बारे मे गवर्नमैंट की क्या

पालिसी है। उस के बारे मे इस एड्रैस मे एक लफ्ज नही । इतना इम्पोर्टेंट इ ू है कि इस स्टेट की कैपिटल कहां होगी, अपनी बनानी है, या नही लेकिन उसका इसमे कोई जिक्र नही। इस चंडीगढ़ का फ्यूचर क्या होगा, न उसका हमें जवाब ही मिला और न ही उसका इस एड्रैस मे कही जिक्र आया। (व्यवधान) हर सूरत मे 6 साल बात तो आप पूरी कर ले लेकिन मैं तो यह अर्ज करना चाहता हूं कि जनता को धोखे मे न रखा जाये कि गवर्नमैंट की कैपिटल के बारे मे क्या पालिसी है। नंबर दो है चंडीगढ़ के बारे मे सौदां मुझे यह मालूम हो रहा है मै आपकी इजाजत से मुख्य मंत्री गुप्ता जी को यह कह दूं क्योंकि मै उन लोगों मे से हूं जो भाुरू से हरियाणा बनाने के लिये पार्लियामैंअ मे लड़ते थे। मुझे एक बात का डर है। चड़ीगढ़ यूनियन टैरीटरी है। यूनियन टैरीटरी को गवर्नमैंट किसी समय पंजाब की टैरीटरीज है और पंजाब की टैरीटरीज को पार्लियामैंट एक्ट के सिवाय हरियाणा को ट्रांसफर नही कर सकती और उसके लिये कांस्टीच्यू ान मे अमैंडमैंट करनी पड़ती है। इसके अलावा आधी से ज्यादा स्टेट्स से रैटीफिक ान करानी पड़ेगी जोकि एक बड़ा ही डिफीकल्ट प्रोसीजन है। लेकिन आपको पता है अभी तक इस गवर्नमैंट की लापरवाही की वजह से या अपोजी ान की लापरवाही की वजह से इस मामले मे कुछ नही हुआ। हम तो आपको पता है सवाल ही उठा सकते थे। हम रोज उनके नोटिस मे यह बात लाते रहे। हमने एक बहुत अच्छी अपौरचुनिटी खो दी। प्राइम मिनिस्टर का अवार्ड है । वह अब किस पर बाइडिंग है जब कि इंदिरा ही यहां पर प्राइम मिनिस्टर

नही रही । जो नई सरकार आयी है, इसकी अपनी पोलिसी होगी। In the absence of Indria how will they secure Abohar and Fazilka for us. अब यह कहते है कि गवर्नमैंट आपकी सैंटर मे है तो क्या आप हमें यह वि वास दिलाते हो कि यह कह दोगे, यह हमारे से पूछते है। हम इनसे अब यह पूछते है कि आपकी सरकार पिछले 5 साल सैंटर मे रही है तब आप कुछ नही कर पाये अब हम से क्यों पूछते हो ?

दूसरी बात मैं पालिसी आफ रिक्रूटमैंट इन गवर्नमैंट सर्विस के बारे मे कुछ कहना चाहूंगा। स्पीकर साहब, सब आदमी जो भी सरकारी मुलाजमत मे है, वे मेरे लिये काबिले इज्जत है। स्पीकर महोदय, जब हरियाणा बना तो हरियाणा के निवासियों का सबसे पहला ग्राउज यह था कि हरियाणा के आदमी सरकारी मुलाजमत मे नही है। जो सन आफ दी सायल है, जो हरियाणा से इमो ानली इंवाल्वड है, वह हरियाणा की मुलाजमत मे नही है। जो टा कैडर है आई.ए.एस. का वह तो कम्पीटीटिव ऐग्जामिने ान से आता है इस रिक्रूटमैंट की पालिसी के बारे मे श्री गुलाब सिंह जैन जी ने बहुत अच्छे लफ्जों मे जिक्र किया था 50 प्रति ात तक रिजर्वे ान तो हम कर सकते है। लेकिन इस 50 प्रति ान मे वह मार्जिनल फारमर्ज होने चाहिये जिनको हम बैकवर्ड क्लासिज मे गिना जाये। गवर्नमैंट चाहे तो इस बारे मे अपनी पालिसी डिक्लेयर कर सकती है। कैपिटल और रिक्रूटमैंट पालिसी के बाद जो इस एड्रैस मे ओमि ान है, वह भी एक इम्पोर्टेन्ट ओमि ान है। This address does not take account of a happeing namely the

elections to Parliament and its consequence ont he present administration. मैं बड़े अदब से यह कहना चाहता हूं, हीट जनरेट करने की कोई बात हनी है कि पार्लियामैंट का इलैक ान जो हुआ, यह कोई पार्लियामैंट का ही इलैक ान नही है पार्लियामैंट मियाद 6 साल तक थी। अगर नौर्मल हालात मे इलैक ान होते तो भी 6 साल के बाद होने थे। पार्लियामैंअ के इलैक ान तकरीबन 11 महीने पहले हो गये। मैं इस बारे मे कभी अपौलोजैटिक नही हूं कि मैं प्राईम मिनिस्टर इंदिरा गांध का बड़ा एडमायरर हूं। अगर उस इन्दिरा को, जो एक डैमोक्रेट बाप की एक डैमोक्रेट बेटी थी, को यह कोकस मिस गाईड नही करता तो आज हिन्दुस्तान की हालत ही डिफैरैंट होती । मुझे दुख हुआ कि यह तो इलैक ान हुए यह इलैक ान नही थे यह तो कांस्टीच्यू ानल अमैडमैंट जो हुई थी, उसपर रैफरैंडैम था। इस इलैक ान का इस एड्रैस मे कोई नोट नही लिया गया अगर हमारे गवर्नर साहब उस का नोट लेते तो वह यह कह सकते थे— I will not read your Address. Why? It is not the idealogy of the Congress which stands rejected becouse so far as idealogies are concered all the three parties have the same manifesto. What the people have rejected is not Indira's leadership but the State adminitration of which they were tired of. They have rejected and punished those who were there. इसलिये इस हालत मे यह कहना कि यह पार्लियामैंट का इलैक ान था, इसका स्टेटस से कोई संबंध नही है, ठीक नही है। इसका स्टेटस से संबंध था। इन्दिरा गांधी कभी नही हारती अगर उसको ठीक इंफर्मे ान ये

लोग पहूंचने देते। ये लोग तो उसके कानों तक सही खबरे पहुंचने ही नही देते थे। ये लोग उसको बेचारी को सही चीज अपनी आखों से देखने भी नही देते थे। ये लोग उसको बेचारी को सही चीज अपनी आंखो से देखने भी नही देते थे। अगर ये लोग उसे मिस गाइड न करते तो वे न हारती। वे लो गजिन लोगो ने उनके कानो तक सही खबर नही पहूंचने दी, उन लोगो के बारे मे जनता ने यह कहा कि we are tired of you. इस रैफरैंडैम मे इन्होने उनको रिजैक्ट कर दिया। इसलिये स्पीकर साहब, इस इ ा पर हीट जनरेट करने की कोई जरूरत नही। मैं नही कहता कि आप चौधरी रिजक राम की बात सुनो, मै यह नही कहता कि आप चौधरी भजनलाल की बात सुनो, मै यह नी कहता कि आप चौधरी देवी लाल की बात सुनो, मैं यह कहता हू कि आप दिने ा सिंह की ही बात सुन लेा जिसने कहा कि जिन स्टेटस मे कांग्रेस की हार हुई है, वहां की सरकारों को चला जाना चाहिये। जिन स्टेटस मे एडमिनिस्ट्रे ान पब्लिक रिजैक्ट कर चुकी है, उन सरकारो को त्यागपत्र दे देना चाहिये।

आप लोग गिरी की बात न सुनें लेकिन सबका फायदा इसी मे है कि पब्लिक ने इस सरकार को रिजेक्ट किया है उस पर ध्यान दिया जाये। गवर्नर एड्रैस मे इस बात का कोई जिक्र नही है कि इस चीज की जिम्मेदारी किस पर है। यह नी बताया गया कि स्टेट की क्या जिम्मेदारी है। स्पीकर साहब, मैं बिना संकोच के साथ कह सकता हूं और मुझे फक्र है कि पिछले पांच साल मे

हमारी स्टेट की बहुत अचीवमैंटस है। हमारे रूरल सैक्टर मे जो इरीगे ान है उस पर काफी पैसा खर्च किया गया और सैक्टर मे जो कुछ भी तरक्की हुई है उसका सारा क्रैडिट चौधरी भजन लाल को जाता है। इस महकमे की फांउटे ान बहुत मजबूत है इस ति को कहने मे मुझे जरा भी संकोच नही है। इरीगे ान के लिये बिजली देने के बारे मे गुप्ता जी की पालिसी रही है कि सीमेंट मिले या न मिले कोई और चीज मिले या न हमले लेकिन बिजली जरूर मिलेगी। लेकिन अच्छे एडमिनिस्ट्रै ान के साथ जनता अपने पालिटीक्ल और सो ाल राइटस जो हमने दो सो साल तक अंग्रेजों के साथ लड़ने के बाद हासिल किये थे जनता उनकी प्रोटेक ान चाहती है। यह गवर्नमैंट उनकी सिविल राइटस, सिविल लिबरीटी के देने मे नाकामयाब रही है। गवर्नमैंट को इसका नोट लेना चाहिये।

पब्लिक हैल्थ के बारे मे मैं ज्यादा नही कहना चाहता। फैमिली प्लानिंग के बारे मे मुझे यह सुनकर दुख होता है कि गवर्नमैंट यह कहे कि हमारे नोटिस मे नही आया । इस तरह की बात कहना लैफ्ट हैंडिड कम्पलीमैंट है सी.आईडी. हरियाणा के ऊपर । हरियाणा की सी.आई.डी. को यहां तक मालूम नही है कि चौधरी भजन लाल के घर मे क्या सब्जी बनी है और उसको यह भी मालूम है कि चिरंजी लाल घर मे है या घर के बाहर है। ये सारी चीजे न सिर्फ हरियाणा की गवर्नमैंट को मालूम है बल्कि दिल्ली भी ये सारी चीजे जाती है जिसका इन सब चीजो का

ताल्लुक ही नही है। मैं यह पूछना चाहता हूं कि यहां की सी.आई. डी. इतनी फैल्योर थी कि वह मिनिस्ट्री को न बता सकी कि देहात मे क्या हो रहा है। स्पीकर साहब, मै आनरेबल मुख्य मंत्री महोदय से कहना चाहता हूं कि इस तरह की बात कहकर कि हमारे नोटिस मे यह बात नही थी इन पढ़े लिखे नौजवानो का मजाक न करे। मैं कहता हूं कि इनके नोटिस मे हर चीज आती है और न सिर्फ इनके नोटिस मे बल्कि दिल्ली तक ये सब चीजे जाती है। जो कुछ फैमिली प्लानिंग मे हुआ उसके बारे मे मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूं कि इन गलतियों को सुधारने का एक ही तरीका है कि जो केसिज लोगो के खिलाफ है उनको विदड्रा करे। जब जार्ज फर्नाडिज के खिलाफ के स वापिस हो सकता है तो ये केस भी वापिस हो सकता है। मुझे खु ाी है कि मद्रास के एक जज ने कहा हे कि अगर जार्ज फर्नाडिज के खिलाफ झूठा होने के नाते उसको विदड्रा किया जा रहा है तो इंदिरा गांधी और ओम मेहता के खिलाफ केस रजिस्टर होना चाहिये.

श्री अध्यक्षः आर्डर प्लीज, जार्ज फर्नाडिज के केस का हरियाणा के गवर्नर के एड्रैस के साथ कोई वास्ता नही है। इसका कोई ताल्लुक नही है।

चौधरी प्रताप सिंह दौलताः स्पीकर साहब, मै केस के विदड्रा के बारे मे बता रहा हूं।

श्री अध्यक्षः आर्डर प्लीज, मैंने इस हद तक जाने की इजाजत दी हैं इसके बारे मे रूल यह कहताह ` कि जो एड्रैस के अन्दर है वही डिस्कस हो सकता है। अमैंडमैंट किसी आनरेबल मैंबर ने दी नही है। अगर कोई अमैंडमैंट भी देता तो वह अमैंडमैंट भी डिस्कस हो सकती थी लेकिन इससे बाहर का मैटर डिस्कस करने की इजाजत मैं नही दूगां।

चौधरी प्रताप सिंह दौलताः स्पीकर साहब, मैं उसे छोड़ता हूं जो प्राईसिज का पैराग्राफ पांच है उसके बारे मे मैं कह देता हूं लेकिन मेरी यह सजैक ान है कि जार्ज फर्नाडिज का केस विदड्रा हो सकता है तो यह भी केसिज वापिस हो सकते है।

स्पीकर साहब, प्राईसिज के बारे मे पैराग्राफ पांच मे लिखा है कि प्राईसिज कंट्राल मे रही है। स्पीकर साहब, मैं बताना चाहता हूं कि प्राईस इंडेक्स फिर ऊपर जा रहा है। स्पीकर साहब, प्राईस का तो यह हाल है कि जब जमीदार के घर मे चीज रहती है जब तक तो मंदा रहता है और उसके घर से निकलते ही चीजों के भाव चढ़ने भाुरू हो जाते है। गुड़ जब तक जमीरार के घर मे रहा उस वक्त तो मंदा रहा ाऔर उसक `घर से निकलते ही गुड़ का भाव ऊपर उठ गया। प्राईसिज की पालिसी गवर्नमैंट की बिल्कुल फेलुयर रही है। जमीदार के घर मे जब तक फसल रहती है। तो कीमते कम रहती है और उसके घर से निकलते ही कीमते चढ़ जाती है। इस मामले मे मैं गवर्नमैंट को कम्पलीमेंट पे नही करता। इसके बाद लैंड सीलिंग की बात आई है। स्पीकर साहब,

काफी सीलिंग हो गई है अब तो बंद करो। पैराग्राफ छह मे पटवारी से जमीन के डिटेल लेने जाता है तो उसको सौ रूपया खर्च करना पड़ता है। कोइ वकील अदालत मे पे ा नही हो सकता। यह हर तीसरे दिन उससे डिटेल मांगना उस जमींदार का कचूमर निकालना है। यह सीलिंग वाली बात अब खत्म होनी चाहिये। मैं सी.एम. साहब को याद दिलाना चाहता हूं कि हरियाणा मे एक लैंड रिकार्ड कमेटी बनी थी । उस लैंड रिकार्ड कमेटी ने रिपोर्ट की थी। उस कमेटी की ड्राफटिंग मे मैं भी ऐसोसिएटिड था। उसमे कहा गया था–

Time has come when absentee landlordship should go. One who tills the land should own it and one who owns it should till it.

और लैंड सीलिंग की डेफीने ान रि तेदार यानी कजन तक डिफाइन करने के बाद बाकी गिरदावरी का कालम जो टैनेन्सी आफ लैंड लाज के तमाम डिस्पूयट होते है, खत्म करना चाहिये मैं और राव निहाल सिंह जी वगैरह हम लोग केरल गये थे, वहां पर यह गिरदावरी का कालम खत्म कर दिया है, करनाटक मे भी यह कालम खत्म कर दिया है। यहां पर यह कालम रखा हुआ है इससे रेवेन्यू डिपार्टमैंट के लोअर लैवल के पर्सोनल को फायदा पहुंचाने के लिये रखा है। मेरी मुख्य मंत्री महोदय से दरखास्त है कि वे इस गिरदावरी के कालम को ऐबोलि ा करें तो अच्छा होगा।

स्पीकर साहब, अब मैं फ्लड के बारे में कहना चाहता हू। फ्लड डिपार्टमैंट बहुत बड़ा करप् ान का सोर्स बन गया है। ये लोग फ्लड रोकने के लिए कुछ इस तरह का इन्तजाम करते है कि अगले साल जो कुछ बनाया होता है वह टूट जाएं। हर जगह पानी ही पानी हो जाता है। सारा एडमिनिस्ट्रे ान पैरेलाइज हो जाता है। यह डिपार्टमैंट मुंह मांगा बजट मन्जूर करवा लेता है। फ्लड रोजगार का पैसा कमाने का एक सिलसिला बना हुआ है इस सिलसिले को बन्द किया जाए और फ्लड का कोंई ऐसा परमानेन्ट इन्तजाम किया जाये जिससे लोगों को फायदा हो।

कालम 13 में इरीगे ान के बारे कहा गया है। इसमें बताया गया है कि रावी–व्यास का कितना पानी हरियाणा को मिलेगा और कितना पंजाब को मिलेगा। मैं निहयत जिम्मेदारी के साि इस तरफ बैठे हुये भाइयों की तरफ से कहता हूं कि आकालियों के साथ किसी किस्म का समझौता हरियाणा के पानी का सरन्डर करने का नहीं किया और किसी किस्म की अन्डरटेकिंग जनात पार्टी या सी.एफ.डी. ने अकालियों को नहीं दी कि इलैक् ान के बाद यह मामला फिर रिवाइव होगा। स्पीकर साहब, रिवाइव करने का सवाल ही पैदा नहीं होता। स्पीकर साहब कैबिनेट लैवल पर यह फैसला हुआ है। यह कोई चन्डीगढ़ या फाजिल्का के बारे में फैसला नहीं है । यह बाबू जगजीवन राम का फैसला है। इसको रिवाइव करने की किसी की मजाल नहीं हे ओर हम इतने कमजोर नहीं है कि जहां से दस–दस मैम्बर भेजे गये

हो वहां के बारे में एक बार किया हुआ फैसला रिवाइव हो। स्पीकर साहब, हरियाणा और पंजाब का पानी का केस ऐसे प्रेजेन्ट किया जा रहा है जैसे एक तरफ देवी लाल अपने कंधे पर कुल्हाड़ा लेकर खडा हो और दूसरी तरफ प्रका ा सिंह बादल खडा हो स्पीकर साहब, इस किस्म की कोई बात नहीं है। यह अलग बात है कि अकाली लीडर तलवन्डी ने कोई बयान दे यिा हो और वह बयान 21 तारीख के पेपर में छप गया हो और आप उसको एक्सपलायट कर रहे है। लेकिन इस तरह की कोई बात नहीं है। That is no ground to make such a serious allegation as the Leader of the House, the Chief Minister, made a serious allegation against the opposition. उनको हक था अपने वोट लेने के लिये कुछ भी कहते फिरें और आपको क था कि आप जनता पार्टी के खिलाफ ऐक्सप्लायट करें, पर हाउस में इतनी सीरियस स्टेटमैंट न देते। मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि इस हाउस में कितने गैर जिम्मेदाराना एलीगे ान लगाये गये है। स्पीकर साहब, इससे आगे इरीगे ान के बाद आपका ज्यादा समय न लेते हुये ला एन्ड आर्डर और एमरजेन्सी के बारे में थोड़ा सा कहना चाहता हूं। ला एण्ड आर्डर के बारे में मेरी अर्ज यह है कि ला एण्ड आर्डर में लेजसलेचर भी आती है, चूंकि मेरी पर्सनल राय है, टिकट देने का तो मेरा काम नहीं हैं मैं समझता हूं कि मेरा Chief Minister is a gentle Chief Minister मेरी कोई नयी ओपीनीयन नहीं है, मैं उन से रिवैस्ट करूंगा कि इस लेजिसलेचर का स्टेटस बढ़ायें । मेरे एक आनरेबल मेम्बर साथी ने जिनको

यहां बोलने की इजाजत नहीं है, उन्होने अपना ट्रिब्यून में बयान दिया है जोकि मुझे बहुत पसन्द आया जैसा कि मिसाल के तौर पर हमने ऐंजीटे ान करनी है, गुप्ता जी हम नहीं छिपाते। अगर हाउस सै ान में होता था तो जो इम्पोर्टटेन्ट ब्यान होता था वह पहले हाउस में आता था। स्पीकर साहब, हमारे हाउस की इतनी इम्पोर्टन्स होती थी। अगर पार्लियामेंट सै ान में हो और प्राइमिनिस्टर अगर कोई इम्पार्टटेन्ट ब्यान बाहर देता है तो गले पड़ जाते थे कि हाउस को पहले कन्फीडेन्स में क्यों नही लिया और यही अपोजी ान की जिम्मेवारी है। अगर अपोजी ान ने भी कोई खास पालिसी डिकलेयर करनी हो तो भी यह है कि जब सै ान हो तो वह हाउस में करे। स्पीकर साहब, हम डिफेक ान के हम में नहीं है लेकिन जहां जनता ने जिस सरकार को 70 प्रति ात वाटों से रिजेक्ट कर दिया हो और साढ़े 17 परसैन्ट वोट सिर्फ उनको दिये हो वह यह कहें कि यह रेफरेन्डम नहीं है, हमें जनता के पास जाने का हक है और जनता हमको कहे हम उस रास्ते पर जाने को तैयार है यह मेरा एलना है। हम देखेंगेंं कि जनता के फैसले की तोहीन कैसे की जायेगी और गर्वनर ने इस ऐड्रैस को पढ़ने की जुर्रत कैसे की है, यह मेरा यहां से एलान है। आपका एलान है कि अगले इलैक ान तक हम ठाठ, से राज करेगें। मेरी दिली ख्वाइ ा है कि हमारा चीफ मिनिस्टर की तो ठाठ से हकूमत करता लेकिन यहां तो हकूमत ऐसे आदमी की रही है जिसका इस हाउस से कोई सरोकार ही नहीं है। ठाठ से कभी भी नहीं हुई और अब क्या होनी है खैर जनात ने आपको ठाठ से

हकमत करने का मौका दिया है। आपका हक ह ै कि आप यह बात कहें। हमारा हक है जो हम हाउस में कह रहे है कि अगर जनता की ओपनीनियन की रिसपैक्ट न की गई तो जो जनता चाहेगी हम अपोजी ान वाले उसके साथ होगें। इससे आगे स्पीकर साहब, मैं एक बात और आपके नोटिस में लाना चाहता हूं कि जैसे मेरे एक साथी चौधरी हरजक राम ने कहा था और जिसकों मेंरे एक और मैम्बर गलती से कुछ और ही समझ बैठे कि एम0एल0ए0 का स्टेट्स डी0सी0 से माड़ा है उनका कहने का मतलब यह था कि जो मैंने सबसे पहले 1972 में यहां कहा था इसके लिये गुप्ता जी जिम्मेवार नहीं है। न ही मेरे दोस्त दूसरे जो बैठे है, वे जिम्मेवार है यह तो हिस्टरी है सरदार प्रताप सिंह के वक्त से ही लेजिस्लेच्र को अन्डर माइन करने की, थोड़े से दिनों में से ान करके भाग जाने की ताकि मैंम्बर तंग न करें। एक्जेक्टिव की यह टेडेन्सी रही है कि हाउस कम से कम मीट करे, यह मैंम्बर के प्रिवलिज की एनकोचमेन्ट है, एक एक दिन में दो दो सिटिंगज हों जल्दी से खत्म हो ओर हम रास्ता पकड़े और एक्जेकटिव अपने दफतरों में जा बैठे, मेरी अर्ज यह है कि लैजिस्लेचर का स्टेटस हमें इम्प्रूव करना चाहियें क्योंकि जनता ने हमारी आसानी कर दी है और वह जो एक्सट्रा कांस्टीच्यु ानल पावर थी, वह बेचारी अब संभल कर एक तरफ बैठेगी। हम आराम से बैंठे और सै ान लम्बा हो आगर आपने एक साल और रहना है Democracy is a Government run through discussions. अगर डिसक ान हाउस में न हो तो डेमोकेसी क्या है फिर तो वह एक

रबड़ की मोहर है कि जो हमारी एक्जेक्टिव फैसला कर दे हम उस पर मोहर लगा दें ओर छुट्टी करके भाग जायें। तो मेरी यह अर्ज है कि लेजस्लेचर का सै ान लम्बे से लम्बा होना चाहिये ओर सिर्फ छः महीने की जो कांस्टीच्यु ानल प्रोवीजन है, को पूरा करने के लिये हमें मजबूरी से सै ान नहीं बुलाना चाहिये ओर जल्दी जल्दी दो दो तीन तीन महीनों के अन्दर सै ान बुलाना चाहिये। अपनी इम्पोर्टटैन्ट बात ये कह दें और अपनी इम्पोर्टेन्ट बात हम कह दें। मिनिस्टर्ज और एम.एल.एज. के बारे में मेरी अर्ज यह है कि सबका रूतबा चाहता हूं बढ़े और Cabinet system was a failure. वह कम्पलीटली फेलुयर था। कैबनिट सिस्टम का मतलब है Chief Minister or Prime Minister is number one among equals. लेकिन 5 सालों में जो स्टेट्स मिनिस्टर्ज का रहा है जिन लोगों ने यह स्टेट्स रिडयूस किया हुआ है हम तो उस वक्त मैंम्बर नहीं थे अफसोस है कि ये मिनिस्टर्ज अपना स्टेटस कायम न रख सके और They were reduced to a position by a system which has been rejected by Northern India altogether. Time has come when centralisation of power in one hand and ignoring the Legislators and Cabinet Ministers and Chief Minister becoming a Subedar in a State and the Prime Minister, a Subedar in the Centre, should be given up. एल0एल0एज0 के बारे में चुनी हुई एकजेक्टिव से यह कहूंगा। मैंने एक बात कही थी। चुनी हुई एक्जेकटिव हमको जवाबदेह है। मैं आपसे अदब से कहता हूं कि आज आप किसी भी बाहर के आदमी को जवाबदेह नहीं है अगर किसी हाउस का चीफ मिनिस्टर यह

कहे कि साहब मैं तो इस आदमी से पावर ड्रा करता है तो यह गलत बात है। मेरा चीफ मिनिस्टर हम से पावर ड्रा करता है और वह हमसब के जिम्मेदार है और किसी दूसरे आदमी के लिये जिम्मेदार नहीं है। अगर अखबारों में यह खबर निकलती है कि हमारा चीफ मिनिस्टर तो मुनीम से ज्यादा 50 रूपये से ज्यादा न खर्च सके, तो भाोभादेय बात नहीं है, हमारा सबका स्टेटस हाउस का मैम्बर्ज का, कैबनिट का खत्म हो जाता है तो मैं अदब से कहूंगा, अपने चीफ मिनिस्टर साहब से यह कहूंगा कि जनता ने आपकी बड़ी मदद की हैं जनता आपके रिस्क्यु को आयी है और अब कम से कम अगर आपने यह 6 महीनों का समय या 8 महीने का समय निकालना है तो आराम से निकालो

Kindly act as our leader, as our Chief Minister and not subordinate to any person outside the House.

इससे आगे स्पीकर साहब, मैं सी.आई.डी. और पुलिस के महकमों के बारे में कुछ कहना चाहता हूं, इसके सिवायें और कुछ नहीं कहूंगा कि पुलिस के हाल पर हमें रहम करना चाहिये पूलिस थानों में लिस काम के लिये लगाई जाती है उन से वही काम लिया जाना चाहिये, चोर पकड़े, डाकू पकड़े मगर यह पुलिस का काम नहीं है कि कोई सेन्टर से बड़ा मिनिस्टर आ रहा है ओर फिर वे बेचारे ट्रकों वालों के पीछे पड़े और लोगों को इक्ट्ठा करे या रेवेन्यु वालों के साथ जा के या हैल्थ डिपार्टमेन्ट वालों के पास जाकर दिन में जनता की नसें काटें और जब रात को वापिस

आएं तो उनको भी पता लगे कि उनके लिये भी कैम्प लगा हुआ है। स्पीकर साहब, पुलिस जुल्म नहीं करती यह तो गरीब और छोटे आदमियों कामहकमा है जिन बेचारों को कहीं और जगह नहीं मिलती वे बेचारे इस कम्बख्त महकमें में भर्ती हो जाते है। हम तो पुलिस को उनके काम के लिये पे करते है मगर उन से काम लेते है जलसे जलूसों में हाजरी इक्ट्ठी करवाने का, नसें कटवाने का, मुलाजमों पर झुठे मुकदमें बनाने का और लोगों को यूं ही फंसाने का, इन कामों के लिये हम उनको पे नहीं करतें। पुलिस की यह एक्सपलायटे ान बन्द होनी चाहिये। We politicians have no business to exploit these poor persons. स्पीकर साहब, बातें तो और भी बहुतेरी करने वाली है और दूसरे मैम्बरों ने भी बोलना है और उनका हक भी है कि वे बोलें, कल का दिन सै ान है, मेरी मोनोपली तो नहीं है इन्ही अल्फाज के साथ स्पीकर साहब, अब वक्त आ गया है –

Mr. Speaker: It is very good that you have realised yourself.

Chaudhri Partap Singh Daulata: I have realised, Mr. Speaker, Sir.

So I will take my seat with a last request to the Chief Minister, through you, sir, that let there be a healthy tradition. Let him ask the Governor with this motion that this House be dissolved.

हम मैनोरिटी वाले हकूमत नहीं बना सकते। हम जिम्मेवारी से ब्यान दे रहे है कि हम कोई डिफेक ान नहीं करवाना चाहते यह बुरी चीज है। अगर किसी ने आना था तो वह इलैक ान से पहले आ जाता, आजादी के युद्ध में हिस्सा लियाहोता अब कोई आयेगा तो अपने रिसक पर आयेगा, अपनी जिम्मेवारी से आयेगा उसके साथ ही यह बात है कि हम अपोजी ान वाले अपनी जिम्मेवारी में फेल होगें जिन को कि 70 फीसदी वोट मिले है अगर 18 फीसदी वालों को हम यहां बैठने दें हमारा जो काम होगा डेमोक्रेटिक तरीके से, हम एजीटे ान तक जाएंगे लेकिन इस गवर्नमैंट को बरदा त नहीं करेगें।

श्री के0एन0गुलाटी(फरीदाबाद): स्पीकर साहब, गवर्नर साहब का ऐड्रैस बड़ी भाुद्ध भावना से और बड़ी नेकनियती से लिखा गया और पढ़ा गया । स्पीकर साहब, मुझे अपने अपोजी ान के भाईयों की कुछ बातों को सुन कर बड़ा दुख हुआ। वे बजाये इसके कि जायज नुक्ताचीनी करें और हरियाणा की जितनी तरक्की हुई है उसका भी कुछ वर्णन करें, गलत बातें कहते रहे। अभी से इनको इतना घंमड हो गया है। दस दिन की आरजी जीत हुई है और पता नहीं 6 महीने के बाद क्या होगा। ये तो दस दिन के बाद ही खाने को पड़ रहे है। अभी अभी मेरे एक भाई ने जिक किया कि कांग्रेस(ओ) दूसरी सी0एफ0डी0 तीसरी जनसंघ, चौथी सो ालिस्ट, पांचवी बी0एल0डी0 और छठी अकाली। तो 70 प्रति ात वोटों को अगर इन छः में बांटा जाएं तो पौने बारह

प्रति ात वोट एक पार्टी के बनते है जबकि कांग्रेस के 17 प्रति ात है। हम जीते है या ये जीते है? मैं इनको यह भी बता देना चाहता हूं कि ये तो पार्लियामैंट के इलैक ान थे और अब स्टेट असैम्बलीज के इलैक ान भी आ रहे है। तो इन इलैक ानों में इन 6 पार्टियों को 17 प्रति ात वोट मिलेगें और कांग्रेस को 70 प्रति ात मिलेगें। इसके बाद स्पीकर साहब, एक साथी ने अग्रेंजी राज ओर इस वक्त की जेल की तुलना की। इनको पता होना चाहिये कि अंग्रेजी राज में कितने जुल्म थे। उस वक्त मैंने लाठियां खाई, गुप्ता जी के पैरों में बेड़ियां पड़ी और प्यारा सिंह ने भी जेल काटी। एक ही कमरे में इतने लोगों को रखा जाता था और वहीं पर टट्टी पे ााब होता था। आज हमारी जेलों में बिजली के पंखे लगे हुये है, फल ा सिस्टम लगा हुआ है, अखबार पढ़ने को मिलते है और टैलीविजन और रेडियों की सहूलियत है। लाखों रूपये इन पर खर्च किये गये फिर कहते है कि इससे तो अंग्रेजो का राज अच्छा था। दे ा को आजाद तो हमने करवाया और बोलते है जनसंघ वाले। स्पीकर साहब, एक साथी ने कहा कि एम0एल0ए0 और मिनिस्टर, डी0सी0 से कम है। कितना गलत बोलते है। एक चुने नुमांयदें को गलत नहीं बोलना चाहिये। मैं भी फरीदाबाद से चुन कर आया हूं। जब कभी भी चीफ मिनिस्टर या कैबिनेट मिनिस्टर वहां आए है तो डी0सी0 हाजिर रहा है, एस0पी0 हाजिर रहा है, एस0डी0एम0 हाजिर रहा है और डी0एस0पी0 हाजिर रहा है। पता नहीं ये किस टाइम की बात कर रहे है। ऐसी बातें करके ये सारे हाउस को गुमराह कर रहे है। फिर प्रधानमंत्री

के बारे जोकि अब चली गई है ऐसे अनपार्लियामैंटरी भाब्द बोलते है जिनको की कार्यवाही से काट देना चाहिये। स्पीकर साहब, भाई गौरी भांकर जी बोले मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि फरीदाबाद में उनकी इंडस्ट्री है और इंडस्ट्री किस तरह से आगे बढ़ी है? कितनी गलतियां उन्होने की है, जब कांग्रेस में थे तब तो बोलते नहीं थे (इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य चौधरी मनफूल सिंह पदासीन हुए) इसी तरह से चेयरमैन साहब, ये जितने भी मैम्बर उपोजी ान में बैठे है इनमें दो को छोड़ कर सब कांग्रेस में रहे है। एम0एल0ए0 भी रहे है और मिनिस्टर भी रहे है। उस वक्त की तो कोई बात नहीं कहते और आज कि्टिसिजम करते है क्योंकि इस दिन से जनता पार्टी की जीत हुई है। तो चेयरमैन साहब, मैं यह कहूंगा कि यह हाउस बड़ा सुप्रीम हाउस है, पब्लिक हमें यहां चुन कर भेजती है। हर एम0एल0ए0 को मीठी आवाज से और नम्रता से अपने ख्यालात रखनेचाहिये। जायज नुक्ताचीनी करो, जो अच्छी बातें है उनको बताओ और कानून का एतराम करो। कानून बन गया है कि पार्लियामैंट और असैम्बलीज की लाइफ छः साल हो गई है लेकिन फिर भी अगर इनको दर्द हे तो ये 10 अपनी सीटें छोड कर कर चले जाएं, हम तो 58 है। कानून के हिसाब से हमारी लाइफ छः साल है और हम पूरी टर्म गुजार कर जाएंगे। तो चेयरमैन साहब इन भाब्दों के साथ मैं गवर्नर ऐड्रस की तारीफ करता हूं और निवेदन करता हूं कि यह मो ान आफ ैकिस यूनानिमसली पास किया जाये।

चौधीर हर स्वरूप बूरा (महम): मान योग्य चेयरमैन साहब, हमारे सामने यह जो राज्यपाल महोदय का अभिभाशण है उसके उपर जो चर्चा हो रही है उसमें मैं अपने आपको भारीक करते हुये दो चार बातें कहना चाहता हूं । अभिभाशण के अन्दर अनु ाासन के बारें में खास तौर से एक बात कही गई है। मैं यह समझता हूं मैं ही नहीं बल्कि सभी यह चाहते है कि किसी समाज के अन्दर अनु ाासन बहुत जरूरी चीज है । लेकिन जिस ढंब से इस अभिभाशण के अन्दर अनु ाासन का वर्णन किया गया हे वह असलियत में अनु ाासन नहीं था। मुल्क के अन्दर पिछले 19 महीनों में जो कुछ हुआ है अगर उसको अनु ाासन का नाम देना है तो वह अनु ाासन नहीं है बल्कि मुल्क को भाम ाान बना कर रख दिया था। इसके बारे में मैं ज्यादा न कहते हुए इतना ही कहूंगा कि –

सितम का हद से बढ़ जाना, तबाही की नि ाानी है,

बदलते है सबके दिन, पुरानी यह कहानी है।

इसके बाद मैं भूमि सुधार के बारे में अर्ज करना चाहता हूं। अभिभाशण के अन्दर इसकी बड़े जोरों से चर्चा की गई है लेकिन असलियत को वहां भी छिपा कर रखा गया है। भूमि सुधार कहने से ही भूमि सुधार नहीं होता। जब सेराज्य के अन्दर कंसोलीडे ान चला है तब से जैसे लकड़ी को घुन लग जाता है उसी तरह से किसान के लिये कंसोलीडे ान घुन का काम कर

रहा है। मैं आपके द्वारा सरकार से यह दर्खास्त करता हूं कि यह कंसोलीडे ान का मामला बहुत भीघ्र ठीक होना चाहिये और इसको ओर लम्बा नहीं होने देना चाहिये। इसके बाद चेयरमैन साहब, मैं थोड़ा सा एजुके ान पर भी बोलना चाहता हूं। जहां तक रोहतक यूनिवर्सिटी का सवाल है मैं रिकूटमेंट के संबंध में आपके द्वारा सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं। मेरे विचार संकीर्ण नहीं, मैं चाहता हूं कि वहां भारत के व्यक्तियों की और हरियाणा के व्यक्तियों की रिकूटमेंट हो लेकिन जब एक रीजनल यूनिवर्सिटी से योग्य व्यक्ति मिलते हों तो उनको प्राथमिकता दी जानी चाहिये। दूसरी बात मैं स्टाफ के क्वार्टर्ज के बारे में कहना चाहता हूं। जब टीचर्ज की ट्रांस्फर होती है तो उनको निवास की बड़ी दिक्कत पैदा होती है इसलियें हर स्कूल के साथ यदि स्टाफ क्वार्टर्ज बन जाएं तो उन लोगों की यह दिक्कत दूर हो सकती है।

तीसरी बात रिडक ान की है। डी0ए0 कट करने की बात हरियाणा में खासतौर पर होती हैं बहुत पहले से आज तक अध्यापको का डी0ए0 कट चला आ रहा है, लेकिन इस पर सरकार ने अभी तक गौर नहीं किया है। मैं आपके द्वारा सरकार से निवेदन करूंगा कि इस डी0ए0 को बहाल किया जाये।

चौथी बात मैं विक्टेमाइजे ान के बारे में कहना चाहता हूं। एजूके ान डिपार्टमैंट में पिछले पांच छः सालों से विक्टेमाईजे ान बड़ी जोरों से हो रही है। मैं , चेयरमैंन साहब,

आपके द्वारा सरकार से दुर्खास्त करूंगा कि इस पर गौर फरमाया जाये।

टूरीजम का जहां तक ताल्लूक है, हरियाणा में टुरीजम पर कितना काम हूआ है, यह किसी से छुपा हुआ नहीं है। लेकिन मैं एक बात कहना चाहता हूं, सरकार को एक सुझाव देना चाहता हूं कि हमारे समाज के अन्दर हरिजन बस्तियां इतनी गन्दी है जो कि समाज के माथे पर एक कंलक है । टूरीजम का महत्व तभी होगा जब हरिजन बस्तियों से यह गन्दगी खत्म हो, हर गली में टयूबलाइट हो, हर प्रकार की सुविधा हो जो दूसरो को उपलब्ध है। अगर हरिजन बस्तियों से बदबू आती है और सरकार हरियाणा के अन्दर टूरीजम खोलती जाए तो मैं समझता हूं कि यह हमारे लिये फख्र की बात नहीं है लानत की बात है। सब से पहले इन बस्तियों को सुधारा जाना चाहिये तथी टूरीजम का महत्व है।

अगली बात मैं परिवार नियोजन के बारे में कहूंगा। वैसे तो फैमिली प्लानिंग की बात करके लोगों की भावनाओं को दोबारा उकसाना नहीं चाहता लेकिन एक बात कहूंगा कि परिवार नियोजन होना चाहिए। फैमिली प्लानिंग होनी चाहिये लेकिन नसबन्दी नहीं होनी चाहिये। इस बारे में मैं खुले विचार रखता हूं और जाति तौर पर कह रहा हूं कि परिवार नियोजन इस बढ़ती हुई जनसंख्या को देखते हूये दे ा के लिए बहुत जरूरी है लेकिन नसबन्दी ही इसका इलाज नहीं है। यह जरूरी नहीं है कि नसबन्दी से ही परिवार नियोजन हो सकता है, और भी उपाय है। मैं अपने

साथियों की तरफ से वि वास दिलाता हूं कि नसबन्दी की बजायें दूसरे मैथड अपनाएं जायें, तभी इसमें कामयाबी हो सकती है। मैं समझता हूं कि परिवार नियोजन सारा मुल्क चाहता है, लेकिन नसबन्दी न हो, दूसरे मैथड अपनाये जाये।

चेयरमैन साहब, कानून के बारे मे अभिभाशण में जिक्र है। मैं चाहता तो नही था कि इस पर बोलूं, लेकिन तबीयत करती है कहने के लिए। हरियाणा में कानून नाम की कोई चीज नहीं थी एमरजैंसी के दौरान। मैं डायरेक्टर आफ कंसोलिडे ान की कोर्ट से पकड़ लिया गया, मैंने कोई जुल्म नहीं किया था, न ही कोई भाशण ही किया था। मैं डायरेक्टर आफ कंसोलिडे ान की कोर्ट में केस पलीड कर रहा था, वहां से मुझे अरैस्ट किया गया। दोबारा जब मुझे रिलीज किया, ज्यों ही मैं बाहर निकला तो मुझे दफा 107, 151 के तहत बस में बैठाकर जेल में ले गए ओर डी0आई0आर0 लगा दी। मेरे जैसे आदमी को इस तरह से परे ाान किया जाता है। हरियाणा के अन्दर तो कानून नाम की कोई चीज ही नहीं है। चेयरमैन साहब, यहां पर गरीबों के नाम की बड़ी चर्चा होती है। मैं सरकार से दर्खास्त करूंगा कि जो लोग, सड़कों पर सुबह से भााम तक रोड़िया कूट–कूट कर हाथ तोड़ते है, उनकी मजदूरी 4रूपये 30 पैसे है। चेयरमैन साहब, मैं आपके द्वारा सरकार को सुझाव देना चाहता हूं, सबमि ान भी करता हूं कि उनकी मजदूरी कम से कम 6 रूपये करदी जाये। इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

श्री अमर सिंह(बवानीखेड़ा ऐस0सी): माननीय चेयरमैन साहब, सदन में राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाशण दिया है और उस पर श्री गुलाब सिंह जैन की तरफ से जो प्रस्ताव पे ा किया गया है, मैं उसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। मेरे से पहले बोलने वाले साथियों ने अभिभाशण परकोई हिस्सा नहीं लिया, बल्कि जो नुक्ताचीनी की है, वह अभिभाशण से बाहर जा कर की है जिसका मुझे खेद है। हाउस के आनरेबल मेम्बर चौधरी रिजकराम जी, जब रिसोसिर्ज कमेटी के चैयरमैन थे और इसी बैंच पर बैठते थे तो हरियाणा का विकास ऊंचे स्तर का था और आज हरियाणा में विकास नहीं। ये हरियाणा के विकास के नाम पर चार चांद लगाते रहे, लेकिन आज इनकी जबान से ये भाब्द सुनकर मुझे खेद होता हैं। इसी तरह से हमारे साथी चौधरी भजनलाल जी है जो इन बैंचों पर इसी सदन में बैठते थे। वे आनरेबल मिनिस्टर रहे है, हाउस के आनरेबल मैम्बर भी रहें। जब ये कांग्रेस के इन बैंचों पर बैठते थे तो कहा करते थे कि सब कुछ ठीक है। आज ताज्जुब की बात है इन्होने अभिभाशण को चैलेंज किया कि गवर्नर महोदय को इस हाउस में एड्रैस पे ा करने का अधिकार नहीं था क्योंकि हाउस की लिमिट 5 साल की थी। जब रैटिफिके ान के लिए कांस्टीच्यु ान अमेंडमेंट हाउस के सामने आई तो चेयरमैन साहब, आपको अच्छी तरह से याद होगा कि इन्होने रैटिफिके न में बीट दिया था, इन्होने इन्कार भी नहीं किया था ओर वोट में भागमिल थे। मुझे चौधरी प्रताप सिंह दौलता को सुनकर ताज्जुब होता है, वे हाउस के पुराने पार्लियामेंटेरियन

हैं, वकील भी हैं, वे हाउस में एक बात कह कर गये है। यह ठीक है, नसबन्दी का सरकार को एक ान का री–एक ान मिला है, मै इस बात से इन्कार नहीं करता। लेकिन उनका इस बात पर गर्व करना और गलत ढंग से बात करना, हाउस में अप ाब्द इस्तेमाल करना, कानून की मर्यादा के अन्दर न रहना, यह जाहिर करता है कि ये वही हालात पैदा करना चाहते है जिन का 25 जून, 1975 को, रामलीला ग्रांउड में श्री जय प्रका ा नारायण ने एलान किया था और कहा था कि बगावत करो, फौज को हुक्म नहीं मानना चाहिये, पुलिस को हुक्म नहीं मानना चाहिये। आज दौलता साहब, चाहते है कि अगर वे कानून की हालत खराब कर देंगे, इसी तरह के हालात पैदा करेगें जो पहले थे तो गवर्नर साहब एलान कर देंगे कि ला–एंड–आर्डर की सिंचुए ान ठीक नहीं है। चेयरमैन साहब, यह ठीक है कि इलैक ान में कांग्रेस पार्टी को नौर्दन जोन में हार हुई है, हम इसे तसलीम करते है, जनता का वर्डिक्ट है, जमहूरियत में जनता जनार्दन है लेकिन जब 30 साल के पुराने भाासन को जनता अगर गिरा सकती है तो इस 10 दिन की हकूमत को इनको भी जनता उखाड़ सकती है अगर ये कानून को कानून न समझेंगे। अगर इसी तरह कानून का गला घोंटना भाुरू कर दिया जिससे जनता को घृणा पैदा हो तो क्या यह उचित होगा। एक साथी ऐसी बात कह गये है जो खुद ही भाी ो के मकान में बैठें है और दूसरों पर पत्थर फैंकते है। मैं नाम नहीं लेना चाहता था, लेकिन लेना पड़ रहा है, वे गौरी भांकर नरवाना के रहने वाले है। इन्होने जींद में फलौर मिल लगाया और ऐसे

एरिये में लगाया जहां लगाने की इजाजत नहीं मिल सकती थी और जो इजाजत देने वाले है उन्ही के खिलाफ वे बोल कर गए है। उस वक्त तो इन का गला सूखता था जब हरियाणा की प्रगति को देख कर कहा करते थे कि ऐसा हरियाणा का निर्माता पैदा नहीं हुआ है। चेयरमैंन साहब, आप डिबेट निकलवाकर देख लें, ये भाब्द मिलेगें। मैं कह रहा था कि हरियाणा में देहात में 82 प्रति ात आबादी है। इससे पहली बात भाायद, चेयरमैन साहब, आपको याद होगा, चौधरी रिजकराम ज्वांयट पंजाब में इरीगे ान एंड पावर मिनिस्टर होते थे। मैं भी उस समय 1962 से 1967 तक एम0एल0ए0 रहा हूं । हमें पता हैं कि उस समय हमारी मर्यादा क्या थी। हम (**17.00 बजे**) क्या कर सकते थे हरियाणावासी जो उस समय ज्वांयट पंजाब में भाामिल थे लैप्स होता था हमारा बजट 31 मार्च को और उसके बाद उसे पंजाबी रीजन में खर्च किया जाता था। पंजाब में हम तरसते थे एक एक बिजली के लट्टू को, एक एक स्कूल की अपग्रेडिंग के लिए और एक एक किलोमीटर सड़क के लिए। हम वे दिन बिल्कुल भूल गये। मैं तो कहा करता हूं कि दे ा आजाद हुआ 15 अगस्त 1947 को और हरियाणा आजाद हुआ 1 नवम्बर 1966 को। हम सैकिन्ड रेट सिटिजन गिने जाते थे। हमें कोई आजादी नहीं थी। हमें आजादी का जो हिस्सा मिलना चाहिए था वह नहीं मिलता था। चेयरमैन साहब, अभी अभी मैंने कहा कि हम 1 नवम्बर 1966 को आजाद हुये और मई 1968 में जब चौधरी बंसी लाल मुख्य मंत्री बने उन्होने विकास की रूपरेखा तैयार की ।उन्होने फैसला किया कि

हरियाणा का विकास किस तरह हो सकता है। हरियाणा देहात का प्रदे ा है। देहात में लोग ऐग्रीकल्चर पर डिपैन्ड करते हैं। ऐग्रीकल्चर को पानी की सुविधा न मिलें तो फार्मर उभर नहीं सकता। अगर फार्मर नहीं उभरेगा तो उससे लगी हुई दूसरी बिरादरियां, खाती, लोहार और चमार आदि, भी नैचुरैली नहीं उभरेगी। इस नतीजे पर पहुंच कर चौधरी बंसी लाल ने इन्फास्ट्रक्चर तैयार किया और विकास के काम जोर भाोर से भाुरू किए। कौन कहता है कि हमारा विकास नहीं हुआ? हम माइनस जीरो बेस से उपर उठे है। जिस समय हरियाणा बना हम अनाज बाहर से लेते थे। हम तनख्वाह नहीं दे सकते थे कर्मचारियों को। पंजाब के भाई हमारा मजाक उड़ाते थे। वे कहा करते थे कि हरियाणा चूंकि वायेबल यूनिट नहीं है इसलिये इसको पंजाब में ही भाामिल कर लो। आज हरियाणा की क्या स्थिति है? यह ठीक है कि एक पार्टी जो रूल करती थी वह चुनाव में हार गई लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि विकास नहीं हुआ। यह ठीक बात है कि किसी वजह से जनता नाराज थी या हम यह समझते है कि एक ान का रीऐक ान इनके हाथ लग गया या यों कहें कि लोग इस बात से अंसतुश्ट थे कि फैमिली प्लांनिग में उनके साथ बर्ताव अच्छा नहीं हुआ। इसके बातजूद भी अगर हम एक बात को इग्नोर करके चले तो यह कोई कंस्ट्रक्टिव किटिसिज्म नहीं है। अगर हम असल को न पहचाने और असल को भूलकर एक ऐसे रास्ते को अपना ले जिसमें हरियाणा का जो विकास हुआ है उसमें भी धोखा

लगे और आगे भी अपने विकास से हट जाएं तो चेयरमैन साहब कोई अच्छी बात नहीं होगी।

चेयरमैन साहब, भिवानी के बारे मैं यहां एक बात आई। मैं डिस्ट्रिक्ट भिवानी से ताल्लूक रखता हूं। बवानी खेड़ा मेरी कांस्टिचुऐंसी है जो टेल पर है। यहां यह बात आई कि जुई, लोहारू और बीरेन्द्रनारायण चक्रवर्ती कैनाल में सारी पानी रोहतक का ले गये, भाखड़ा का ले गये और वैस्टर्न जमुना कैनाल का ले गये। यह गलत ब्यानी है। आपको पता है कि करनाल में डीप ट्यूबवैल लगे है जिनका पानी जुई कैनाल में ले जाया जाता है न बीरेन्द्रनारायण चक्रवर्ती कैनाल का पानी भाखड़ा से ले जाते है और न वैस्टर्न जमुना कैनाल का पानी जुई में जाता है। आज तो बवानी खेड़ा कांस्टिचुऐंसी की हालत यह है कि वहां लोगों की प्रोडक्शन बढ़ाने की कैपेसिटी बढ़ सकती है अगर उसे पानी मिले। आज वहां पानी जरूरत के मुताबिक न मिलने की वजह से किसान की हालत कमजोर है। इसलिये यह बात बिल्कुल निराधार है यदि कोई यह कहे कि किसी का पानी काट कर वहां ले गये है।(विघन्)।

चेयरमैन साहब, ऐग्रीकल्चरल प्रोडक्शन बढ़ाने में आज देश में हरियाणा का नाम दूसरे नम्बर पर है। सारे देश में ऐग्रीकल्चरल प्रोडक्शन बढ़ाने में पंजाब टाप पर है। इसी तरह से जहां तक सैन्ट्रल पूल में अनाज देने की बात है इसमें भी पंजाब पहले नम्बर पर है और हरियाणा दूसरे नम्बर पर है। चेयरमैन

साहब, एग्रीकल्चरल प्रोडक ान बढ़ाने के लिये दो ही चीजें अत्यन्त आव यक है इलैक्ट्रिसिटी और पानी और इन दोनों साधनों पर, चौधरी रिजकराम जी भी मानेंगे, सारे बजट का 72 परसैन्ट रूपया आज तक खर्च होता रहा है। यही नहीं इस गवर्नर साहब के अभिभाशण में भी 80 प्रति ात रा ि ा इरीगे ान पर खर्च करने की व्यवस्था रखी गई हैं। (विघन) यह सारा पैसा हरियाणा में ही खर्च हो रहा है पाकिस्तान में खर्च नहीं हो रहा। अगर आप भिवानी और महेन्द्रगढ़ आदि इलाकों को हरियाणा न समझें तो इसमें मेरा क्या कसूर है? वे हरियाणा का ही पार्ट है। ड्रेन न0 8 रोहतक को तबाह करती थी। उस ड्रेन को कंवर्ट करके आवपा ाी के लिये इस्तेमाल किया गया । जिस ड्रेन के बारे में चौधरी रिजक राम जी कहा करते थे कि वह सांप का काम करती है उसी ड्रेन को चौधरी बंसी लाल ने कंर्वट करके आबपा ाी के लिए इस्तेमाल किया है ताकि हजारों किसानों का उत्पादन बढ़ें और लाखों लोगों कौ रोजी मिले।

चेयरमैन साहब, जहां तक सड़कों का ताल्लुक है, आपको याद होगा कि हमारे 70 परसैन्ट गांव सड़कों से जुड़े हुये है और गांव को भी सड़कों से जोड़ने के लिये हमारी सरकार प्रयत्न ाील है। गवर्नर साहब ने भी अपने अभिभाशण में इस बात का जिक्र किया है कि इस मद पर और अधिक पैसा खर्च किया जायेगा ताकि जयादा से ज्यादा गांव सड़को से जुड़ जायें । (इस समय उपाध्यक्षा पदासीन हुई)

जहां तक 20 सूत्री कार्यक्रम का सवाल है 2,14753 हरिजनों को और बैकवर्ड क्लासिज के लोगों को रिहाय ाी प्लाट देने की योजना बनाई गई थी और आपको जानकर खु ाी होगी कि 213377 हरिजनों को और बेकवर्ड क्लासिज के लोगों को प्लाट मिल गए है और उन पर 25000 मकान बनाने की व्यवस्था है। चेयरमैन साहब, मैंने ऐसा समय भी देखा है जब बैंको के राश्ट्रीयकरण के बाद रिक ाा वाले का पैसा मिला है, गरीब लोगों को भैंस खरीदने के लिये पैसा मिला है, इतना ही नहीं हरिजनों को टाईम बाउन्ड पीरियड में 25000 रिहाय ाी मकान बनाने के लिए चार परसैंट ब्याज पर पैसा दिया गया है। साढ़े तीन हजार रूपये उन्हें मकान को पक्का बनाने के लिये भी दिये गये है। यहीं नहीं तीन हजार रूपये और अपनी इच्छा के अनुसार भैंस खरीदने के लिए या जुती बनाने का काम करने के लिये या खड्डी आदि का काम करने के यि दिए गए है। यह सब 20 सूत्री कार्यक्रम के तहत हुआ है। इससे हजारों आदमियों को जो भाहरों में रहते थे फायदा पहुंचा है। हो सकता है चौधरी रिजकराम जी को सोनीपत में कभी इस बात को देखने का मौका मिला हो। काफी गहराई से देखने के बाद यह पता चलेगा कि एक एक आदमी दस–बारह रिक ाा रखता था और वह रिक ाा चलाने वाले से 60 रूपये महीना मुफ्त में लेता था और वह बेचारा मु कल से पांच रूपये रोज कमाता था। वह बेचारा गीरब अपने खून–पसीने को बहा कर मु कल से चार–पांच कमाता था। इन बैंको के खुलने से काफी गरीब लोगों ने नयी रिक ाा खरीदी। लेागों को बैल खरीदने के

लिए, भैस खरीदने के लिए, ऊंट गाड़ी खरीदने के लिये बैंकों ने पैसा दिया।

इसी प्रकार 20 सूत्रीय आर्थिक कार्यक्रम के तहत नये आऊट–लैटस दिये गये, नयी नयी माइनर्ज बनायी गई, कुछ में आलट्रे ान की गई, नयी एक्सटैन् ान भी की गई । इस प्रकार से 20 सुत्रीय प्रोग्राम के तहत काफी लोगों को फायदा हुआ।

हरियाणा में हैंडलूम एन्ड हैंडी क्राफ्ट कारपोरे ान बनायी गई है। जो गरीब आदमी अपने हाथ से काम करने वाले है, वे सड़क पर बैठ कर काम करने की बजाये स्थायी रूप से अपने घर पर काम कर सकते है। उनको सरकार की और से लोन दिया गया है। दो करोड रूपये से यह हैंडलूम एन्ड हैन्डी काफ्ट कारपोरे ान बनायी है । इस कारपोरे ान से 1838 वीवर्ज को फायदा पहुंचा है। जनवरी से अब तक इतने लोग इस कारपोरे ान से फायदा उठा चुके है और अब उसका काम जारी है।

अब डिप्टी स्पीकर साहिबा, सड़क और ट्रांस्पोर्ट का सवाल है। ट्रांस्पोर्ट डिपार्टमेंट के बारे में इस ऐड्रैस में यह कह दिया है–– This department has been catering to the needs of about 511000 passengers daily and its buses have been covering about 440000 Kilometers every day. The fleet strength which was 1680 buses at the end of the financial year 1975-76 now it has been raised to 2100 buses by the end of the current financial year.

डिप्टी स्पीकर साहिबा जहां तक बसों का सवाल है, यह ठीक है कि बहुत सारी बसों के ब्रेक डाउन होते है लेकिन दूसरी पड़ोसी स्टेट्स की बसों में सफर करके देखो तो आपको पता चलेगा कि हरियाणा में कितनी एफिि येन्ट सर्विस है। ट्रांसपोर्ट में हमारी नुमाया तरक्की हुई है।

गवर्नर साहब ने अपने एड्रैस में पिछले साल का खुलासा दिया है और आगे आने वाले साल के बारे में रावी ब्यास के पानी के विशय में बताया है कि 16 करोड़ रूपये की रा ि ा खर्च किये जाने की आ ाा है। इस कैरियर को बना कर जयादा पानी की व्यवस्था की जायेगी। मैं तो यह कहता हूं कि चाहे कोई कांग्रेस में बैठता हो चाहे कोई अपोजी ान में बैठता है अगर वह हरियाणा के हित को इग्नोर करता है तो उसको जनता बरदास्त नहीं करेगी। अब जो हमें नया पानी मिलेगा वह 17 लाख एकड़ के लिए मिलेगा। हमारे लीडर आफ दी हाउस ने इस बात पर बल दिया है कि यह जल्दी से जल्दी बनायी जायेगी। सैन्टर में हमारे इरीगे ान एन्ड एग्रीकलचर के नये मिनिस्टर श्री प्रका ा सिंह बादल आये है। अब तो हमें और भी ज्यादा आसानी हो जायेगी। पंजाब रीजन में जो कैरियर बनना है उसको जल्दी से जल्दी बनवायेंगे ताकि टाईम बाउन्ड प्रोग्राम के अनुसार यह काम पूरा हो जायेगा। ऐसा होने से हरियाणा में खु ाहाली बढ़ेगी। जो वाटर अलाउन्स बढ़ा है उससे हमारी आनेवाली नसल खु ाहाल होगी। उनकी खु ाहाली नहर के पानी पर ही डिपैन्ड करती है।

इन भाब्दों के साथ, बाबू गुलाब सिंह जी ने जो मो ान आफ थैक्स मूव किया है, उसका समर्थन करता हूं और गवर्नर साहब ने जो अभिभाशण दिया है उसकी ताइद करते हूये अपना स्थान लेता हूं।

श्री रामधारी गौड़ (गोहाना): आदरणीय मोहतरिमा डिप्टी स्पीकर साहिबा आज राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर विचार चल रहा है। आप जानती है कि जो राज्यपाल महोदय का अभिभाशण होता है वह सरकार की नीतियों, उसके कामों का चाहे वे विकास के काम है, चाहें जनता के हित के काम है उसका आइना होता है। इस गवर्नर एड्रैस को पढ़ने से यह पता चलता है कि यह बिल्कुल धुंधला है, इस एड्रैस के अन्दर कोई साफ चीज दिखायी नहीं देती है। जो आइना आज से पांच साल पहले का था वहीं आज है। इसमें कोई नयी बात दिखायी नहीं देती है।

मैं मानता हूं कि पानी के बारे में , बिजली के बारे में हरियाणा में बहुत ज्यादा काम हुआ है। इस बात को तमाम दे ा मानता है बल्कि दुनियां मानती है कि हरियाणा में इन दोनों क्षेत्रों में काम हुआ है लेकिन वह काम आज से पांच साल पहले आरम्भ हुआ था, बड़ी सुस्त रफ्तार से चल रहा है।

आप जानती है कि ब्यास का पानी हमारे लिये कितना महत्व रखता है। उस पानी के लिये जैसे पपीहा एक पानी की बूंद के लिये चीखताा रहता है इसी प्रकार से हरियाणा का किसान भी

पिछले साल से आ ाा लगाये बैठा है। हमारे वजीर खजाने ने अपने एड्रैस में यह कहा है कि हमें कुछ पैसे की बचत इस तरीके से हो जायेगी कि जो सतलुज यमुना लिंक है वह भाायद तेजी से नहीं बनेगा और उसका पैसा बच जायेगा। मैं आपके जरिये सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि इस पैसे को मत बचाइयें, मैं तो कहूंगा कि बे ाक दूसरे कामों को बन्द कर दें लेकिन सतलुज यमुना लिंक है इस पर जोरों से काम चलाया जाये। यह हरियाणा की लाइफ लाइन है। जैसे जीवन में लाइ फ लाईन काम करती है इसी प्रकार से ब्यास का पानी हमारे लिये जीवन है। इस काम पर सुस्ती करना और बचत करना अपने आपके साथ धोखा करना है।

गुप्ता जी ने मेरे विशय में अपनी स्पीच में एक बात कही कि मैंने 20 सूत्री प्रोग्राम का विरोध किया। मैंने ऐसा नहीं कहा। मैंने बीस सूत्री प्रोग्राम के बारे में यह कहा कि हमारी भूतपूर्व प्रधान मंत्री जी ने जो बीस सूत्री प्रोग्राम बनाया है वह हमारी आ ाओं से बाबस्ता है, इसमें कोई दो राय नहीं। सभी लोगों ने इसे पसन्द किया है, लोगों ने आ ाा लगायी कि इससे दे ा की जनता का भला होगा, जनसाधारण का भला होगा, कीमतों के भाव नीचे आयेगें, दे ा में प्रोडक ान बढेगी, गरीब आदमी की गरीबी मिटेगी। यह हमारा बहुत बड़ा स्वप्न था। मैंने अपनी स्पीच में यह जिक किया था कि जब इलैक ान के सिलसिले में हम देहातों में गये तो हमें एक सूत्र दिखायी दिया

बाकी नजर नहीं आया। वह एक सूत्र था नसबन्दी का। अगर गरीब आदमी की द ाा ठीक हुई होती जैसी कि बीस सूत्री प्रोग्राम में आ ाा थी, यह मैं नहीं कहता कि बिल्कुल काम नहीं हुआ लेकिन जो उम्मीद थी उसमें एक नसबन्दी सूत्र ही आ ाा से अधिक मिला जो कि जनसाधारण तक पहुंच गया। वे यही कहते है कि हम काट कर डाल दिये। वे आम बात चाहते तो हमारे साथ इस तरह नहीं होता। उनसे हम तो एक ही बात कहते थे कि मैं काग्रेंस का मेम्बर जरूर था लेकिन कांग्रेस में होते हुए भी मुझे अपोजि ान का मेम्बर समझा जाता था। जो व्यवहार अपोजी ान पार्टी के मेम्बर के साथ होता था वही व्यवहार हमारे साथ होता था। इस वास्ते हम तो बच गये लेकिन जो दूसरी तरफ झुके हुये थे वे सब लपेट में आ गये। गुप्ता जी यहां बैठे नहीं है। मैंने जो बीस सूत्री प्रोग्राम का जिक किया था वह इस ढंग से किया था। वे मेरी बात को समझे नहीं। मैंने तो इतनी बात कही कि उसका इम्पैक्ट बहुत कम पाया। हरिजनों के प्लाट्स के बारे में वे कहते है। केवल बीस फीसदी हरिजनों को प्लाट्स दिये गये है जो उनकी मुहार में पड़ते थे बाकी को गांवो के दूसरी तरफ को दे दिये गये। अब कौन ऐसा हरिजन होगा जो अपने पुराने रिहाय ाी मकान को छोड़कर सौ गज के प्लाट के लिए दूसरी तरफ जायेगा।

पंडित चिंरजी लाल जी यहां पर नहीं है। मैंने उनको दो–तीन गांवों की मिसालें दी। वे कहने लगें कि इस वक्त मेरे पास यह महकमा नहीं है, मेरे पास ि ाक्षा का महकमा है।

उपाध्यक्ष महोदया, चौधरी माडू सिंह मलिक अब इस डिपार्टमैंट को संभाले हुये है। अगर उनके नौटिस में कोई बात लायी जाये तो वे इस और ध्यान देते है। लेकिन उस वक्त यह महकमा इनके पास नहीं था। पंडित चिंरजी लाल जी ने भी यह वायदा किया था कि हम यह कोि ा ा करेगें कि उस पाने में हमें जो भी जमीन मिल पायेगी, हम उसे मोल लेकर उन लोगों को प्लाट देंगे लेकिन ऐसा हुआ नहीं ह। मुझे पता है कि जस जिस गांव के नाम मैं लिखवा आया था, उस गांव में वहीं पर प्लाट मिल रहें है, जोकि पिछली स्कीम के तहत पड़ते थे। न कोई जमीन खरीदी गयी और न उनको नई जगह पर प्लाट दिये गये। उपाध्यक्ष महोदया, मैं एक बात कहना चाहता हूं बीस सूत्री प्रोग्राम के बारे में। मैं देखता हूं कि कितनी बड़ी बड़ी स्कीमें होती हैं। सब चकाचौंध करने वाली चीजें होती है। इनका नतीजा क्या होता है? जनसाधारण को कितना फायदा होता है, यह देखने वाली बात है। आप सब जानते है कि जमीदार यह चाहता है कि उसके खेत में पानी आये। कितने ही आप उस को वायदे करें, जब तक उसके खेत में पानी नहीं पहुचेंगा, उसको यकीन नहीं आयेगा। वह तो यह चाहता है कि उसको वाकई लाभ मिले। तो मेरा कहने का मतलब यह है कि इस बीस सूत्री प्रोग्राम का इस इलैक ान के दौरान ज्यादा लाभ नहीं हुआ। जो कुछ उनके साथ ज्यादतियां हुई थी, इसका बदला उन्होने लिया। इसी वास्ते लोगों ने वोट नहीं दिया और अपना गुस्सा निकाल लिया। मैं यह कहना चाहता हूं कि कितनी बढिया से बढिया स्कीम क्यों न हो, जब तक उसका नतीजा बढिया न हो

, वह बेकार होकर रह जाती है। अब यह चीजें जो कही गयी थी यह तो खतम हो गयीं क्योंकि अब नयी हुकुमत आयी है। उस प्रोग्राम में कोई नुक्स नहीं है। अगर अब हुकुमत यह समझे कि वह तो प्रोग्राम उस गवर्नमैंट के साथ ही गया तो यह गवर्नमैंट के हित की बात नहीं है। हमारी प्रधानमंत्री जो बीस सूत्री प्रोग्राम हमें देकर गयी हैं, हमारा सब का फर्ज है, उसको हम कामयाब बनायें क्योंकि वह जनहित के लिये है, किसी एक के हित के लिये नहीं बल्कि सबके हित के लिये है। वह प्रोग्राम ने ान के नाम से था या प्रधानमंत्री के नाम से था, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता लेकिन कुछ भाइयों ने उसका नाजायज फायदा उठाना चाहा, जिसकी वजह से लोग कुछ चिढ़ से गये वरना आप जानते है प्राइम मिनिस्टर ने ान की रहबर होती है। लोग उस प्रोग्राम को अब भी अपनाते है। डिप्टी स्पीकर साहिबा, इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि यह एक अच्छा कार्यक्रम है। अगर कोई आदमी इसकी कुखलिफत करें तो मै यह समझता हूं कि वह दे ा के खिलाफ है क्योंकि वह जनसाधारण के फायदे की चीज है। उसकी अगर कोई मुखालिफत करता है, चाहे वह किसी पार्टी से ताल्लूक रखता है तो यह जनता के हित की बात नहीं है बल्कि हमें तो सब को उसमें सहयोग देना चाहिये। पार्टी चाहे कोई भी हो आखिरकार हम लोगों के नुमायन्दे है। हम लोगों के हित के लिये यहां पर आये है। यह नहीं कि हम अपनी पार्टी का प्रोग्राम बनाकर चले। इसलिये हमें तो ने ान के फायदे का प्रोग्राम लेना है। ने ान के फायदे के लिये, ने ान को आगे बढाने के लिये जो जन हित के

लिये हो, चाहे कोई भी पार्टी हो, हमें वह काम करना चाहिए। हमारे अन्दर यह भावना नहीं होनी चाहिये कि यहां फलां पार्टी का कार्यक्रम है इसलिये हम इसे नहीं अपनाते। हम तो जनता के नुमायन्दे हैं हमारा एक ही काम है और वह यह कि ऐसे कार्यक्रम को हम अपनाये। डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं यह कह रहा था कि इस वक्त जो पिछले 5 सालों मे काम हुआ है, यह आपने भी महसूस किया होगा कि यह सारा का सारा काम एक ही इलाके में हुआ है। यह काम बैकवर्ड इलाके का नाम लेकर किया गया है जबकि दो तीन जिले ऐसे है जो इस एक जिले की निस्बत ज्यादा बैकवर्ड है। लेकिन आपको पता है वैकवर्डनैस का नाम लेकर एक ही इलाके मे काम हुआ है। जितना पैसा था उसका 50 प्रति ात से ज्यादा रूपया उस इलाके में खर्च किया गया। डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैंने पिछले दिनों भिवानी में जाकर खुद देखा कि कहीं लाल बत्ती और हरी बत्ती लगी हुई जो बड़े–बड़े आउन्ज होते है, जो भी बड़े–बड़े सिटीज होते है जहां पर गाडियां बहुत ज्यादा चलती हैं वहां पर ऐसी बत्तियां लगायी जाती है ताकि ऐक्सीडैन्टस न हो जायें लेकिन वहां पर जहां पर ऊंट चलते हों लाल–हरी बत्त्यिां लगा देना कहां की भाोभा की बात है। आप देखिये ऊंट वहां से निकलते है और वहां पर बत्तियां लाल–हरी लगा दी गई है। इन बत्तियों के लगाने का मुद्दा यह होता है इन बत्तियों के लगाने का मकसद यह होता है कि जहां पर र ा आफ ट्रैफिक ज्यादा होता है वहां पर ऐक्सीडेंटस को अवायड करने के लिये लगायी जाती है। र ा को कन्ट्रोल करने के लिये यह बत्तियां

लगायी जाती है। यह नहीं कि जहां पर ऊंट निकलते हो जिनकी स्पीड कोई दो–तीन सौ मीन नहीं केवल दो–तीन मील की स्पीड हो, वहां पर यह बत्तियां लगा दी जायें। वहां जाकर आप सड़कें देखिये। वह तो डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर है। वहां पर इतनी सड़कें है कि कुछ पता ही नहीं। वहां पर लोागों के साथ कितनी कितनी ज्यादतियां हुई, उसको जाकर देखो। हम जब भिवानी गये तो वहां के लोगों की जब हम ने जुलमेदास्तान सुनी तो हमें बहुत दुख हुआ। इसके बावजूद कि वहां पर हरियाणा का 50 प्रति ात पैसा खर्च किया गया , उनकी दास्ताने गम सुनने वाली थी। उन लोगों के उपर जो जुल्म किये गये वह नही होने चाहियें थे। आखिरकार, ये मुख्यमंत्री हैं । हम लोगों के नुमांयदे है। हमरार यह काम होना चाहिये कि हम उनकी दुख तकलीफ चाहे वह किसी भी किस्म की हो , वह दूर करें। हमें चाहिए कि हम उनके जख्मों पर फोहा लगायें। यह नहीं होना चाहिए कि ताकत के न ो में अकडे कि हमारे पास भाक्ति है और जो हमारे सामने बोलेगा उसको दबाकर रख देगें और विकास के नाम पर हम यह सोचे कि बदला लेना है। किसी की कोई चीज हो, किसी की कोठी हो उसको खत्म कर दे। इस किस्म की बात भाोभा नहीं देती। राज्यपाल महोदय ने कई बाते अभिभाशण में कहीं। मैं समझता हूं कि वह एक तस्वीर है कि आगे क्या होना है। जैसा कि दौलता साहब ने बताया कि अगली धुंधली है, वह तस्वीर साफ नहीं दिखाई देती । वह एक जुल्म की दास्तान दिखाई देती है।

श्री अमर सिंहः डिप्टी स्पीकर साहिबा, क्या कोई अनरेबल मैंम्बर बोलते हूये चेयर को डंडी दिखा सकता है?

Deputy Speaker: There is no question. It is wrong. This is no point of order.

श्री रामधारी गौड़ः उपाध्यक्ष महोदया, आप तो वैसे ही पूजनीय है और सदन में आपके साथ पुराना संबंध है। श्री अमर सिंह जी तो बहुत बाद में आए है। पेन्सिल कोई लड़ाई के काम नहीं आ सकती। इस पेन्सिल से कानूनी लडाई तो लड़ी जा सकती है।

उपाध्यक्षाः आप अपनी स्पीच जारी रखें।

श्री रामधारी गौड़ः उपाध्यक्ष महोदया, श्री अमर सिंह में तो पुरानी आदत है कि इनके दिमाग में छेडने की बात आ जाती है। मैं बता रहा था कि जो तस्वीर है वह धुंधली हैं। चण्डीगढ़, अबोहर और फाजिल्का का अहम सवाल है। हरियाणा में कहावत है कि सोते का काटड़ा और जागते की कट्टी। इसका मतलब है कि कोई आदमी अगर अपने हकूक के लिए आंख बंद करके बैठा रहे तो वह घाटे में रहता है। डिप्टी स्पीकर साहिबा, फाजिल्का और अबोहर के लोग हमारे भाई है। उनकी ख्वाहि ा है कि वह हमारा अंग बने। उनका विकास भी नहीं हो रहा है और जानबूझ कर उस इलाके का विकास नहीं किया जा रहा है। क्योंकि उधर की सरकार को मालूम है कि हिन्दी बोलने वाले इलाके हयिाणा में जायेंगे इस लिये वहां का विकास कम हुआ है। उन लोगों की

बहुत इच्छा है कि हरियाणा के साथ मिलें। डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं इस तरफ से पूरा यकीन दिलाना चाहता हूं कि जो भी मैक्सीमम कुर्बानी मांगेगे हम वह देने के लिए तैयार है। वे लोग भी इधर आना चाहते है और सरकार की तरफ से भी हमें वह इलाका ऐवार्ड में मिला है। यह तो वह बात हुई जैसे किसी को सिविल कोर्ट से डिग्री मिल जाये और जिस चीज की डिग्री मिली है वह उसे हासिल न कर सके। यह तो उसकी कमजोरी है। फैसला हमारे हक में था और वह लोग भी चाहते है तो फिर अड़चन कौन सी है। अड़चन यही है कि हम इस मामले में सीरियस नहीं है वरना किसी की हिम्मत नहीं कि वह इलाका हमें न मिले। आज साढ़े आठ साल हो गये है इतने दिनों में तो डिग्री मिल जाती है। जो डिग्री कोर्ट से मिलती है वह भी तीन–चार साल मेंखत्म हो जाती है इसको साढे आठ साल हो गये है। यह स्टेट का मामला है। इसको हासिल करने के लिए हम सब को मिलकर अपनी ताकत लगानी चाहिये। डिप्टी स्पीकर साहिबा, एक बात मैं गोहाना के बारे में कहना चाहता हूं। पहले भी मैंने कहा था कि वहां पर एक भूगर मिल लगनी चाहिए। भूगर मिल वहां के लिए जरूरी है। गोहाना का इलाका ऐसा है जहां गन्ना बहुत ज्यादा पैदा होता है कि किसी और इलाके में इतना गन्ना नहीं होता। यमुना नगर में भी गोहाना की निस्बत कम गन्ना पैदा होता है और अब तो भााहबाद में भी मिल लगने वाली है। जब भी कोई स्कीम होती है तो गोहाना को छोड़ दिया जाता है। डिप्टी स्पीकर साहिबा, हम

अपनी बात को यहीं ही कह सकते है। मैंने एक और दिन भी बताया था कि पांच साल में वहां कोई काम नहीं हुआ है।

चौधरी मेहर चन्दः डिप्टी स्पीकर साहिबा, आन ए प्वाएंट आफ आर्डर, मैं एक कलेरिफिके ान चाहता हूं कि इन्होने एक मोहमिल भाब्द श्री अमर सिंह के लिए इस्तेमाल किया है यह इनकी पुरानी आदत है। यह कौन सी आदत है ये हमको यह बता दें जिससे हम भी आगाह हो जाएं।

उपाध्यक्षाः यह प्वांएट आफ आर्डर नहीं है।

श्री रामधारी गौड़ः आप तो बहुत देर से पहुंचे है। आदत का पता आपको नहीं है। जनता में कहने की बात नहीं है। सब बात सदन में कहने की नहीं होती। उपाध्यक्ष महोदया, मैं कह रहा था कि गोहाना में मिल के लिए इतनी जोरदार मांग है लेकिन सरकार ने इस पर अमल नहीं किया। जैसा कि मैंने पहले बताया था कि पिछले पांच साल से वहां पर कोई काम नहीं हुआ है। मुझे याद हे कि जब प्रोफैसर भोर सिंह स्टेट मिनिस्टर होते थे तब उन्होने सोनीपत में एलान किया था कि अब जो भुगर मिल लगेगी वह गोहाना में लगेगी और मुख्यमंत्री की तरफ से भी एलान हो गया। लेकिन अब जो दो मिलें लग रही है वह एक पलवल और दूसरी भााहबाद में लगेगी। गोहाना का नाम नहीं है। उपाध्यक्ष महोदया, गोहाना में दो ही फसलें होती है एक गन्ना और दूसरी गेहूं। मिल सिर्फ गन्ने का ही लग सकता है गेहूं की तो मिल नहीं

लग सकती। गालिब को दह माह में तनखाह मिलती थी। एक दफा उसने जफर को लिखा कि लोगों की छह माही एक दफा होती है और मेरी दो छह माही होती है। आप सब लौगों की बात सुनें लेकिन गोहाना के लिए सबसे पहले एलान किया गया था। डिप्टी स्पीकर साहिबा, गुप्ता जी भी पहुंच गये है। लोगों की मांग का ध्यानरखते हुये, इलाके की पैदावार का ध्यान रखते हुये अब छः माही वाली बात पर जा पहूंचे है। गोहाना से कुछ गन्ना पानीपत, कुछ सोनीपत और कुछ रोहतक मिलों में जाता है तो यहां तो गोहाने की छः माही तीन बार होती है। तो इस वास्ते इन सभी बातों का ध्यान रखते हुये सरकार को गोहाने के अन्दर एक भूगर मिल अव य लगानी चाहिये और यह जनता की पूरानी मांग है। उनका यह हक भी बनता है अतः सरकार को जनता की आवाज को अव य सुनना चाहिये। जनता को अव य उनका हम मिलना चाहिये। हम देखते है कि संतुलित विकास हुआ है पर कुछ इलाकों का विकास हो जाए और कुछ का न हो यह नहीं होना चाहिये। ऐसा न हो कि लोग अपने इलाकों की तरक्की के लिये चिल्लाते रहे और सरकार की तरफ से कोई ध्यान न दिया जाये तो किफर संतुलित लफ्ज बरायेनाम ही रह जायेगा। इन अलफाज के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

गृह एवं स्वास्थ्य राज्य मन्त्री (श्रीमती भाारदा रानी): माननीय उपाध्यक्ष महोदया, अभी गर्वनर ऐड्रैस पर डिसक ान हो

रही है। यहां पर बहुत सी पोलिटिकल बातें कही गई जोकि गवर्नर एड्रैस के समय में नहीं कहनी चाहिये थी। मैं तो थोड़ी सी बातें कहना चाहती हूं कि मेरे कुछ भाइयों ने अब से कुछ दिन पहले हाउस में कहा और अब भी कुछ कहा, खासकर उन्होने एग्रीकलचर के बारे में कहा कि जमींदारों की तरफ पिछले 10 सालों में कोई ध्यान नहीं दिया गया और किसानो के लिये कुछ नहीं किया गया। कोई भी आदमी जो आंख खोलकर देख सकता है.....यह ठीक बात है कि अगर हम किसी को क्रिटीसाइल करने लगें किसी की बुराइयां निकालगें लगें तो एक हजार बुराइयां निकल जांएगी। अगर कोई आदमी अपनी ओर झांक कर देखे तो वहां पर निकलेगी लेकिन अपने अन्दर तो कोई झांक कर कम ही देखता है। सभी दूसरों की तरफ झांकते है चाहे वह कितनी ही अच्छाइयों का पुतला क्यों न हो। असके अन्दर हजार नुक्स निकल आते है अपने अन्दर देखते हैं तो अपने अन्दर अच्छाइयां नजर अपने लगती है। इस बारे में मुझे एक कहानी याद आ गयी एक बार एक चित्रकार ने अपनी कला के सिर पर एक चित्र बनाकर टांग दिया और उसने उसके उपर लिख दिया कि कृपया इस के अन्दर नुक्स बताएं तो बहुत सारे नुक्स उस चित्र के बारे मैं लोगों ने निकाले। अगर उस चित्र को निकाले गये नुक्सों के मुताबिक देख जाए, माडीफाई किया जाये तो भाायद उस चित्र की भाकल ही बदल कर दूसरी हो जाती इतने ज्यादा नुक्स उसके अन्दर निकाले गये। फिर दोबारा उसने पुतला बनाया उस पर भी उसने यह लिख दिया कि कृपया इस के नुकसों को दूर करिये तो फिर कोई भी आदमी

नुक्स दूर नहीं कर सका तो कहीं बुराइयां निकालना, बुरा कहना बड़ा आसान है लेकिन अच्छा काम करना जिससे सचमुच लोगों को फायदा होता हो और वह भी हमारे जैसे दे ा में जहां लोग अधिकारों की मांग करते है, मांगते है चाहते है लेकिन जब जरा सा अपना कर्तव्य पूरा करने की बात आती है, जरा सा अपनी ओर से कुछ देने की बात आती है तो चिल्लाने लगते है ओर दे ा के अन्दर राजयों के अन्दर पिछले 10 सालों मे ंजो कुछ हुआ उसको ंकौन नहीं जानता है आज का कोई भी इतिहासकार अगर भविश्य के लिये इतिहास लिख कर छोडेगा तो इस युग की हरियाणा की और भारत की बातों को सुनहरी अक्षरों में लिखा जायेगा। कोई आदमी जो साच समझ सकता है, जो जानता है कि प्रगति कैसे होती है अगर वह उस युग को देखेगा तो वह भी यह बता सकेगा कि किस तरह से तरक्की का काम होता हैं किस तरह से काम किया जाता है और काम करने की क्या गति होनी चाहिये और वह गति हमारे जैसे दे ा में किस प्रकार की घटनाओं से पैदा की जा सकती है। यह एक बहुत समझने और महसूस करने की बात है जैसे कि मैंने कहा कि बुराइयां निकालना बहुत आसान बात है अब कृशि की बात है तो जब हरियाणा बना तो सब जानते है कि एक लाख टन अनाज इस हरियाणा के अन्दर बाहर से आता था और आज 15–20 लाख टन अनाज हरियाणा के अन्दर से बाहर जाता है और भाायद इस साल इससे भी ज्यादा बाहर जाएगा। उपाध्यक्ष महोदया मुझे याद है सन् 1968 का इलैक ान जब मैंने लड़ा तो मेरे अपने ही क्षेत्र में जहां पर कुछ नहरें पहले भी थी, और भी

कुछ सुविधाएं थी मैं उसके दूसरे हिस्से में जी0टी0 रोड से पि चमी भाग के हिस्से में जब गयी तो मुझे याद है कि वहां पर ऐसे टीबे थे जहां जीव तक नहीं जा सकते थे। एक तरफ रेतीले टीबे थे और एक तरफ अथाह भरा हुआ पानी था जो न जाने कितने सालों से भरा रहता था। एक बार थोड़ी सी बारि ा हुई और वहां पर पानी भरा रहता था। अब हम उस इलाके में गये इस इलैक ान के टाइम में, और अब उन टीबों का नाम तक न था और पिछले साल इतनी बारि ा हुई लेकिन जगह जगह बाढ़ आयी पर वहां पर एक बूंद तक पानी न था। तब पानी गौछी ड्रैन के जरिये बाहर आ गया था। सड़कों के जाल बिछे हुये थे, खेत ,खेत के अन्दर बिजली के खम्भे थे और फसलें इतनी बढिया खडी थी कि भाायद उस इलाके के लोगों ने ऐसी बढिया फसलें पहले कभी न देखी होगी। उपाध्यक्ष महोदया, मैं एक बात और कहूंगी कि परिवार नियोजन जो इस दे ा के लिये बहुत जरूरी है, हो सकता है कि इस दे ा के लोगों को अभी महसूस न हो लेकिन आज अगर दुनियां की गति के साथ हम चलना चाहें, अगर दुनियां की तरफ हम देखते है, बहुत से हमारे साथी यहां के और पार्लियामेन्ट के भी यह कहते है कि बाहर के दे ाो में लोगों को यह सुविधाएं है। उन्हे बेरोजगारी की पेन ान मिलती है। बुढापे की पैन ान मिलती है। दूसरी चीजें मिलती है लेकिन दूसरे दे ाों के लोग किस प्रकार से रहते है, किस प्रकार वे अपने कर्तव्य का पालन करते है, यह बात उनमें से किसी ने भी नहीं देखी। दूसरे दे ाों के लोग कितने बच्चे पैदा करते है, कितना परिवार रखते है

किस तरह रहते है, अपनेदूसरे कर्तव्यों का पालन किस तरह से करते है यह किसी ने भी नहीं देखा अगर उन दे ाों के साथ हमें चलना है तो क्या हमारे लिये यह आव यक नहीं है कि हम अपने कर्तवय का पालन करें । आज स्वयं लोग अपने कर्तवयों का पालन नहीं करते और जब सरकार की और से कुछ किया जाता है चाहे उसमें समझा बुझाकर कह लो चाहें जरा सी जोर जबरदस्ती कह लो जहां लोग अपने कर्तव्यों को समझें वहां पर जोर जबरदस्ती की आव यकता नहीं पड़ती? उपाध्यक्ष महोदया, आज लोग इस बात को न समझेंगे आज नही 10साल के बाद, 20 साल के बाद 50 साल के बाद वह युग आयेगा जब लोगों को जोर जबरदस्ती से उनके कर्तव्यों को समझाना पड़ेगा। उपाध्यक्ष महोदया यह दूसरी बात है कि अभी इस बात के लिये युग जल्दी था और इतनी जबरदस्ती न होने पर भी लोगों ने बहुत तूल बांधा। हम जहां भी गये और परिवार नियोजन की बात हुई तो लोगों ने कहा कि यह तो बच्चों के भाग्य में है। बच्चे तो अपने भाग्य का लाते है। मैं दावे के साथ कह सकती हूं कि हमारे यहां कृशि के अन्दर जो क्रान्ति हुई है खेत खेत के अन्दर, चप्पे–चप्पे के अन्दर बहुत भारी पैदावार हो रही है। हरे भरे खेत दिखायी दे रहे है। यह उनका परिणाम है कि उन्होनें समझा कि जो कुछ भी फायदा हो रहा है यह हमारे बच्चों के भाग्य से हो रहा है। क्या इसमें सरकार का कोई कंट्रीब्यु ान नहीं है। सड़कों का जो इतना जाल बिछाया गया है, उसका कोई कंट्रीब्यु ान नहीं है, जगह–जगह मैं,खेत–खेत में जितने टयूबवैल लगाये है, उनका कोई

कंट्रीब्यु ान नहीं है। बिजली के खम्भे लगे हुये है इनका कोई कंट्रीब्यु ान नहीं है। खाद का प्रबन्ध किया गया किसी ओर से किया गया, उसका कोई कंट्रीब्यु ान नहीं है। जगह–जगह पर किसानों को कही पर बीज की तकावियां, कहीं खद की तकावियां, कहीं पर टयूबवैल की तकावियां यह सब दिया गया है इन सब की कोई कंट्रीब्यु ान नहीं है। उपाध्यक्षमहोदया करने को तो बहुत कुछ किया गया है। अभी एक हमारे माननीय सदस्य का उनके ही सदस्य से कांट्राडिक ान हो जाता है कि गुड़ के भाव निर्धारित नहीं हुये जब किसान के घर से मण्डी में आ गया तो भाव जो थे वह नीचे चले गये और जब किसान की ओर से निकल गया तो भाव एक दम ऊंचे चले गये यह बात अब से कुछ समय पहले नहीं थी। किसान के खेत ममें अव्वल बम्पर क्राप कभी होती नहीं। आज लोग कहते है कि यह किसान की मेहनत का नतीजा हैै। वह मैहनत उस समय कहां चली गई थी। (इस समय श्री उध्यक्ष पदासीन हुये)। तब क्या किसान मेहनत नहीं करता था? आज अगर किसान मेहनत करता है तो उसको उसकी मेहनत का पूरा सिला मिलाता है ओर उसकी पैदावार की कीमत उसे पूरी दी जाती है और पहले जब जब किसान के घर से वह फसल चली जाती थी तो दूगने, तिगुने और चौगुने भाव हो जाते थे। आज हमारे कुछ सदस्यों ने कहा कि 105 रूपये का ीााव सरकार ने दिया और बाजार में 160 रूपये का भाव मिला। अध्यक्ष महोदय, 105 रूपये तो कम से कम कीमत किसान के अनाज की निर्धारित की गई है उसके बाद किसानों ने अनाज अगर बेचा है मुझे मालुम है कि 150

के भाव पर भी किसान का अनाज बिका है। अगर किसान से 150 रू0 के भाव से खरीदा जाता है या 105 रूपये की निर्धारित कीमत में खरीदा जाता है तो उसमें गोदाम का खर्चा देकर, खरीदने वाले का खर्चा देकर औरपैसे का ब्याज देकर अगर 160 रूपये के भाव में बेच दिया तो मैं नहीं समझती कोई ज्यादा है। यह उससे तो अच्छा है कि किसान खरीदने वालो ं से दोगुना या तीन गुना कीमत पर खरीदता था। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, हरियाणा सरकार ने तो और भी किया। भविश्य के लिये कितनी सोच करके योजनाएं बनाई। कितनीनहरों का जाल बिछाया और सिंचाई की उठान योजनाएं बनाई और इसी तरीके से कितने ही ऐसे प्रोजैक्टस है जो भविश्य के लिये बना कर छोड़े है और भविश्य की आ ाा के साथ पानी के भी समझौते किये है जिनके सालों से समझौते नहीं हो रहे थे। अध्यक्ष महोदय वे लोग जो यह कहते है कि कुछ नहीं हुआ है जमीदारों के लिये उन्होने हरियाणा के भविश्य के साथ खिलवाड़ की है, अपनी तीत के लिये उन्होने इस बात का सौदा कर लिया। इलैक ान के दिनों में जब अकाली दल के मैनिफैस्टों में यह बात आई थी तो क्या इन भाइयों में से एक भी सदस्य ऐसा था जो आज बोल रहे है कि किसी ने भी अकाली दल के उन मैनिफैस्टों की बात को कन्ट्राडिकट किया हो? क्या वह हरियाणा के भविश्य की खिलवाड नही थी? कहीं भी अखबारों में ऐसी कन्ट्राडिक ान नहीं आई.....

चौधरी भजन लालः हमने खूब की है.....(विघन्)

Mr. Speaker: Order please. No interruptions.

श्रीमती भारदा रानी: तो वे हरियाणा के जमीदारों के ज्यादा हितैशी हैं। इस तरह की बातें करके सीधे सादे लोगों को इन्हाने बहकाया है ओर बहुत सी बातें की है। अध्यक्ष महोदय, एक और बड़ी हैरानी की बात है कि ये लोग गलत कितनी आसानी से बोल जाते है। यही गलत बोलने का तरीका इलैक ान में अपनाते है। कहीं अवाह उड़ाना, कहीं और कुछ बात कहना जिस बात से कि वोट मिल सकें वही बात करना और भोले भाले, सीधे सादे लेाग उस बहकावें से वोट लिये जाऐं। हमारीपार्टी की जो स्कीमज हैं, जो प्रोग्रामज है वही रखे जाते है ओर उन्ही को कह कर वोट मांगें जाते है ओर उन्ही पर आज तक डटे हुये है तथा भविश्य में भी हमारी पार्टी डटी रहेगी। कोई भी गलत तरीका हम लोग इस्तेमाल करने वाले नहीं है। अध्यक्ष महोदय, अभी हमारे एक माननीय सदस्य ने सिरसा की किसी घटना का जिक किया लेकिन हमें कहते हूये भार्म आती है, हम लोग तो अध्यक्ष महोदय कहते नहीं। अभी मेरे हल्के के अन्दर जब इलैक ान हो रहे थे एक जगह से भाशण देकर चली। वहां मेरा जो रास्ता था वह जनता पार्टी के दफ्तर के बराबर से था और वहां पर बहुत सारी इंटें और रोड़े इक्ट्ठे किये हुये थे और बहुत से लोग उस जगह को घेर कर खड़े हुये थे लेकिन अच्छा हुआ कहते है कि भगवान जिसको बचाता है उसको मारने वाला कोई नहीं होता। मैं किसी वजह से उस जगह से बचकर निकल गई और कोई व्यक्ति मेंरी गाड़ी में बैठ गया और मैं उसको उस कालोनी से दूसरी जगह

छोड़ने के लिये चली गई और हमारी जो और गाड़ियां थी वह आगे आ गई। उन्होनें मेरी गाड़ी समझ कर एक गाड़ी पर पथराव किया। उसमें मेरा लड़का बैठा था। उसने जब देखा कि यह क्या हो रहा है तो एक दम और गाड़ियां जो आगे निकल गई थी जल्दी से जाकर उनको बुलाकर लाया औरअपने बड़े भाई को भी बुला कर लाया और उन्होनें कहा कि यहां पर हमें कुछ घपला लगता है। जब मैंने पूछा तो 25–30 आदमी हमारे वहां पर घेरा बनाकर खड़े हुये थे। मैं आई और रूकी मैंने पूछा तो कि क्या बात है तो उन्होने बताया कि तरीके से इन लोगों का यह प्रोग्राम था, जल्दी से चलो। तो इस तरीके के हर जगह काम हुये है। तो इन्होने क्या किया मेरे गांव के अन्दर पोलिंग के दिन बहुत से लोग ट्रंकों में भर कर हथियार लेकर पहुंचे और अध्यक्ष महोदय, मैंने हालात को देख कर अपने आदमियों से कहा कि ये लोग कुछ भी कहते रहें,कुछ भी नारेबाजी लगायें और कुछ भी भद्दे भाब्द इस्तेमाल करें आप लोगों ने बिलकुल प्रोवोक नहीं होना है और बिलकुल चुप लगाये रखना है क्योंकि ये लोग खुद वारदातें करके तुम्हारे गले डालना चाहते है। तो अध्यक्ष महोदय, यह इनका तरीका है। हमारे लोगों ने वैसे ही किया जैसे मैने उनको समझाया था और उन लोगों ने मुंह से एक सांस भी नहीं निकाली और इधर ये जितने दंगे वहां कर सकते थे, जितनी नारे बाजियां कर सकते थे और जितनी पूअर बातें कर सकते थे वे सब इन्होनें की। यह इनका इलैक ान के टाइम में तरीका है। अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी जीते या हारे लेकिन हमें इस बात का फख्र है कि

कभी भी ऐसे गलत तरीके, ऐसी गलत बातें, ऐसी झुठी बातें और दे ा द्रोहिता की बातें हमारी पार्टी ने न कभी इस्तेमाल की है और न कभी हमारी पार्टी इस्तेमाल करेगी। इन भाब्दों के साथ मैं आपका बहुत धन्यवाद करती हूं। जयहिन्द।

चौधरी पीर चन्द(बरवाला, अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, आज राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा चल रही है उसके लिये आपने मुझे टाइम दिया , मैं आपका बहुत आभारी हूं। यह अभिभाशण गुप्ता जी की सरकार ने बना कर दिया और राज्यपाल महोदय ने पढ़ा। इसके पहले पेज पर ही उन्होने लिखा है कि गरीब और दुखी आदमियों को हमने जुट कर उठाया और उनकी माली हालत मजबूत करेगें लेकिन हमारे बजट के अन्दर ऐसी कोई बात नहीं आई है जिसकी चर्चा की गई हो। अध्यक्ष महोदय, सवाल इस बात का है कि हर समाज को ऊंचा उठाने के लिये साधनों की आव यकता होती है और उसके लिये इस सरकार ने बजट में कोई भी प्रोवीजन नहीं किया जिससे गरीब लोगों की माली हालत दुरूस्त हो सकती। इनका सारा टाइम सिर्फ नारे लगा कर ही खर्च हुआ है अमली रूप में इन्होने कुछ नहीं किया है। इलैक ान में भी ये बीस सूत्री कार्यक्रम की रट लगाते रहे। सन् 71 मे भी पार्लियामैंट के अन्दर हमारी प्रधान मन्त्री ने गरीबों को इस बात का वि वास दिलाया था कि गरीबी हटायेंगे और समाजवाद लायेगें और सदन में मन्त्री महोदय भी यही बात कहते है कि हम जो बात कहते है उस पर पूरे तौर से अमल करते

है लेकिन आज सन् 71 को बीते 6 साल हो चुके है गरीबों की हालत पहले से भी बदतर हैं । पहले कोई गरीब आदमी किसी न किसी तरह अपने कोई साधन जुटा लेता था लेकिन इस सरकार ने उनके वे साधन भी बन्द कर दिये। जैसे कर्जे के बारे में यहां बिल पास हुआ कि गरीबों के कर्जे माफ होगें। लेकिन किये किसके जाएंगें? उसके किये जाएगें जिनकी सालना आमदनी 2400 रूपये से कम होगी। एक तरफ तो हम यह कहते हैं कि एक मजदूर को सात रूपये की दिहाड़ी मिलनी चाहिये। सात रूपये रोज का मतलब 210 रूपये महीना अगर उसके परिवार के दो आदमी काम करने वाले है तो उनकी एक महीने की आमदन 420 रूपये बनती है उसका परिवार काफी लंबा चौड़ा है जिससे कि उसका गुजारा चलना मु कल होता है लेकिन वह कर्जा माफ करने वाली कैटेगरी में नहीं आता क्योंकि उसके परिवार के सारे सदस्यों की आमदनी 2400 रूपये से ज्यादा बन जाती है। पहले अगर वह किसी साहूकार से कुछ उधार ले लेता था अब उसका वहां पर भी वि वास नहीं रहा। तो यह तो केवल कागजों में गरीबी दूर की गई है अमली रूप में कुछ नहीं हुआ है। फिर कहते है कि हरिजनों को जमीन दिलाऐंगे यह तो हरिजनों की जमींदारो से लड़ाई करवाने वाली बात है। जैसे मैंने पहले कहा कि पहले अगर किसी हरिजन को कर्जे की आव यकता होती थी तो गांव में हर आदमी उनका वि वास करता था लेकिन अब सरकार ने उनका वि वास उठा दिया किसी भी हरिजन पर आज गांव का कोई भी आदमी वि वास नहीं करता है। क्योंकि हमारी सरकार ने

ऐसे कानून बना दिये जिससे हम एक दूसरे से अलग हो गये है। इनकी हालत सुधारने के लिए या तो सरकार उनको जमीन दे या किसी किस्म की इडंस्ट्री फैक्ट्री लगवा कर दे या कोई साधन ऐसा हो जिससे ये ऊंचा उठ सकें। तीन ही साधन होते है जि से मुल्क की हालत अच्छी हो सकती हैं – जमीन, इंडस्ट्री और दस्तकारी के काम। दूसरा साधन यह भी हो सकता कि सरकार हरिजनों के लड़को को जो बी0ए0, एम0ए0 या मैंट्रिक बेकार बैठे है उनको किसी न किसी जगह सैट किया जाये। मैं सब कमेटी का मैंम्बर हूं। जब डिपार्टमेंट की रिपोर्ट सामने आती है तो सरकार की तरफ से ताने कसे जाते है और कहते हैं कि हमने सब कुछ दे दिया है लेकिन जहां तक मुझे मालूम हैं, किसी डिपार्टमेंन्ट में भी 30 प्रति ात रिजर्वे ान हरिजनों की पूरी नहीं हुई। किसी में 8 फीसदी है, किसी में 6फीसदी हैं। ऐजुके ान डिपार्टमेंन्ट में हैडमास्टर्ज की 662 पोस्टें हैं, इन में भाायद ही हरिजन 12 होगें। किसी दूसरे डिपार्टमैंट में भी रिजर्वे ान पूरी नहीं है। पुलिस डिपार्टमैंट की रिपोर्ट जब हमारे सामने आई तो उसमें क्लास वन, क्लास टू तथा क्लास थ्री इन तीन कैटेगरीज के अन्दर तीसरी कैटेगरी में सिपाही से लेकर इन्स्पैक्टर तक आते है। जब हम सवाल करते है कि इन में सिपाही कितने है, इन्स्पैक्टर कितने है तो जवाब मिलता है 10 या 12 परसेंट। अगर सरकार ने हरिजनों को आबाद करना है तो इनके कोटे परूरे होने चाहियें। बेाकर लड़के बहुत फिरते हैं हर किस्त के फिरते है, मैट्रिक फिरते है, बी0ए0 फिरते है लेकिन इनको प्रोत्साहन देनेवाली कोई बात नहीं

हैं अगर किसी लड़के को फिट करने का सवाल आ जाये तो कहते है ''नाट सूटेबल''।

स्पीकर साहब, जमीन के बारे में सरकार ने कहा कि हरिजनों के लिए जमीन सरप्लस में निकालेंगे, बजट में भी इसका जिक्र आया है, लेकिन आज तक उस जमीन का पता नहीं चला कि कौन सी जमीन निकली है। किसी को एक इंच भी जमीन नहीं दी गई। यह बात कहना कि जमीन दैंगे, इसका नतीजा यह हुआ कि आज हरिजन और जमींदारों में गांव गांव में लड़ाईयां होती है। गांव में ऐसी हालत है कि जमींदार जमीन देने के लिए तैयार नहीं क्योंकि वह जानता है कि जो आदमी एक बार बैठ जाएगा वह काब्ज हो जाएगा इसलिए देते ही नहीं। इसलिए इनकी माली हालत ठीक होने का सवाल ही नहीं पैदा होता। जहां तक फैक्ट्रियों का सवाल है, किसी गांव के अन्दर किसी भी हरिजन आदमी की फैक्ट्री नहीं है। जहां तक लेबर का ताल्लुक है, हमारी सरकार ने मजदूर की दहाड़ी 7 रूपये मुकर्रर की हुई है लेकिन पी.डब्यू.डी. वाले उनको 4 रूपये या साढ़े तीन रूपये दहाड़ी एक औरत मजदूर को देते हैं। क्या वजह है औरत को 4 रूपये मिलते है ? स्पीकर साहब, हम चाहते हैं कि हरिजनों के लिए सरकार कुछ करे। हम इनके दिल से कैसे दूर हो गए। अब तक ये हमें लारे देते रहे, जो स्कीमें हमारे लिए बनीं वह कागज पर ही रहीं। इन्होंने कुछ नहीं किया।

पंडित चिरंजी लाल भार्माः अब तो जगजीवन राम करेंगे (व्यवधान)

चौधरी पीर चन्दः हां, वे तो करैंगे। हमारे मुख्य मंत्री माजूद है, ये जो बात कहे, उस पर पूरा अमल होना चाहिए, यह नही कि अगर वे कोई बात कहे तो बाद में आधूर ही रह जाए, यह कोई अच्छी बात नही है। अगली बात फैमिली प्लानिंग कीहै। यह तो हमारे मुख्य मंत्री जी की फाखदिली है कि उन्होने काह कि हमारा दोश है, लेकन जिस मंत्री महोदय का यह महकमा है और वह यह कहे कि हमारे नोटिस में कोई बात नही और न ही हमन ज्यादती की, न किसी आफिसर ने ज्यादती की तो बुरी बात हैं अगर किसी के साथ ज्यादती की है तो उकस इलाज करें। ऐमरजेंसी के दौदान जो गलत काम हुए है, उस दोश को अपने गले से हटाकर कर्मचारियों के ऊपर लादना चाहते है जबकि यह कार्यवाही इन्होने खु की है। हमने इसका इतराज किया था कि फैमिली प्लानिंग इस ढंग से नही होनी चहिए। जब डी.सी. की अध्यक्षता में मीटिंग होती थी तो इस बात की चर्चा चलती थी। जए एसी.डी.एम. से पूछते थे कि उनके जिम्मे 500 केसिज थे, 200 क्यो हुए तो वे कहते थे कि पुलिस नही मिली। तहसीलदार से पूछते थे कि आपकें 400 दिए थे, 300 कैसे रह गए तो वह बोलता था कि पुलिए की कमी है। यह बात जंचने वाली नही है कि इन्होने ज्यादती नही की। गुप्ता जी ने माना कि यह बात हमारे इलम में है और ठीक बात है।

पंडित चिरंजी लाल भार्मा: और भी है कुछ कहने के लिए? हाथी के पांव में सबके पांव। जब गुप्ता जी ने कह दिया तो सबने कह दिया। (व्यवधान)

चौधरी पीर चन्द: हाथी का पैर यहां कहां टिकेगा, क्या यह हमें पता नही है। यह हालत फैमिली प्लानिंग की है। लोगों को काफभ ज्यादा परे ाानी है और उसका नतीजा गवर्नमैंट के सामने हैं इसका इलैक ान पर बहुत बुरा असर हुआ है। एक फायदा यह हुआ कि आप लोगों ने ऐमरजेंसी लगाई ैर इस ऐमरजेंसी का दुरूप्रयोग किया गयाहै। अगर एमरजेंसी की बात दे ा में न होती तो तुम्हें कोई खतरा नही था फिर भी लोगों ने अपनी कुसियों बचाने के लिए ऐमरजेंसी का दुरूपयोग किया है। अगर किसी हलके का एम.एल.ए. चन्दा नही देता था तो उसकों मीसा के तहत अन्छर कर दिया। सरकार की यह नीति अच्छी नही है। मै आप लोगों से यह कहने के लिए खडत्रा हुआ हूं। कि आप लोगों ऐसे कदम न उठाए, आगे के लिए कहूंगा कि कोई गलीत काम न करे, हम आपके साथ है पानी के बारें में यहां चर्चा हुई और कहा कि पंजाब वालों ने मैनिफैस्टों में लिख दियाऔर हमने उसका समर्थन किया। सरकार आपकी है, आपकों जनता में विश्वास देना चाहिए कि हम हर तरह हरियाणा के पानी पर लड़ेगे जो फैसला हुआ है उसके मुताबिक अपना हिस्सा लेगे। अध्यक्ष महोदय, मै इनकों इस बात का यकीन दिलाना चाहता हूं कि अगर हरियाणा के हित की कोई बात होगी तो हम इनके साथ है लेकिन

अगर ये किसी काम मे ंकोताही करेंगे तो जनता इन्हें बख्भोगी नही। स्पीकर साहब, आज से दो साल पहले इस हाउस में फाजिल्का और अबोहर की बात आई थी। हमने उस समय इस सरकार से कहा था कि सैन्टर की सरकार कांग्रेस की है, पजांब की सरकार कभी कांग्रेस की है अैर हरियाणा की सरकार भी कांग्रेस की है इसलिए आपकों फाजिल्का अैर अबोहर हरियाणा को लेने के लिए कोई दिक्कत नही आनी चाहिए। यही नही, स्पीकर साहब, हरियाणा के चीफ मिनिस्टर भी यहां गर्दन नीची करके बैठा करते थे। (विध्न) लेकिन उसे बावजूद भी फाजिल्का और अबोहर नही लो पाए मुझे तो डर है कि कल को ये हमें दोश देगे और कहेगे कि सैन्ट्रल गवर्नमैंट नही लेने देती।

स्पीकर साहब, पंडित चिरंजी लाल जी कह रहे थे हमने बड़ी तरक्की की है। चौधरी अमर सिंह जी भी कह रहे थे कि हमने बहुत तरक्की की है। हम मातने है इनकी बड़ी तरक्की हुई है क्योंकि पहले ये यहां बैठा करते थे अब वहां जा बैठे। ये गए ही इ वि वास में कि मिनिस्टर बनूंगा। खैर, इसमें दो राय नही कि इनकी तरक्की हुई है और इन्होने चन्दा इक्ट्ठा करके, अफसरों को डांट मार करके काफी पैसा इकट्ठा कर लिया है। (विधन)

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब,मै पसर्नल ऐक्सपले ान देना चाहता हूं। जो आनरेबल मैम्बर बोल रहे है वे जारा अपने गरेबान में झांक कर तो देखे। ये खुद भी ो के मकान में रहते

हुए दूसरों पर पत्थर फेकर रहे है। (विघ्न) मैने कोई चन्दा इकट्ठा नही किया, यह बिल्कुल गलत बात है। (विध्न)

चौधरी पीर चन्दः स्पीकर साहब, श्री अमर सिंह जी जब यहां बैइा करते थे तो कहा करते थे गरीब आदमी तो हमे ाा मारा जाता है। इनकों रोजगार नही मिलता। एक बार तो इन्होने यह भी कहा था कि एक हरिजन औरत ने अपनी चूड़ी तौड़ी और पीस कर बच्चों को खिलाई जिसकी वजह से सारा कुनबा मारा गया। आज कहते कि सब मालोंमाल हो गए। बड़ी हैरानी की बात है।

स्पीकर साहब, जहां तक प्लाटस का सम्बन्ध है, इसमें कोई दो राय नही कि प्लाटस मिले है लेकिन इसमें भी कोई राय नही कि इनसे कुछ गलतियों भी हुई है। कही तो प्लाटस खड्डे में दे दिए है, कही दूर दे दिए है, कही कुछ किया है और कही कुछ किया है। खैर मै इन बातों में न जाते हुए मुख्य मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि वे प्लाट के प्लाट र रह जाएं, उन पर मकान भी बनने चाहिये और उन पर मकान तभी बनेगे जब पैसा होग। कही ऐसा न हो कि कुछ दिनों के बाद उन पर जमींदार अपने डंगर बांधने भाुरू कर दे या उन्हें जमीन में भामिल कर ले। अगर इस काम को यह सरकार जल्दी से करेगी तो हो सकता है कि जनता इनके पिछले किए हुए जुल्मों को भूल जाए। यदिये ऐसा नही करेगे तो इनके पिछले पाप भी रहेगे और ये भी रहेगे।

स्पीकर साहब, आज फमिली प्लानिंग के आपरे ांज की बड़ी चर्चा हुई। क्वे चन अवर में भी यह बात आई और बाद में भी आई और हमारे मंत्री महोदय ने यह वि वास दिलाया कि जिन केसिज में नाजायत आपरे ांज हुए है, जिस ऐसे लोगों के आपरे ान हुए है जिनके बच्चे नही थे, उनकी वे पड़ताल करायेगे।

श्रीमती भाारदा रानीः अध्यक्ष महोदय, मै एक बात स्पश्ट करना चाहती हूं। ये लोग यह बात कहते तो है कि बिना बच्चे वालों के आपरे ान हुए है लेकिन जब हम इनसे लिखकर मांगते है तो लिखकर ये देते नही। आज तक एक भी केस की ि ाकायत लिख कर हमारे पास नही आई है (विघ्न)

चौधरी पीर चन्दः स्पीकर साहब, मै आपका ज्यादा समय न लेते हुए अब अपनी जगह लेता हूं। आपने मुझे बोलने के लिए जो समय दिया उसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री ओम प्रका ा गर्ग (थानेसर): स्पीकर साहब, मै गवर्नर साहब` अभिभाशण पर बोलने से पहले थोड़ा सा कुछ और अर्ज करना चाहता हूं मेरे भाईयों ने नसबंदी का मसला लेकर के अपनी तकरीर को इसी बात से भाुरू किया और इसी बात पर जाकर के खत्म किय। यही मसला लेकर ये इलैक ान में गए। इसमें कोई भाक की बात नही कि जनता ने इनकों कामयादी दी और दिल्ली के अन्दर इनकी सरकार इनकी सरकार बनी। उस सरकार को हमारे चीफ मिनिस्टर साहब ने अपनी और अपनी

सरकार की तरफ से पूरा सहयोग देने का अैर लेने का वचन दिया है। लेकिन इसके बावजूद भी स्पीकर साहब मेरे भाईयों ने एक बात हाउस के सामने रखी कि चूंकि लोक सभा में जनता पार्टी के ज्याद नुमांयदे चुनकर आए है इसलि असैम्बलीज के इलैक ान भी कराए जोन चाहिए। इसके बारें में स्पीकर साहब मै आपके द्वारा अपने मैम्बर साहिबान से एक ही बात अर्ज करना चाहता हूं। मैम्बर साहेबान को पता हेागा कि सन् 1972 से पहले असैम्ब्ली और लोक सभा के चुनाव इकट्ठे होते थे और उस वक्त यह देखने में आता था कि कुछेक भाई दोनों ही सीटों पर चुनाव लड़ते थे। कई बार ऐसा हाती थक वे लोकसभा की सीट तो जीत जाते थे लेकिन असैम्बली की हार जाते थे अज्ञैर यदि असैम्बली की जीत जाते थे तो लोकसभा की हार जाते थे। लेकन उस वक्त भी ऐसा नही था कि वे जीती हुई सीट से मुस्तफी हो जाते थे। यह तो लोगों का राय देने का अलग अलग तरीका है। वे लोक सभा की सीट का अलग महत्व समझते है और असैम्ब्ली की सीट का अलग कहत्व समझते है यह कह देना कि यहां से भाग जाओ, यह कोई अच्छा नही लगता आपने आज का वातावरण देशा। अगर ये भाई ताकत में हो और जो मेरे आदरणीय मेम्बर साहबन ने यहां विचार रखे है वे बड़े मगरूरपने से रखे है। हमारे भूतपूर्व मुख्यमंत्री जी के बारैं में यह कहना कि वे घमन्डी थे, उन्होने जो कुछभी यहां किया वह मुख्य मंत्री की हैसियत से किया, उन्होने हरयिाणा की भलाई के लिए किया। चीफ मिनिस्टर हाते हुए किसी व्यक्ति की कोई बुराई भी हुई है तो वह दूसरी बात है मेरे नोटिस में तो ऐसी बात भी

नही है। आपने इनका रवैया देशा ही है कि कांग्रेस सरकार बहुमत में होते हुए ये दस पन्द्रह आदमी हमलवावर की तरह से सिर पर चढ़े आ रहे है। अगर यही इनका हाल रहा तो जब जनता के सामने जाओंगे तब आपकों पता चलेगा। मेरे आदरणीय साथी दौलत साहब ने तो चीफ मिनिस्टर साहब को चैलेन्ज ही कर दिया कि जनता से एजीटे ान करायेगे और एजीटे ान में जनता का साथ देगे लेकिन मेरे वे दोस्त इसबात को न भूले कि जनता अब उनके बहकावले में नही आयेगी। वह तो एक दफा आ ली। अगर आप यह समझते है कि आपके बहाव में जनता आयेगी, वह अब आगे किसी प्रकार की कोई गड़बड़ नही करेगी। इभ्क है आप चन्द आर.एस.एस. के लड़कोंसे भारारत करा सकते है, वे करेगे। जैसा कि दौलता साहब ने यहां फरमाया क्योंकि दौलता साहब साफगोयी आदमी है बे ाक उनकों यह कहा गयाहो कि यह बात बहार नही कहनी लकिन वे साफ दिल आदमी है, वे अपने मन में कोई बात नही रोक नही सकते, उन्होने हाउस में चैलेन्ज कर दिया और उनका चैलेन्ज मन्जूर करते है। जनता ने इनकों इस इलैक ान में वोट दिये औ और लोक सभा मे इनका बहुमत है। प्राइमिनिस्टर मोरार जी की हम इज्जत करते है, आदर करते है लेकिन जहां आप ये इल्जाम लगाते है कि इन्दिरा गांधी ने यह कर दिया वह कर दियाऔर इन्छिर गांधी ने कानी ताक जो यहां होता था उसकी आवाज पहुंचती थी यह गलत बात है। अगर आप जैसे ही भाई मोरार जी के सहयोगी होगे तो उनका भी कल्याण नही

हो सकते। आप जैसे भाई उनकों म वरा देने वाल हुए जो कि ऐसा सोचते है तो दे ा का क्या हाल होगा?

स्पीकर साहब मै आपकी वसायत से यह अर्ज करना चाहता हूं कि जिस तरह का रैवैया मेरे दोस्तों ने अपनाया है यह अच्छा नही है। लोक सभीा और असैम्बली इलैक ान अलीग–अलग है। जब असैम्बली के इलैक ान हुए होगे तो उन्होने अपना असैम्बली का नुमाइन्दा चुना होगा और उसका वोट दिये होगे। पीर चन्द जी भी हा सकते है और कोई दूसरा भी हार सकता है। लेकिन आप ऐसा घमन्ड करें यह उचित नही है। यह आपकी विरासत नही है। जो लोग विरासत समझते है वह गलत समझते है।

आदरणीय अध्यक्ष महोदय जो एड्रैस गवर्नर साहब ने पे ा किया है उसका मै स्वागत करता हूं लेकिन कुछ मेरे अपने हल्के की मांगे है उनके लिए मै अर्ज करना चाहता हूं। मै आ ाा करता हूं कि सी.एम.साहब उनकी तरफ अव य ध्यान देगे।

लाडवा बस स्टैण्ड का मसला अभी चल रहा है। पता नही किस जगह पर है। वह कहां रूका हुआ है। मै ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर साहब से आपकी वसात से अर्ज करूंगा कि उसका जल्दी से जल्दी इन्तजाम किया जाये। दूसरी बात यह है कि वर्मा साहब की तरह मै भी होता तो मेरा भी काम हो जाता। ये पहले भी मजा

ले गये और जब भी मजा ले गये। बाहर भी रह गये, जेल में भी नही गये और लड़के को भी एच.सी.एस. करवा गये। (विध्न)

मुख्य मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्त): अध्यक्ष महोदय, एक तरफ तो ये कहते है कि एच.सी.एस. की जो लिस्ट है वहा तो दिल्ली से अप्रूव हो कर आती है ओर एक तरफ कहते है कि छाती पर पैर रख कर आ गया। तो मै यह जानना चाहता हूं कि कौनसी बात सही है?

श्री ओम प्रका ा गर्ग: आदरणीय वर्मा जी अपना काम भी करवाते रहे और जेल में भी नही गये। राम लाल जी को जेल भिजवा दिया। चौधरी बसी लाल से भी उन्होने काम लिया। चौधरी ि ाव राम वर्मा तो ठाडी और लम्बे थनों वाली भैंस का दूध पीत रहे। मुझ तो खु ाी है कि वे दनि ामन्द आदमी है। वे बचे भी रहे, लड़का भी एच.सी.एस. बनवा लिय। अब इन भाइयों को दिखाने के लिए कह दिया कि यह तो अपनी हिम्मत से आया है।

स्पीकर साहब, पहले लाडवा का पी.एब्ल्यू.डी. का सब डिवीजन थानेसर के साथ होता था लकिन अब वह करनाल के साथ लगा दिया है। मेरी आपसे दरखास्त है कि अब सारे हल्के कुरूक्षेत्र के साथ है अब उसकों भी करनाल की बजाए कुरूक्षेत्र के हस्पताल की बिलिडग इतनी भाानदार है उसका कोई मुकाबला नही कर सकता लेकिन उसमें जो स्टाफ लगा हुआ है उसमें अभी तक कोई बढ़ौतरी नही हुई। जितनी भाानदार बिल्डिग बनायी गई

है वैसा ही वहां पर स्टाफ भी भिजवाया जाये। लाडवा में सी.एम. साहब और सरदार हरपाल सिंह ने जो हस्पताल बनवाया है उसके लिए वहां की जनता धन्यवादी है। उन्होने वहां एक्सरे और लब्रोटरी का भी प्रबन्ध किया है लकिन एक्सरे खीचने के लिए हफ्ते में एक दिन के लिए एक आदमी आता है इसलिए मेरी आपसे दरखास्त है कि उन दोनों चीजों के लि आदमी दिया जाये। अगर दोनो चीजों के लिए आदमी नही दिया जायेगा तो वहां पर काम ठीक नही होगा।

मैने लाडवा बस स्टैन्ड के बारें में अर्ज किया। कुरूक्षेत्र में जो बस स्टैन्ड के लिए जगह है वह बहुत थोड़ी है। उसे आसपास जो जगह ै उसको ले लिया जाये क्योंकि कुरूक्षेत्र ऐसी महत्वपूर्ण स्थान है जो हिन्दूस्तान में ही नही बल्कि दुनिया के अन्दर म ाहूर है। वहां पर सूर्य ग्रहण के मेले के अवसर पर काफी स्थानों से लोग आते है। अब तो वहां पर जगह मिल सकती है। वहा आस पास जगह खाली पड़ी है, उसको बढ़ाना चाहेता वह बढ़ाया जा सकता है।

तीसरी रिक्वेस्ट मेरी पीपली बस स्टैन्ड के बारें में पीपली जी.टी. रोड़ पर है। वहां पर बस स्टैन्ड तो बना दिया लेकिन वह भी ता भौडो में यानी टीन के भौडों में है। खैर वहां भी पक्की बिल्डिग बना दी जाये तो अच्दी बात होगी। लेकिन मै एक बात और अर्ज करना चाहता हूं। कि वहां वर्क ाप होनी जरूरी है। पीपली एक सैन्ट्रल प्लेस है। अगर वहां वर्क ाप बन

जाये तो तो जी.टी. रोड बसे पास हो कर जाी है वे ठीक हो सकती है। दूसरी मेरी अर्ज यह है कि लाडवा से दिल्ली के लिए सुबह साढ़े पांच बजे चण्डीगढ़ से इन्दरी और करनाल हो कर लाड़वा जानी चाहिए। लाडवा से अम्बाला के लिए भी चलनी चाहिए क्योंकि अम्बाला में कपड़े की बहुत अच्छी मार्किट है क्योंकि वहां पर हमारे बजाज काफी तादाद में कपड़ा लेने के लिए जतो है लेकिन उनकों वापिस जाते वक्त दिक्कत होती है।

एक बात और अर्ज करना चाहता हूं कि हमारा इलाका जो नहरी इलाका कहलाता है वह ज्योतिसर क पास का कहलात है वहां के का तकारों को भी पानी मिलना चाहिएस।

Mr. Speaker: The House stands adjourned till 9-30 A.M. tomorrow.

(18.30 बजे)

(The Sabha then *adjourned till 9-30 A.M. on Tuesday, the 29th March, 1977)